10 बुमराह....

12 अमनदीप...

झारखण्ड का अपना दैनिक
झारखण्ड उजाला
सच आप तक

रांची, शनिवार, 26 सितंबर 2026 | पृष्ठ - 12 | मूल्य - 2 रूपये | रांची संस्करण | वर्ष- 06 | अंक -98 | RNI No. JHAHIN/2021/82144 | www.jharkhandujala.com

आज का विचार

झारखण्ड उजाला

प्रियंका कुमारी
(मुखिया) पंचायतः उत्तरी बेगमगंज, प्रखंड उधवा, जिला साहिबगंज

आज के परिवेश में महिलाओं को शिक्षित होने की आवश्यकता है, आप जितना शिक्षित होंगे उतना ही अपने भविष्य के लिए कुछ कर पाएंगे , और समाज में कदम से कदम मिलाकर चल पाएंगे।, इसलिए जितना हो सके अपने घर की बच्चियों को पढ़ाइए और उन्हें शिक्षित बनाया ।

सर्राफा

सोना (बिक्री) : **1,33,700**
चांदी (प्रति किलो) : **2,36,000**
(नोटः सोना 22 कैरेट कीमत प्रति 10 ग्राम)

शेयर बाजार

सेंसेक्स :- **73,895.74**
निफ्टी :- **23,140.50**

मौसम

अधिकतम तापमान : **27**
न्यूनतम तापमान : **21**

सूर्योदय/सूर्यास्त

प्रातः :- **05:39**
संध्या :- **17:41**

आज का इतिहास

आज ही के दिन सन1887 को एमिल बर्लिनर ने ग्रामोफोन का पेटेंट कराया, जिससे संगीत की दुनिया में बड़ा बदलाव आया।

संक्षिप्त समाचार

भारी बारिश को लेकर आज रांची के सभी स्कूल बंद

रांची। भारी बारिश के अलर्ट को देखते हुए रांची जिला प्रशासन ने 26 सितंबर 2026 को जिले के सभी स्कूलों को बंद रखने का आदेश दिया है. जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 की धारा 34 के तहत यह आदेश जारी किया है. इसके तहत जिले में संचालित सभी कोटि के सरकारी, गैर सरकारी सहायता प्राप्त (अल्पसंख्यक सहित) और निजी विद्यालयों में केजी से 12वीं कक्षा तक की पढ़ाई बंद रहेगी. भारत मौसम विज्ञान विभाग, मौसम विज्ञान केंद्र, झारखंड, रांची की ओर से 25 सितंबर को जारी विशेष बुलेटिन में रांची जिले को भारी बारिश की संभावना को लेकर येलो जोन में रखा गया है. मौसम विभाग के अलर्ट को देखते हुए जिला प्रशासन ने विद्यार्थियों की सुरक्षा के मद्देनजर एक दिन के लिए सभी स्कूल बंद रखने का निर्णय लिया है.

पलामू के मोहम्मदगंज में सड़क हादसा, दो युवकों की मौत

पलामू। जिला में मोहम्मदगंज थाना क्षेत्र के लटपौरी में गुरुवार की शाम भयंकर सड़क हादसा हुआ. इस सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई है जबकि एक की हालत गंभीर है. इस दुर्घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंच गई और पूरे मामले में छानबीन की. एक बाइक पर तीन युवक मोहम्मदगंज से हुसैनाबाद जा रहे थे. इस हादसे में हुसैनाबाद के अम्ही गांव के रहने वाले सुजीत मेहता की मौके पर ही मौत हो गई जबकि सुजीत मेहता के गांव के रहने वाले मंटू कुमार और हुसैनाबाद के डंडिला के रहने वाला मनदीप यादव गंभीर रूप से जख्मी हो गए. इस हादसे की जानकारी मिलने के बाद मोहम्मदगंज थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और गंभीर रूप से जख्मी मनदीप यादव और मंटू कुमार को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया.

युवा 'विकसित भारत' की रीढ़ और भविष्य के लाभार्थी हैं : पीएम मोदी

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज शुक्रवार को गुजरात के वडनगर से उत्तर प्रदेश की वाराणसी की यात्रा कर रहे 'सेवा संकल्प यात्रियों' से बातचीत की और उनकी सेवा भावना की तारीफ करते हुए कहा कि उनकी कोशिशें 'सचमुच प्रेरणादायक' हैं. वर्चुअल बातचीत के दौरान, पीएम मोदी ने कहा कि वडनगर और वाराणसी उनके लिए खास महत्व रखते हैं. उन्होंने वडनगर को अपनी जन्मभूमि और काशी को अपनी 'कर्मभूमि' बताया. पीएम मोदी ने कहा कि वडनगर-वाराणसी यात्रा का सार यह है कि ये दोनों शहर 1,000 से ज्यादा सालों से जीवंत हैं. मेरे लिए वडनगर मेरी जन्मभूमि है और काशी मेरी दूसरी कर्मभूमि है. काशी में हमें बाबा विश्वनाथ का आशीर्वाद प्राप्त है, जबकि वडनगर में हमें हाटकेश्वर महादेव का प्यार और आशीर्वाद मिलता है. उन्होंने दोनों शहरों के बीच बड़े पैमाने पर सेवा अभियान चलाने के लिए सेवा यात्रियों की सराहना की और कहा कि उनके अनुभवों से उन्हें ऐसा महसूस हुआ मानो वे भी उनके साथ यात्रा कर रहे हों. उन्होंने कहा कि इन दो शहरों के बीच आप सेवा का इतना बड़ा अभियान चला रहे हैं. मुझे भी आपसे मिलने और आपमें से कुछ लोगों से बातचीत करने का मौका मिला. जो लोग वडनगर से वाराणसी की यात्रा कर रहे हैं, उनके अनुभव सुनकर मुझे ऐसा लगता है जैसे मैं भी आपके साथ यात्रा कर रहा हूं. प्रधानमंत्री ने अपनी यात्रा के वीडियो और तस्वीरें शेयर करने के लिए प्रतिभागियों की तारीफ भी की और कहा कि इतने सारे लोगों को इस पहल से जुड़ा देखकर उन्हें खुशी हुई.

पीएम मोदी ने कहा कि आपने सेवा की भावना को बहुत खूबसूरती से समझाया है. मुझे आपके शेयर किए गए वीडियो और तस्वीरें बहुत पसंद आईं. मैं उत्साहित और आभारी हूं कि इतने सारे लोग इस पहल से जुड़े हैं. यात्राओं और कार्यक्रमों के आयोजन के अपने अनुभव को याद करते हुए, पीएम मोदी ने कहा कि ऐसी पहलों में अक्सर कई चुनौतियां होती हैं, जिनमें मौसम, जगहों और जरूरतों में बदलाव शामिल हैं. उन्होंने कहा कि जब मैं संगठन में काम कर रहा था, तो मुझे ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन का लंबा अनुभव मिला. बीजेपी के साथ रहते हुए, जब मैंने कई यात्राएं कीं और उनका आयोजन किया, तो मैंने महसूस किया कि लोगों को मौसम, जगहों और जरूरतों में बदलाव जैसी कई मुश्किलों का सामना करना पड़ता है, लेकिन आप सभी ने पूरे उत्साह के साथ इसे जारी रखा. निस्वार्थ सेवा के महत्व पर जोर देते हुए, पीएम मोदी ने कहा कि सेवा की भावना ने कई कल्याणकारी पहलों को भी प्रेरित किया है. उन्होंने कहा कि जब हम निस्वार्थ सेवा की भावना से काम करते हैं, तो आयुष्मान योजना जैसी पहल सामने आती हैं. इन दो शहरों के बीच यात्रा करते समय आपने जरूर महसूस किया होगा कि हमने सेवा के ऐसे कार्यों को कैसे बढ़ावा दिया है. पीएम मोदी ने आगे कहा कि राजनीति, चुनाव और शासन की अपनी जगह है, लेकिन बड़ा मकसद राष्ट्र-निर्माण होना चाहिए.

उन्होंने आगे कहा कि राजनीति की अपनी जगह है, चुनाव की अपनी जगह है और शासन-व्यवस्था की अपनी जगह है. लेकिन हम वो लोग हैं जो देश बनाने का काम करते हैं. हम 'विकसित भारत' बनाने के संकल्प के साथ आगे बढ़ते हैं. 2047 तक 'विकसित भारत' का विजन हासिल करने में युवाओं की भूमिका पर जोर देते हुए, पीएम मोदी ने कहा कि देश के विकास में युवा अहम हैं. उन्होंने कहा कि 2047 तक 'विकसित भारत' के विजन में हमें अपने युवाओं की भूमिका को मजबूत करना है. आज, युवा 'विकसित भारत' की रीढ़ हैं और वे ही इसके भविष्य के लाभार्थी भी हैं.

रांची में लगातार बारिश से जनजीवन प्रभावित, कई प्रमुख सड़कों पर जलजमाव से बढ़ी परेशानी

झारखण्ड उजाला संवाददाता

रांची। राजधानी रांची में लगातार हो रही बारिश से शहर की सड़कों पर जलजमाव हो गया है. शुक्रवार के कई इलाकों में सड़कें पानी में डूबी नजर आईं. निचले इलाकों और कॉलोनियों में पानी जमा होने के कारण लोगों को आवाजाही में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा. कई प्रमुख सड़कों पर पानी जमा रहने से वाहनों की रफ्तार धीमी हो गई और जगह-जगह जाम की स्थिति बनी रही. इस दौरान वाहन रेंगते नजर आए. लगातार बारिश के कारण कई स्थानों पर सड़क और नाली का अंतर खत्म हो गया. नालियों का पानी सड़कों पर आने से स्थिति और खराब हो गई. दोपहिया वाहन चालकों को सबसे अधिक परेशानी हुई. कई जगह सड़क पर पानी की गहराई का अंदाजा नहीं लगने के कारण वाहन चालक संभलकर गुजरते नजर आए. पैदल चलने वाले लोगों को भी पानी के बीच से होकर गुजरना पड़ा.

शहर के एजी मोड़, कडरू, कोकर, डोरंडा, सुरेंद्रनाथ स्कूल के आसपास, स्टेशन रोड, नामकुम और चुटिया के आसपास के इलाकों में बारिश का असर साफ दिखाई दिया. कई जगह सड़क किनारे पानी जमा रहा, जबकि कुछ स्थानों पर मुख्य सड़क के हिस्से भी जलमग्न नजर आए. लगातार बारिश के बीच वाहनों की आवाजाही बनी रही, लेकिन जलजमाव के कारण यातायात प्रभावित रहा. बारिश के साथ तेज हवाओं ने भी लोगों की परेशानी बढ़ा दी है. कई इलाकों में पेड़ और बिजली के खंभे गिरने से सड़कों पर आवागमन बाधित हो गया. कुछ स्थानों पर बिजली के तार टूटने के कारण बिजली आपूर्ति भी प्रभावित हुई. संबंधित विभागों की टीमें जलजमाव, गिरे पेड़ और बिजली से जुड़ी समस्याओं को दूर करने में जुटी रही. लगातार बारिश का असर शहर के कारोबार पर भी पड़ा. सड़क किनारे दुकान लगाने वाले, रेहड़ी-पटरी वाले और दैनिक मजदूरों को खासा परेशानी हुई. बारिश के कारण लोगों की आवाजाही कम रही, जिससे छोटे कारोबारियों का काम प्रभावित हुआ.

बारिश के बीच शहर की कई सड़कों पर जलजमाव के कारण लोगों को सामान्य दूरी तय करने में भी अधिक समय लगा. मुख्य सड़कों के अलावा मोहल्लों और कॉलोनियों के अंदर की सड़कों पर भी पानी जमा होने से लोगों को घर से निकलने में परेशानी हुई. कई जगह बड़े पेड़ भी गिरे और दुर्घटनाओं की खबर भी सामने आई. बंगाल की खाड़ी में बने डीप डिप्रेशन के प्रभाव से पिछले दो-तीन दिनों से झारखंड में बारिश का दौर जारी है. राजधानी में भी लगातार बारिश के कारण जनजीवन प्रभावित है. मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार 25 और 26 सितंबर को बारिश का असर बने रहने की संभावना है. 27 सितंबर से मौसम में सुधार की संभावना जताई गई है, जबकि 28 सितंबर से बारिश से राहत मिलने की संभावना है.

42000 सहिया बहनों को जल्द मिलेंगे टैब : स्वास्थ्य मंत्री ईरफान अंसारी

सहियाओं को समय पर प्रोत्साहन राशि देने का निर्देश, एनएचएम कर्मियों को ईपीएफ का लाभ

झारखण्ड उजाला संवाददाता

रांची। झारखंड में स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाने को लेकर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत संचालित विभिन्न कार्यक्रमों की समीक्षा की गयी. रांची के नामकुम स्थित आरसीएच सभागार में स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी की अध्यक्षता में हुई बैठक में सहिया बहनों के मानदेय, लंबित भुगतान, टैबलेट वितरण और स्वास्थ्य योजनाओं के बजट के प्रभावी इस्तेमाल पर विशेष रूप से चर्चा हुई. बैठक में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा समेत विभिन्न कार्यक्रमों के नोडल पदाधिकारी मौजूद थे.

42 हजार सहिया बहनों को मिलेगा टैबलेट

ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को लोगों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली करीब 42 हजार सहिया बहनों को जल्द टैबलेट उपलब्ध कराने की तैयारी है. टैबलेट मिलने से सहिया बहनों को स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी जानकारी दर्ज करने और रिपोर्टिंग करने में सुविधा होगी. साथ ही विभिन्न सरकारी स्वास्थ्य कार्यक्रमों की निगरानी और जमीनी स्तर की जानकारी उपलब्ध कराने की प्रक्रिया को भी बेहतर किया जा सकेगा.

मानदेय और लंबित भुगतान पर भी चर्चा

बैठक में सहिया बहनों के मानदेय और लंबित भुगतान से जुड़े मामलों की भी समीक्षा की गयी. अधिकारियों से भुगतान की स्थिति और लंबित मामलों की जानकारी ली गयी. स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी व्यवस्था को मजबूत करने के लिए इन मामलों का समयबद्ध समाधान करने पर जोर दिया गया.

स्वास्थ्य योजनाओं के बजट का हो प्रभावी इस्तेमाल

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत उपलब्ध बजट के बेहतर और प्रभावी इस्तेमाल को लेकर भी अधिकारियों को निर्देश दिये गये. बैठक में कहा गया कि स्वास्थ्य योजनाओं के लिए उपलब्ध राशि का समय पर उपयोग सुनिश्चित किया जाए, ताकि योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाया जा सके. समीक्षा बैठक में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत चल रहे विभिन्न कार्यक्रमों की प्रगति और उनके क्रियान्वयन की स्थिति की जानकारी ली गयी. अधिकारियों ने योजनाओं से संबंधित कार्यों की जानकारी दी. बैठक में सहिया बहनों से जुड़े मुद्दों के साथ स्वास्थ्य योजनाओं के बजट और जमीनी स्तर पर उनके क्रियान्वयन की भी समीक्षा की गयी. अब बैठक में लिये गये निर्णयों के क्रियान्वयन और उनकी प्रगति पर नजर रखी जायेगी.

भारत की झोली में एक और गोल्ड, राइफल थ्री पोजिशन के टीम इवेंट में भी सिल्वर मेडल आया

10 मीटर एयर पिस्टल के मिक्स्ड टीम इवेंट में गोल्ड मेडल आया
भारत की झोली में कुल 19 पदक
कबड्डी-स्क्वॉश में भी पदक पक्के

एजेंसी

पेरिस/नयी दिल्ली। एशियन गेम्स 2026 के छठे दिन भारत का शानदार प्रदर्शन जारी है. शूटिंग में भारत ने एक गोल्ड और एक सिल्वर मेडल अपने नाम किया है. 10 मीटर एयर पिस्टल के मिक्स्ड टीम इवेंट में कमलजीत और सुरुचि की जोड़ी ने 484.6 अंक हासिल कर गोल्ड मेडल जीता है. इससे पहले 22 सितंबर को भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने श्रीलंका को हराकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया था. इसी तरह 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन के टीम इवेंट में भी भारतीय निशानेबाजों ने कमाल किया. ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर, नीरज कुमार और रुद्राक्ष पाटिल की टीम ने 1762 अंक के साथ दूसरा स्थान हासिल किया और सिल्वर मेडल जीता. इस मुकाबले में ऐश्वर्य ने 589 और नीरज ने 588 अंक लाकर व्यक्तिगत स्पर्धा के फाइनल में जगह बना ली है. हालांकि रुद्राक्ष फाइनल के लिए क्वालिफाई नहीं कर सके. एक गोल्ड और एक सिल्वर मेडल जीतने के बाद एशियन गेम्स में भारत के कुल पदकों की संख्या 19 हो गई है. इनमें 2 गोल्ड, 8 सिल्वर और 9 ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं.

बॉक्सिंग में सचिन सिवाच क्वार्टर फाइनल में, स्क्वॉश में दो और पदक पक्के

बॉक्सिंग में भी भारत को सफलता मिली है. पुरुषों के 60 किलोग्राम वर्ग में सचिन सिवाच ने जॉर्डन के खिलाड़ी को 4-1 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है. स्क्वॉश में भारत के दो और पदक तय हैं. महिला सिंगल्स में अनाहत सिंह ने भारत की ही तन्वी खन्ना को 3-0 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया. सेमीफाइनल में पहुंचने के साथ ही उनका पदक पक्का हो गया है. वहीं पुरुष सिंगल्स में अभय सिंह ने जापान के खिलाड़ी को 3-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई है. अब सेमीफाइनल में उनका सामना पाकिस्तान के अशब इरफान से होगा. अशब ने क्वार्टर फाइनल में भारत के वीर चोटरानी को हराया है.

पुरुष कबड्डी टीम भी फाइनल में

भारतीय पुरुष कबड्डी टीम ने भी फाइनल में जगह बना ली है. सेमीफाइनल मुकाबले में भारत ने थाईलैंड को 66-27 से हराया. इस जीत के साथ भारतीय टीम का कम से कम सिल्वर मेडल पक्का हो गया है. वहीं महिला कबड्डी टीम ने नेपाल को 48-24 से हराकर पहले ही फाइनल में प्रवेश कर लिया है.

THE RANCHI RIFLE CLUB (RRC)
(Registered under -Society Registration Act: 21,1860. Government of Jharkhand)
JOIN US NOW
JOIN US TO BECOME A NATIONAL or INTERNATIONAL SHOOTER
Your ambition is our mission...

Our facilities:-
- 10m/ 25m Fully Air Conditioned Hitech indoor shooting range.
- All Types of Air/ Fire weapons are available for practice.
- All types of shooting equipments & accessories for sale available here.
- We teach the civilians how to handle weapons/ safety rules and way of firing.
- Special For School Girls & Boys.
- Above 8 years Girls & Boys May Join us.
- National Level Shooting Coach Facility Available Here.

Justdial
Contact: +91 8002397001, 7050607001
House No. 01, Shanti Nagar, Hatia, Near Hatia Tonko Bridge, P.O- Hatia, P.S.- Jagannathpur, Ranchi - 834003 (Jharkhand)
E-mail: theranchirifleclub@gmail.com | Website: http://www.theranchirifleclub.org

रत्नेश ज्योतिष एवं ग्रह रत्न केन्द्र
नीलम, पन्ना, पुखराज, माणिक, गोमेद, पारदर्शी, लसुनिया, हिरा, मोती, अकीक, चन्द्रमणि, एवं सभी प्रकार के रत्न और उपरत्न चाँदी में निर्मित अंगुठियाँ उचित मुल्य पर उपलब्ध है।
विशेष - जन्मकुंडली, लाईफ रिडिंग एवं पामेस्ट्री के लिए पधारें या संपर्क करें-

स्वामी रत्नेश जी
ज्योतिषाचार्य
पताः- सिंह मेंशन, शांति नगर, हटिया, राँची (झारखण्ड) / मो०- 6200215317

मन को विषयों से हटाकर आत्मा में स्थिर करना ही उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म : मुनिश्री शुभानंद जी महाराज

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रामगढ़। दसलक्षण महापर्व के दसवें एवं अंतिम दिन शुक्रवार को श्री दिगम्बर जैन मंदिर, रामगढ़ कैंट में उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म की श्रद्धा और भक्ति के साथ आराधना की गई। दस दिनों तक चले इस महापर्व में जैन श्रद्धालुओं ने भगवान जिनेन्द्र देव की विधि-विधानपूर्वक पूजा-अर्चना, अभिषेक, शांतिधारा एवं धार्मिक अनुष्ठानों में उत्साहपूर्वक भाग लिया।इस अवसर पर मुनिश्री 108 पुण्यानंद जी महाराज, मुनिश्री 108 शुभानंद जी महाराज एवं क्षुल्लकश्री 105 दिव्यानंद जी महाराज ससंघ के सान्निध्य में मंदिर परिसर का वातावरण भक्तिमय बना रहा। अंतिम दिन श्रद्धालुओं ने उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म के संदेश को आत्मसात करते हुए संयम, तप और आत्मशुद्धि का संकल्प लिया।प्रवचन के दौरान मुनिश्री 108 शुभानंद जी महाराज ने उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म की व्याख्या करते हुए कहा कि मन को सांसारिक विषयों से हटाकर आत्मा में स्थिर करना ही उत्तम ब्रह्मचर्य है। उन्होंने कहा कि ब्रह्मचर्य केवल इंद्रियों के संयम तक सीमित नहीं है, बल्कि मन, वचन और कर्म की शुद्धता के साथ आत्मस्वरूप में रमण करना इसका वास्तविक स्वरूप है। आत्मसंयम के माध्यम से ही मनुष्य अपने भीतर स्थित अनंत गुणों को जागृत कर सकता है।आज अनंत चतुर्दशी के पावन अवसर पर जैन समाज में विशेष धार्मिक अनुष्ठान किए गए। जैन धर्म में अनंत चतुर्दशी का विशेष महत्व माना जाता है। यह दिन आत्मसंयम, तप, त्याग और आत्मा के अनंत गुणों की आराधना के लिए समर्पित है।श्री दिगम्बर जैन मंदिर, रामगढ़ में पांडुशिला पर विराजमान भगवान वासुपूज्य की अष्टधातु प्रतिमा का कलश द्वारा अभिषेक किया गया। इसके पुण्यार्जक श्रीमती अरुणा जी एवं डॉक्टर शरद जी जैन, पुलक-आराध्या जैन परिवार रहे। शांतिधारा के पुण्यार्जक श्री अशोक जी एवं विकास जी रपरिया परिवार रहे।वेदी पर विराजमान तीनों बड़ी प्रतिमाओं का कलश द्वारा अभिषेक श्रीमती अरुणा जी, डॉक्टर शरद जी जैन परिवार; श्री हरक चंद जी, नम्रता जी, विवेक, विकास, सम्यक, शाश्वत अजमेरा परिवार तथा श्री अशोक जी एवं विकास जी रपरिया परिवार के द्वारा किया गया।चंद्रप्रभ भगवान जी की पाषाण प्रतिमा का कलश द्वारा अभिषेक श्री शांतिलाल जी, श्रवण जी, वीरेंद्र जी एवं तनिश सेठी परिवार के द्वारा किया गया। वहीं भगवान महावीर की प्राचीन प्रतिमा का कलश द्वारा अभिषेक श्रीमती उषा जी अजमेरा एवं मयंक जी अजमेरा परिवार द्वारा किया गया।वेदी पर विराजमान तीनों बड़ी प्रतिमाओं की शांतिधारा के पुण्यार्जक श्री कमल जी, कविता जी एवं अदिश पाटनी परिवार; श्री शांतिलाल जी, राकेश जी, रोमिल एवं रोहिल पांड्या परिवार तथा श्री जीवन मल जी, जंबू कुमार जी, अभिजीत एवं अमित जी पाटनी परिवार एवं समस्त पाटनी परिवार रहे।निर्वाण लाडू के पुण्यार्जक श्रीमती उषा जी अजमेरा एवं मयंक जी अजमेरा परिवार रहे। इस अवसर पर समस्त अजमेरा परिवार की सहभागिता रही।इसी क्रम में 1008 श्री पार्श्वनाथ जिनालय, रांची रोड में भी धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया। यहां प्रथम अभिषेक के पुण्यार्जक श्री अशोक जी एवं विकास जी रापड़िया रहे। शांतिधारा के पुण्यार्जक श्री योगेश, निशा एवं आर्जव सेठी रहे। प्रशांत एवं श्रीमती सुचिता सेठी, रांची रोड द्वारा शांतिधारा में सहयोग किया गया।निर्वाण लाडू के पुण्यार्जक श्री सुभाष जी, कविता जी एवं वैभव पाटनी, रांची रोड रहे। संध्या आरती के पुण्यार्जक श्रीमती पाना देवी सेठी परिवार, रांची रोड रहे।दसलक्षण महापर्व के समापन अवसर पर पूरे दस दिनों तक मंदिरों में चले धार्मिक आयोजनों से श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह और आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार हुआ। अनंत चतुर्दशी के अवसर पर श्रद्धालुओं ने भगवान जिनेन्द्र देव की आराधना करते हुए आत्मसंयम, तप, त्याग और सदाचार के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।जैन समाज के अध्यक्ष श्री राजेंद्र जी चूड़ीवाल ने समस्त समाजजनों को अनंत चतुर्दशी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दसलक्षण महापर्व आत्मशुद्धि और आत्मचिंतन का पर्व है। उन्होंने श्रद्धालुओं से महापर्व के दौरान ग्रहण किए गए संयम और धार्मिक संस्कारों को जीवन में निरंतर बनाए रखने का आह्वान किया। उपरोक्त जानकारी जैन समाज के मीडिया प्रभारी श्रवण जैन ने दी।

दुर्गा मंडप में हुई बैठक में पंडाल, विद्युत सजावट, फूल सज्जा व सुरक्षा व्यवस्था पर चर्चा

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रेलवे स्टीम कॉलोनी में दुगार्पूजा को लेकर नई समिति गठित

पतरातू: रेलवे स्टीम कॉलोनी स्थित दुर्गा मंडप परिसर में आगामी दुगार्पूजा के सफल आयोजन को लेकर बुधवार की शाम बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता गौरीशंकर सोय ने की। इस दौरान पंडाल, विद्युत सजावट, फूलों की सजावट, ढाक की व्यवस्था तथा पिछले वर्ष के आय-व्यय समेत विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई।बैठक में दुगार्पूजा के व्यवस्थित आयोजन के लिए सर्वसम्मति से नई पूजा समिति का गठन किया गया। गौरीशंकर सोय को अध्यक्ष, भुवन बड़ाइक को सचिव तथा बबलू चौधरी को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई। अनिल सिंह और डॉ. मनोज कुमार को संरक्षक तथा कुमार निशांत सिंह को सह-संरक्षक बनाया गया। सह-सचिव के रूप में शिवपुकार सिंह, कपिल रजक, विजय प्रसाद और श्याम बिहारी तिवारी का चयन किया गया। वहीं रवि सिंह, गोविन्द तिवारी, संदीप कुमार सिन्हा और रंजन दुबे को सांस्कृतिक प्रभारी, जबकि सरोज प्रसाद, भास्कर राय और राजकुमार श्रीवास्तव को प्रचार-प्रसार की जिम्मेदारी सौंपी गई। संतोष कुमार, किशोर राम, संजय कुमार सहित अन्य को मेला प्रभारी तथा धनंजय सिंह, पवन सिंह, पीयूष कुमार सहित अन्य को पंडाल प्रभारी बनाया गया। पूजा व्यवस्था की जिम्मेदारी राहुल मिश्रा, अमरदीप कुमार, अशोक सिंह सहित अन्य सदस्यों को दी गई। पूजा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेदारी रेलवे सुरक्षा बल पतरातू तथा विधि-व्यवस्था की जिम्मेदारी राजकीय रेल पुलिस बरकाकाना को दी गई है। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने दुगार्पूजा को श्रद्धा, भक्ति और आपसी सहयोग के साथ सफल बनाने का संकल्प लिया। श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और आवश्यक व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने पर जोर दिया गया। अगली बैठक 1 अक्टूबर को होगी, जिसमें तैयारियों की समीक्षा कर आगे की कार्ययोजना तय की जाएगी।

चेकिंग के दौरान स्कूटी से 100 लीटर महुआ शराब जब्त, युवक गिरफ्तार

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

टीपला से पिठोरिया ले जाई जा रही थी शराब, पतरातू पुलिस ने वाहन भी किया जब्त

पतरातू :अवैध शराब के परिवहन के खिलाफ पतरातू थाना पुलिस की ओर से चलाए जा रहे एंटी क्राइम चेकिंग अभियान में पुलिस को सफलता मिली। जांच के दौरान पुलिस ने एक स्कूटी से करीब 100 लीटर महुआ शराब बरामद करते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया। शराब परिवहन में प्रयुक्त स्कूटी को भी पुलिस ने जब्त कर लिया। गिरफ्तार युवक की पहचान आकाश यादव (24), पिता सोहराय यादव, ग्राम मायापुर, थाना ओरमांझी, जिला रांची निवासी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार वह स्कूटी संख्या जेएच 24 एन 5973 पर एक बोरा और बैग में महुआ शराब लेकर जा रहा था। इसी दौरान एंटी क्राइम चेकिंग के क्रम में पुलिस ने उसे पकड़ा। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार युवक भुरकुंडा के टीपला क्षेत्र से शराब लेकर पिठोरिया की ओर जा रहा था। जांच के दौरान स्कूटी से करीब 100 लीटर महुआ शराब बरामद हुई। पुलिस युवक से पूछताछ कर अवैध शराब की आपूर्ति और परिवहन से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी जुटा रही है। मामले में पुलिस की जांच जारी है।

पंडित दीनदयाल की जयंती पर भाजपा कार्यकताओं ने किया उन्हें नमन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

पतरातू मंडल के कार्यकताओं ने अंत्योदय और राष्ट्रसेवा के विचारों को आगे बढ़ाने का लिया संकल्प

पतरातू: पीटीपीएस स्थित शाह कॉलोनी पंचायत में भाजपा पतरातू मंडल की ओर से पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम में कार्यकताओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए।
वक्ताओं ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने एकात्म मानववाद और अंत्योदय के माध्यम से समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के उत्थान का विचार दिया। उनके विचार आज भी सेवा, समर्पण और राष्ट्रहित की प्रेरणा देते हैं। कार्यकताओं ने उनके आदर्शों को आत्मसात करते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा एवं विकास का लाभ पहुंचाने का संकल्प लिया। मौके पर भाजपा पतरातू मंडल अध्यक्ष रंजन भगत, अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष मो. वारिस खान, मंडल महामंत्री अवधेश सिंह, मंडल उपाध्यक्ष सुखदेव महतो, मंडल मंत्री राहुल कुमार सिंह, उमेश उरांव सहित कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम का समापन पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के संकल्प के साथ हुआ।

छह केंद्रों पर एक साथ गूंजा 'वंदे मातरम्, राष्ट्रभक्ति से सराबोर हुआ पतरातू

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

वंदे मातरम् की रचना के 150 वर्ष पूर्ण होने पर सरस्वती शिशु विद्या मंदिर पतरातू थर्मल में भव्य सामूहिक गान, करीब 1600 प्रतिभागी हुए शामिल

पतरातू: सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, पतरातू थर्मल के प्रांगण में राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' की रचना के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर शुक्रवार को भव्य सामूहिक गान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों, अभिभावकों एवं अतिथियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुआ। विद्यालय के प्रधानाचार्य सुरेंद्र कुमार पाठक ने अतिथियों का स्वागत करते हुए आयोजन के उद्देश्य एवं 'वंदे मातरम्' के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डाला। विद्यालय समिति के अध्यक्ष मनोज कुमार साहू ने राष्ट्रीय गीत की गौरवशाली यात्रा, स्वतंत्रता संग्राम में इसके योगदान एवं वर्तमान समय में इसकी प्रासंगिकता पर विचार रखे। ठीक 11 बजे गूंजा वंदे मातरम्: पूर्वाह्न 11 बजे विद्यालय परिसर में उपस्थित 655 छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों ने एक स्वर में 'वंदे मातरम्' का सामूहिक गान किया। इसी समय पतरातू क्षेत्र के पांच अन्य शिक्षण संस्थानों में भी सामूहिक गान आयोजित हुआ। डीएवी पब्लिक स्कूल गेगदा में 400, चौक एंड डस्टर स्कूल में 145, वारिस पब्लिक स्कूल में 120, मनोरमा पब्लिक स्कूल में 45 तथा किड्जी स्कूल में 35 प्रतिभागियों ने भाग लिया। करीब 200 अभिभावक एवं स्थानीय नागरिक भी कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम में प्रबंध समिति के अध्यक्ष मनोज कुमार साहू, उपाध्यक्ष वीरेंद्र कुमार पासवान, सचिव सूरज प्रसाद, सह-सचिव राजकिशोर सिंह, कोषाध्यक्ष डॉ. देवेंद्र नाथ तिवारी एवं समिति सदस्या मोनिका विश्वास सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। आयोजन के माध्यम से विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम, एकता, अनुशासन एवं अपनी सांस्कृतिक विरासत के प्रति सम्मान की भावना का संदेश दिया गया।

रामगढ़ पुलिस की बड़ी सफलता ऑपरेशन भरोसा' के तहत 61 गुम हुए मोबाइल बरामद

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

वास्तविक मालिकों को लौटाए

रामगढ़। आमजनों में पुलिस के प्रति विश्वास को और मजबूत करने के उद्देश्य से रामगढ़ पुलिस द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान ₹ऑपरेशन भरोसा₹ के तहत एक बार फिर बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने विभिन्न थाना क्षेत्रों और अन्य जिलों (रांची, हजारीबाग, चतरा, बोकारो, पलामू, गढ़वा आदि) से कुल 61 गुम हुए मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक मालिकों को सुपुर्द कर दिया है।

विगत 3 महीनों में कुल 245 मोबाइल बरामद

पुलिस अधीक्षक के निदेर्शानुसार, दर्ज सनहा और CEIR (Central Equipment Identity Register) पोर्टल पर दर्ज शिकायतों के आधार पर यह विशेष अभियान लगातार सफलतापूर्वक चलाया जा रहा है।

'ऑपरेशन भरोसा' के विभिन्न चरणों के आंकड़े इस प्रकार हैं:

प्रथम चरण: 125 मोबाइल
द्वितीय चरण: 59 मोबाइल
तृतीय चरण: 61 मोबाइल
कुल बरामदगी: 245 गुम हुए मोबाइल
थाना/ओ0पी0 वार बरामद मोबाइल की विवरणी:
1 रामगढ़ थाना 07
2 रजरप्पा थाना 07
3 पतरातु थाना 10
4 मांडू थाना 04
5 गोला थाना 05
6 भुरकुण्डा ओ0पी0 07
7 बरकाकाना ओ0पी0 05
8 बासल थाना 01
9बरलंगा थाना 03
10 कुज्जू ओ0पी0 05
11 वेस्ट बोकारो ओ0पी0 03 12 मदानीनगर ओ0पी0 04 कुल 61
उएक्रपोर्टल के प्रति किया जागरूक

कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक ने आमजनों को उएक्रढङ्ग१३'' के उपयोग और मोबाइल गुम होने पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया की जानकारी दी। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपने परिवार, मित्रों और परिचितों को भी इस व्यवस्था के प्रति जागरूक करें। मोबाइल वापस मिलने पर लोगों ने रामगढ़ पुलिस के इस सराहनीय प्रयास के प्रति आभार व्यक्त किया। पुलिस प्रशासन ने आश्वस्त किया है कि आमजनों की सेवा और जनविश्वास को सुदृढ़ करने के लिए ऐसे अभियान भविष्य में भी

भारी बारिश को देखते हुए सभी सरकारी व गैर सरकारी विद्यालयों में अवकाश घोषित करने की धनंजय कुमार पुटूस ने की मांग

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रामगढ़। रामगढ़ जिले में पिछले कई दिनों से हो रही लगातार भारी वर्षा को देखते हुए विद्यार्थियों की सुरक्षा एवं स्वास्थ्य के प्रति चिंता व्यक्त करते हुए भाजपा नेता व सांसद प्रतिनिधि धनंजय कुमार पुटूस ने रामगढ़ के उपायुक्त को आवेदन देकर व ट्वीट कर जिले के सभी सरकारी एवं गैर-सरकारी विद्यालयों को भारी वर्षा की स्थिति सामान्य होने तक बंद रखने का आग्रह किया है।धनंजय कुमार पुटूस ने कहा कि लगातार बारिश के कारण विद्यालय आने-जाने वाले छात्र-छात्राओं के साथ-साथ उनके अभिभावकों को भी काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। कई स्थानों पर जलजमाव, सड़क की खराब स्थिति एवं आवागमन में उत्पन्न बाधाओं के कारण बच्चों को विद्यालय पहुंचने में परेशानी हो रही है। बारिश में भीगने के कारण बच्चों के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका बनी हुई है।धनंजय कुमार पुटूस ने उपायुक्त से आग्रह किया है कि भारी वर्षा की स्थिति सामान्य होने तक रामगढ़ जिले के सभी सरकारी एवं गैर-सरकारी विद्यालयों को बंद रखने का आदेश जारी किया जाए, ताकि विद्यार्थियों को अनावश्यक रूप से खराब मौसम में आवागमन न करना पड़े और किसी भी अप्रिय घटना की संभावना को कम किया जा सके।

>>>: संक्षिप्त खबर :<<<

दीनदयाल जयंती पर अंत्योदय का संदेश, सामूहिक गान से गूंजा वंदे मातरम्

कटिया बस्ती में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 110वीं जयंती एवं वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित हुआ कार्यक्रम

पतरातू: पतरातू मंडल अंतर्गत ग्राम पंचायत कटिया बस्ती के सामुदायिक भवन में शुक्रवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 110वीं जयंती एवं वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान वंदे मातरम् का सामूहिक गायन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा युवा नेता सह मुखिया किशोर कुमार महतो ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं भारत माता के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जीवन समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास और सम्मान पहुंचाने की प्रेरणा देता है। उनका अंत्योदय एवं एकात्म मानववाद का विचार आज भी समाज और राष्ट्र के विकास के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होना गौरव का अवसर है। यह गीत राष्ट्रप्रेम, सम्मान और राष्ट्रीय चेतना का महत्वपूर्ण प्रतीक रहा है। उन्होंने स्वच्छता, शिक्षा, सामाजिक समरसता और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने तथा गांव और देश के विकास में अपनी जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में एकल अभियान के आचार्य सहित भाजपा के वरिष्ठ नेता डब्लू पांडे, संतोष, भुवनेश्वर कुमार, उपमुखिया नंद किशोर महतो, निर्मल जैन, अमित कुमार सिंह, राजीव पाठक, गोपाल महतो, सुखन महतो, शांति देवी, पारिजात कुमारी, किरण कुमारी, रीता देवी, दिलीप कुमार, मोहित ठाकुर, आकाश कुमार सहित बड़ी संख्या में महिलाएं एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

चॉक एंड डस्टर विद्यालय में गूंजा वंदे मातरम् का सामूहिक स्वर

राष्ट्रीय गीत के 150 वर्ष पूर्ण होने पर विद्यार्थियों, शिक्षकों और विद्यालय परिवार ने एक साथ किया संपूर्ण वंदे मातरम् का गायन

पतरातू: राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में शुक्रवार को चॉक एंड डस्टर विद्यालय में सामूहिक वंदे मातरम् गायन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राष्ट्रव्यापी आयोजन के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं विद्यालय परिवार के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पंचमंदिर पंचायत की मुखिया श्यामला महता, विशिष्ट अतिथि समाजसेवी राहुल कुमार सिंह एवं उमाशंकर अग्रवाल ने भारत माता के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके बाद ठीक 11 बजे विद्यालय परिसर में सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने एक साथ संपूर्ण वंदे मातरम् का सामूहिक गायन किया। इस दौरान विद्यालय परिसर देशभक्ति के भाव से ओत-प्रोत नजर आया।कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता और देश के प्रति सम्मान की भावना को मजबूत करना रहा। वंदे मातरम् के सामूहिक गायन के दौरान विद्यार्थियों में खासा उत्साह देखने को मिला। विद्यालय परिवार ने इस ऐतिहासिक अवसर को एकजुट होकर मनाते हुए राष्ट्रीय गीत के प्रति सम्मान व्यक्त किया। मौके पर शिक्षक सुधीर कुमार सिंह, आकाश कुमार, विकास कुमार सुधांशु, प्रांजल कुमार, किरण देवी, अर्चना कुमारी, अंजली कुमारी, अंजली बोदरा, ट्विंकल कुमारी, दीक्षा उपाध्याय समेत विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं, कर्मचारी एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

सड़क हादसे से भड़का आक्रोश

JLKM के कार्यकताओं ने वनांचल फैक्ट्री का मेन गेट किया जाम इलाज के लिए तत्काल 40,000 की मिली आर्थिक सहायता

रामगढ़/गोला। गोला प्रखंड अंतर्गत तिरला गांव निवासी अमृत मुंडा सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए। मिली जानकारी के अनुसार, यह हादसा हेतमपुर स्थित वनांचल फैक्ट्री की दर्जनों गाड़ियाँ ठल-23 सड़क पर बेतरतीब खड़ी रहने की वजह से हुआ। इस घटना से आक्रोशित होकर झारखण्ड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (JLKM) के केंद्रीय महासचिव संतोष चौधरी एवं अन्य कार्यकताओं ने वनांचल फैक्ट्री के मुख्य द्वार (मेन गेट) पर विरोध प्रदर्शन करते हुए सड़क जाम कर दिया।

NH23 पर गाड़ियों के जमावड़े से हुआ हादसा- स्थानीय ग्रामीणों और कार्यकताओं का आरोप है कि वनांचल फैक्ट्री प्रबंधन की लापरवाही के कारण आए दिन दर्जनों भारी वाहन NH-23 पर ही खड़े रहते हैं, जिससे सड़क संकरी हो जाती है और आए दिन हादसों का खतरा बना रहता है। बीते रात भी इसी अव्यवस्था के चलते अमृत मुंडा दुर्घटना का शिकार होकर गंभीर रूप से घायल हो गए।

प्रबंधन से वार्ता और तत्काल आर्थिक मदद-सड़क जाम और उग्र प्रदर्शन के बाद फैक्ट्री प्रबंधन वार्ता के लिए आगे आया। JLKM नेताओं और प्रबंधन के बीच हुई वार्ता के बाद, गंभीर रूप से घायल अमृत मुंडा के इलाज के लिए प्रबंधन द्वारा फिलहाल 40,000 की आर्थिक सहायता तत्काल उपलब्ध कराई गई।

मौके पर पहुंची गोला थाना पुलिस: घटना की सूचना मिलते ही गोला थाना प्रभारी अभिषेक कुमार अपने दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने उग्र कार्यकताओं और ग्रामीणों को समझा-बुझाकर शांत कराया और यातायात व्यवस्था को सुचारू करवाया।विरोध प्रदर्शन में खछडट के प्रखंड एवं जिला स्तर के दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यकताओं ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि फैक्ट्री प्रबंधन ने सड़क पर वाहनों की अवैध पार्किंग पर जल्द रोक नहीं लगाई और सड़क सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं किए, तो आगे और भी उग्र आंदोलन किया जाएगा।

16वीं सीनियर राष्ट्रीय महिला हॉकी चैंपियनशिप 2026: झारखंड टीम के ट्रायल में 52 खिलाड़ियों ने दिखाया दम

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। हॉकी इंडिया की ओर से आयोजित होने वाली 16वीं हॉकी इंडिया सीनियर राष्ट्रीय महिला हॉकी चैंपियनशिप 2026 के लिए झारखंड महिला हॉकी टीम के चयन की प्रक्रिया शुक्रवार को शुरू हुई. रांची के मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम मोरहाबादी में खुली चयन ट्रायल का आयोजन किया गया. ट्रायल में झारखंड के विभिन्न जिलों और संस्थानों से पहुंचीं 52 महिला खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया. खिलाड़ियों ने मैदान पर अपने खेल कौशल और फिटनेस का प्रदर्शन करते हुए चयनकताओं का ध्यान खींचने का प्रयास किया. इस ट्रायल में सिमडेगा, खूंटी, रांची, गुमला सहित राज्य के अन्य क्षेत्रों की खिलाड़ियों के साथ रेलवे और दूसरे संस्थानों से जुड़ी महिला खिलाड़ी भी शामिल हुईं. कई घंटे तक चले चयन परीक्षण के दौरान खिलाड़ियों की फिटनेस, हॉकी कौशल, पासिंग, ड्रिब्लिंग, गेंद पर नियंत्रण, खेल की समझ और मैदान पर प्रदर्शन का आकलन किया गया. चयनकताओं ने खिलाड़ियों की क्षमता को अलग-अलग मानकों पर परखने के बाद 30 खिलाड़ियों का चयन किया. चयनित 30 खिलाड़ियों के लिए अब राष्ट्रीय प्रतियोगिता से पहले विशेष प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जाएगा. इस शिविर के दौरान खिलाड़ियों के प्रदर्शन, फिटनेस और टीम के लिए उनकी उपयोगिता का आकलन किया जाएगा. प्रशिक्षण शिविर के प्रदर्शन के आधार पर अंतिम रूप से 18 खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा. यही 18 खिलाड़ी राष्ट्रीय सीनियर महिला हॉकी चैंपियनशिप में झारखंड का प्रतिनिधित्व करेंगी.

हॉकी झारखंड के महासचिव मनोज कोनबेगी ने कहा कि सीनियर स्तर की राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए टीम का चयन बेहद महत्वपूर्ण है. उन्होंने कहा कि ट्रायल में खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का पूरा अवसर दिया गया है. राज्य के अलग-अलग हिस्सों और संस्थानों से खिलाड़ियों का पहुंचना झारखंड में महिला हॉकी के मजबूत आधार को दर्शाता है. चयन के दौरान केवल वर्तमान प्रदर्शन ही नहीं, बल्कि फिटनेस और टीम की जरूरत के अनुसार खिलाड़ियों की क्षमता को भी देखा गया है. उन्होंने कहा कि 30 खिलाड़ियों के चयन के बाद प्रशिक्षण शिविर में टीम को प्रतियोगिता के लिए तैयार किया जाएगा. शिविर के दौरान खिलाड़ियों की कमियों पर काम करने के साथ टीम संयोजन को बेहतर बनाने पर भी ध्यान दिया जाएगा. अंतिम 18 खिलाड़ियों का चयन उनके प्रदर्शन के आधार पर किया जाएगा. झारखंड की टीम राष्ट्रीय प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करे, इसके लिए प्रशिक्षण शिविर को महत्वपूर्ण माना जा रहा है. ट्रायल के दौरान झारखंड की पहली अंतरराष्ट्रीय महिला हॉकी खिलाड़ी सावित्री पूर्ति भी मौजूद रहीं. इसके अलावा हॉकी झारखंड के कोषाध्यक्ष असृता लकड़ा, संयुक्त सचिव दुलारी टोपनो, महानिदेशक विजय शंकर सिंह सहित अन्य पदाधिकारी और तकनीकी अधिकारी उपस्थित रहे. चयन प्रक्रिया के दौरान मैदान पर खिलाड़ियों के प्रदर्शन का बारीकी से मूल्यांकन किया गया. झारखंड में महिला हॉकी की मजबूत पहचान रही है. सिमडेगा समेत राज्य के कई जिलों से लगातार प्रतिभाशाली खिलाड़ी सामने आती रही हैं. ऐसे में सीनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए होने वाला यह चयन ट्रायल नई और अनुभवी खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर पर राज्य का प्रतिनिधित्व करने का अवसर देने की दिशा में महत्वपूर्ण है. अब चयनित 30 खिलाड़ियों के प्रशिक्षण शिविर और उसके बाद अंतिम 18 खिलाड़ियों के चयन पर सबकी नजर रहेगी.

रांची के रातू में अनंत चतुर्दशी पर मंदिरों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, भजन-कीर्तन से भक्तिमय हुआ माहौल

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। अनंत चतुर्दशी के अवसर पर शुक्रवार को रातू प्रखंड के विभिन्न मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी. झखराटांड़, पावर हाउस, काठीटांड़, आमटांड़, कमड़े समेत आसपास के क्षेत्रों के मंदिरों में सुबह से ही पूजा-अर्चना और दर्शन के लिए भक्तों का तांता लगा रहा. श्रद्धालुओं ने विधि-विधान के साथ भगवान विष्णु और अनंत देव की पूजा-अर्चना की. लोगों ने परिवार की सुख-समृद्धि और मंगल की कामना की. पर्व को लेकर मंदिर परिसरों में विशेष उत्साह देखने को मिला. अनंत चतुर्दशी के मौके पर कई मंदिरों में भजन-कीर्तन का आयोजन हुआ. इससे पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा. श्रद्धालुओं ने परंपरागत रीति-रिवाज के अनुसार पूजा संपन्न की और अनंत सूत्र धारण किया. पर्व को लेकर मंदिरों और आसपास के क्षेत्रों में दिनभर चहल-पहल बनी रही. बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने से धार्मिक स्थलों पर उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला.

सीसीएल की 40वीं जोनल खान बचाव प्रतियोगिता-2026 का भव्य समापन

पुरस्कार वितरण समारोह में विजेता टीमों एवं उत्कृष्ट प्रतिभागियों को किया गया सम्मानित

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड द्वारा आयोजित 40वीं जोनल खान बचाव प्रतियोगिता-2026 का चार दिवसीय आयोजन सीसीएल मुख्यालय, रांची स्थित गंगोत्री कन्वेंशन सेंटर स्थित संगम सभागार में भव्य एवं गरिमापूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर प्रतियोगिता के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सीएमडी, सीसीएल निलेंदु कुमार सिंह, उप-महानिदेशक, खान सुरक्षा निदेशालय (दक्षिण-पूर्व) डॉ. श्याम सुंदर प्रसाद, उप-महानिदेशक, खान सुरक्षा निदेशालय (मध्य) मनीष चंद्र जायसवाल, निदेशक (वित्त) पवन कुमार मिश्रा, निदेशक (मानव संसाधन) हर्ष नाथ मिश्र, निदेशक (तकनीकी/संचालन) चंद्र शेखर तिवारी, निदेशक (योजना एवं परियोजना) अनुप हंजुरा, निदेशक खान सुरक्षा, कोडरमा प्रक्षेत्र श्याम मिश्रा, निदेशक खान सुरक्षा, चाईबासा प्रक्षेत्र योहाना येजरला तथा मुख्य निर्णायक एवं निदेशक खान सुरक्षा, रांची प्रक्षेत्र अजीत कुमार द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।

कार्यक्रम में केंद्रीय विद्यालय, सीसीएल, राजेंद्र नगर, रांची के विद्यार्थियों द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। इसके पश्चात विद्यार्थियों ने मनमोहक नृत्य एवं नाटक की प्रस्तुति दी, जिसकी उपस्थित अतिथियों एवं प्रतिभागियों ने सराहना की। कार्यक्रम के प्रारंभ में महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं बचाव), सीसीएल विनोद कुमार ने मुख्य निर्णायक, प्रतियोगिता के विभिन्न चरणों में निर्णायक की भूमिका निभाने वाले निर्णायकगण तथा उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों का स्वागत किया। मुख्य अतिथि उप-महानिदेशक, खान सुरक्षा निदेशालय (दक्षिण-पूर्व) डॉ. श्याम सुंदर प्रसाद ने प्रतियोगिता में सीसीएल की विभिन्न टीमों के प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने खान बचाव सेवाओं को और अधिक प्रभावी एवं आधुनिक बनाने के लिए नई तकनीकों को बचाव कार्यों में शामिल करने पर जोर दिया। साथ ही, आगामी अखिल भारतीय खान बचाव प्रतियोगिता-2026 के सफल आयोजन के लिए सीसीएल को महत्वपूर्ण सुझाव दिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सीएमडी, सीसीएल निलेंदु कुमार सिंह ने सभी प्रतिभागियों के समर्पण, कड़ी मेहनत एवं टीम भावना की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि खान बचाव कर्मियों का साहस, समर्पण एवं तत्परता खनन उद्योग की सुरक्षा व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी है।

रांची में कॉकरोच जनता पार्टी की प्रेस कॉन्फ्रेंस मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। वोटर लिस्ट में नामों की जांच और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर राजनीतिक बहस के बीच कॉकरोच जनता पार्टी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की है. पार्टी ने आरोप लगाया है कि रक्फ़ की प्रक्रिया के कारण बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से प्रभावित हुए हैं. पार्टी ने इसे लेकर आंदोलन तेज करने की चेतावनी भी दी है. दरअसल, शुक्रवार को रांची में पत्रकार सम्मेलन के दौरान सीजेपी के प्रांत प्रभारी इशांत कुमार झा ने बताया कि संगठन, रक्फ़ की प्रक्रिया को लेकर लगातार सवाल उठा रहा है. उनके अनुसार, मतदाता सूची में नामों की जांच के दौरान बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम प्रभावित होने की शिकायतें सामने आ रही हैं. पार्टी का कहना है कि इस पूरे मामले में चुनाव आयोग की भूमिका और प्रक्रिया को लेकर स्पष्टीकरण जरूरी है.

इशांत कुमार झा ने कहा कि नई दिल्ली में अभिजीत दीपके की ओर से की गई घोषणा के बाद झारखंड में भी संगठन की ओर से आंदोलन को व्यापक स्तर पर ले जाने की तैयारी की जा रही है. उन्होंने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त से इस्तीफे की मांग की गई है. पार्टी ने इसके लिए 24 घंटे की समयसीमा तय किए जाने की बात कही है. वहीं सीजेपी के प्रांत प्रभारी के मुताबिक, यदि 24 घंटे के भीतर मुख्य चुनाव आयुक्त का इस्तीफा नहीं होता है, तो संगठन आंदोलन को दिल्ली से बाहर देशभर में ले जाने की दिशा में आगे बढ़ेगा. उन्होंने कहा कि रक्फ़को लेकर संगठन अपने स्तर पर विरोध जारी रखेगा और इस मुद्दे को व्यापक स्तर पर उठाया जाएगा.

एसआईआर को लेकर मतदाता सूची में नामों की जांच, दस्तावेजों की प्रक्रिया और पात्र मतदाताओं के नाम सूची में बनाए रखने जैसे मुद्दों पर राजनीतिक दलों की अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आती रही हैं. इसी क्रम में सीजेपी ने भी अपनी आपत्ति दर्ज कराते हुए चुनाव आयोग से जुड़े शीर्ष पद पर बैठे अधिकारी के इस्तीफे की मांग उठाई है. पार्टी की ओर से कहा गया है कि मतदाता सूची लोकतांत्रिक चुनाव प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा है और इसमें किसी भी तरह की गड़बड़ी या पात्र मतदाताओं के नाम प्रभावित होने की शिकायतों का समाधान जरूरी है.

झारखंड भाजपा ने मनायी पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 110वीं जयंती, कार्यकताओं ने अर्पित की श्रद्धांजलि

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। झारखंड प्रदेश भाजपा की ओर से गुरुवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 110वीं जयंती मनायी गयी. प्रदेश भाजपा कार्यालय और पंडित दीनदयाल नगर स्थित उनकी प्रतिमा पर पार्टी नेताओं ने माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित की. जयंती को अंत्योदय दिवस के रूप में मनाते हुए नेताओं ने समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के उत्थान के संकल्प को दोहराया. प्रदेश भाजपा कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू, नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी और संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने श्रद्धांजलि अर्पित की. इसके बाद पंडित दीनदयाल नगर स्थित उनकी प्रतिमा पर भी प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष ने पुष्पांजलि अर्पित की.

प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जीवन गरीब, पिछड़े और वंचित वर्ग के उत्थान के लिए समर्पित रहा. उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के विकास और उन्नति के लिए प्रयासरत रहे. आदित्य साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों को धरातल पर उतारने का काम कर रही है और कल्याणकारी योजनाओं का लाभ गरीब, शोषित और वंचित वर्ग तक पहुंच रहा है.

नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जीवन त्याग, तपस्या और सेवा भाव से भरा रहा. उन्होंने राष्ट्र प्रथम के आदर्शों और उच्च नैतिक मूल्यों का पालन किया. उन्होंने कहा कि अंत्योदय, वसुधैव कुटुम्बकम और एकात्म मानववाद के उनके विचार समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के उत्थान की प्रेरणा देते हैं. संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के संघर्षपूर्ण जीवन और राष्ट्रसेवा का उल्लेख किया. उन्होंने कहा कि 1937 में संघ से जुड़ने के बाद उन्होंने अपना जीवन राष्ट्रसेवा के लिए समर्पित कर दिया. राष्ट्रधर्म और पांचजन्य जैसी पत्रिकाओं के माध्यम से भी उन्होंने राष्ट्रभक्ति की भावना को मजबूत करने का प्रयास किया. कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद, बालमुकुंद सहाय, महामंत्री गणेश मिश्रा, मनोज सिंह, अमर कुमार बाउरी, रांची विधायक सीपी सिंह, प्रदेश मंत्री सरोज सिंह, अमरदीप यादव, सुनीता सिंह, शालिनी बैसिखियार आदि थे।

रांची हिंसा मामला: पांच दोषियों को दो-दो साल की सजा

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। 10 जून 2022 को रांची में हुए हिंसक जुलूस और उपद्रव से जुड़े डेली मार्केट थाना कांड संख्या 16/2022 में न्यायालय ने पांच आरोपियों को दोषी करार देते हुए दो-दो वर्ष के साधारण कारावास की सजा सुनाई है. न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी-24, रांची की अदालत में न्यायिक दंडाधिकारी रितविका सिंह ने बुधवार को फैसला सुनाया. दोषी ठहराए गए आरोपियों में मो. उस्मान उर्फ करण, मो. तवारू उर्फ तबारक कुरैशी, मो. सरफराज आलम, मो. साबिर अंसारी और मो. अफसर शामिल हैं. कोर्ट ने सभी को आईपीसी की धारा 147, 353/149, 504/149 और 120बी के तहत दोषी माना. वहीं पर्याप्त साक्ष्य नहीं मिलने पर धारा 148 और 341/149 के आरोपों से उन्हें बरी कर दिया.

अदालत के फैसले के अनुसार, 10 जून 2022 को करीब 8 से 10 हजार लोगों के जुलूस के एकरा मस्जिद से फिरायालाल चौक की ओर बढ़ने की सूचना पुलिस को मिली थी. पुलिस के अनुसार, जुलूस के पास पूर्व अनुमति नहीं थी और पुलिस ने लाउडस्पीकर से उसे रोककर भीड़ को वापस लौटने के लिए कहा था. अभियोजन के मुताबिक, इसके बावजूद जुलूस आगे बढ़ा और पुलिसकर्मियों के साथ धक्का-मुक्की, गाली-गलौज तथा पथराव की स्थिति बनी. मामले में पुलिस की ओर से कुल 10 गवाहों को सूचीबद्ध किया गया था. इनमें पुलिसकर्मी और अधिकारी शामिल थे, जबकि दो गवाहों को अदालत के रिकॉर्ड में होस्टाइल विटनेस बताया गया है. अभियोजन साक्ष्य 15 जुलाई 2026 को बंद हुआ और 10 अगस्त 2026 को आरोपियों के बयान दर्ज किए गए.

अदालत के रिकॉर्ड में गवाहों ने जुलूस के दौरान पुलिसकर्मियों पर पथराव और पुलिस बल के साथ धक्का-मुक्की की बात कही. एक गवाह ने पुलिसकर्मी के पैर में गोली लगने और कई पुलिसकर्मियों के पत्थर लगने से घायल होने की बात कही. वहीं डेली मार्केट थाना प्रभारी रहे गवाह ने अपने सिर में पत्थर लगने और अस्पताल में इलाज कराने की बात अदालत में बताई. अदालत ने अपने निष्कर्ष में कहा कि अभियोजन यह साबित करने में सफल रहा कि आरोपित बिना अनुमति निकाले गए जुलूस में शामिल थे और पुलिस द्वारा रोकने की कोशिश के बावजूद जुलूस आगे बढ़ा. हालांकि, अदालत ने यह भी माना कि अभियोजन यह स्पष्ट रूप से साबित नहीं कर पाया कि भीड़ के पास किस प्रकार के घातक हथियार थे. इसी आधार पर धारा 148 के आरोप में दोष सिद्ध नहीं हुआ.

अदालत ने धारा 147 के तहत दो साल की सजा और 3,000 रुपये जुमार्ना, धारा 353/149 के तहत दो साल और 3,000 रुपये, धारा 504/149 के तहत दो साल और 3,000 रुपये, जबकि धारा 120बी के तहत छह महीने की सजा और 1,000 रुपये जुमार्ना लगाया है. जुमार्ना नहीं देने पर अतिरिक्त 30 दिन का साधारण कारावास भुगतना होगा. सभी सजाएं एक साथ चलेंगी, इसलिए अधिकतम प्रभावी सजा दो वर्ष है. पूर्व में जेल में बिताई अवधि को भी सजा में समायोजित करने का आदेश दिया गया है. अदालत ने दोषियों को प्रोबेशन का लाभ देने से भी इनकार किया.

गेतलसूद डैम के आज खुल सकते हैं गेट; अलर्ट जारी

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। लगातार हो रही बारिश के कारण स्वर्णरेखा नदी पर स्थित गेतलसूद डैम का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है. डैम की अधिकतम जलधारण क्षमता 1936 आरएल फीट है, जबकि शुक्रवार दोपहर 1:30 बजे जलस्तर 1932.8 आरएल फीट दर्ज किया गया. जलस्तर 1933.5 आरएल फीट पहुंचते ही डैम के रेडियल गेट किसी भी समय खोले जा सकते हैं. विभागीय सूत्रों के अनुसार, शुक्रवार रात डैम के गेट खोलने की तैयारी की जा रही है. गेट खोले जाने से पहले आसपास के क्षेत्रों में प्रशासन की ओर से अलर्ट जारी किया जायेगा. सुरक्षा को लेकर भी आवश्यक इंतजाम किये गये हैं. गेतलसूद डैम के गेट खुलने के बाद स्वर्णरेखा नदी में पानी का प्रवाह बढ़ेगा. इसका असर हुंडरू फॉल, मुरी क्षेत्र और चांडिल डैम के जलस्तर पर भी पड़ सकता है. प्रशासन ने नदी किनारे और निचले इलाकों में रहने वाले लोगों से सतर्क रहने की अपील की है. लोगों को जलाशय और नदी के आसपास जाने से बचने की सलाह दी गयी है.

सिकिदिरी परियोजना का उत्पादन बंद होने से बढ़ी चिंता

इधर, शुक्रवार पूर्वाह्न 11:30 बजे से तकनीकी कारणों से सिकिदिरी जल विद्युत परियोजना का विद्युत उत्पादन बंद है. इसके कारण गेतलसूद डैम से परियोजना के लिए नहर के माध्यम से पानी की आपूर्ति भी रोक दी गयी है. एक ओर डैम में पानी की आवक बढ़ रही है, वहीं परियोजना के लिए पानी की निकासी बंद होने से जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है. इसी स्थिति को देखते हुए रेडियल गेट खोले जाने की तैयारी है.

खबर एक नजर

हाथियों के आतंक से किसान परेशान, दर्जनों हाथी खेतों में उतरे

तमाड़। क्षेत्र में हाथियों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। शुक्रवार सुबह सरजमडीह और पांडरानी के बीच दर्जनों हाथियों का झुंड खेतों में उतर आया, जिससे किसानों में दहशत फैल गई। बताया जा रहा है कि हाथियों के झुंड ने धान की फसलों को रौंद कर बर्बाद कर दिया। अचानक खेतों में हाथियों को देख किसान खेत छोड़कर भागने को मजबूर हो गए। स्थानीय लोगों का कहना है कि हाथियों के आतंक से वे पिछले कई दिनों से परेशान हैं, लेकिन प्रशासन की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है। ग्रामीणों ने कहा कि प्रशासन कब हाथियों से मुक्ति दिलाएगा? ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द हाथियों को जंगल की ओर खदेड़ा जाए और प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा दिया जाए।

दुर्गा पूजा को लेकर श्री श्री शक्ति क्लब की बैठक, संचालन समिति का हुआ गठन

तमाड़। श्री श्री शक्ति क्लब दुर्गा पूजा समिति, दोंवाटी चौक सारजमडीह की ओर से आगामी दुर्गा पूजा को लेकर शुक्रवार को दुर्गा मंदिर परिसर में बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता नीतीश पांडेय ने की। बैठक में वर्ष 2026 में माँ दुर्गा की भव्य प्रतिमा स्थापित कर पूरे श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ पूजा-अर्चना करने का निर्णय लिया गया। बैठक में विजयादशमी (एकादशी) के अवसर पर आँचूडीह नदी तट पर लगने वाले पारंपरिक मुखिया मेला को भव्य रूप देने के साथ रावण दहन और माँ दुर्गा की प्रतिमा विसर्जन कार्यक्रम को विधि-विधान से संपन्न कराने पर भी सहमति बनी। पूजा एवं मेले के सफल आयोजन के लिए संचालन समिति का गठन कर सदस्यों को अलग-अलग जिम्मेदारियाँ सौंपी गईं। मूसलाधार बारिश के बावजूद बैठक में सैकड़ों श्रद्धालु एवं समिति के सदस्य उपस्थित रहे। बारिश के बीच बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी से आयोजन को लेकर भक्तों में उत्साह और आपसी एकजुटता देखने को मिली। बैठक के अंत में समिति के अध्यक्ष नीतीश पांडेय ने सभी सदस्यों एवं श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि दुर्गा पूजा एवं मेले को सफल बनाने में सभी लोग तन-मन-धन से सहयोग करें। उपस्थित भक्तों ने भी आयोजन को सफल बनाने का संकल्प लिया। बैठक में शिवनंदन प्रमाणिक, अनंत सेठ, जमेन सेठ, सिरीश सेठ, रूपलाल सेठ, सुमित सेठ, मिनीट सेठ, राहुल सेठ, मिलेश हजाम, नंदगोपाल पुरान, रामानंद प्रमाणिक, रजनीकांत प्रमाणिक, विकास सेठ, सत्यदेव सेठ, शिवनाथ सेठ, मंजीत हजाम, हाराधन हजाम, करम हजाम, रूपेश सेठ, अखिल हजाम, पीयूष पांडेय, संतोष हजाम, श्रवण सेठ, सोनू पुरान, बाउल सेठ, रंजन सेठ, अजेश प्रमाणिक, दिलीप सेठ, रामनाथ सेठ, निखिल हजाम, ईश्वर सेठ, सोहित हजाम, भरत हजाम, विपत नायक, मनसा नायक, सूरज नायक, अजित हजाम, रोहित सेठ, सुनील सेठ, मुचीराम हजाम, अमित कुमार, मनोज प्रमाणिक, महिपाल ठाकुर, टुपकन महुआ, प्रदुन सेठ, गणेश सेठ, जय गुरु दास, बबलू मुंडा, श्री चाँद पुरान, बबलू सेठ, बलदेव पुरान, निमाई मोगता, मानसा प्रमाणिक, कनलेश प्रमाणिक, बुढ़ा सेठ, विक्रम हजाम, प्रियल पांडेय, प्रभास पांडेय, पंकज हजाम, रिमांशु सेठ, रोहित हजाम, तरुण सेठ, गोवर्धन सेठ, भीम हजाम, रोमा सेठ, अधिन सेठ, ज्योति सेठ, छोटु गुप्ता, कार्तिक हजाम, कृष्णा हजाम, गुड़ा सेठ सहित बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित थे।

तमाड़ में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 110वीं जयंती मनाई गई

तमाड़। शुक्रवार को तमाड़ मंडल भाजपा की ओर से नुरीडीह में जनसंघ के संस्थापक महामंत्री, प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक एवं एकात्म मानववाद तथा अंत्योदय के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 110वीं जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम में भाजपा कार्यकताओं ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर अगरबत्ती जलाकर एवं बारी-बारी से पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस दौरान उनके विचारों और आदर्शों को याद करते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने के संकल्प को दोहराया गया। मौके पर मंडल अध्यक्ष महावीर सोनी, वरिष्ठ भाजपा नेता लक्ष्मण सिंह मुण्डा, मंडल महामंत्री विवेक गुप्ता, भाजयुमो मंडल अध्यक्ष चंदन साहु, शंकर सोनार, राजेश नाग, नन्दकिशोर सिंह मुण्डा, सुखदेव अहीर, भुतनाथ मुण्डा, संतोष मुण्डा, जीत वाहन मुण्डा, करन मुण्डा सहित कई भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

राधानगर थाना परिसर में हुआ मोबाइल वितरण कार्यक्रम आयोजित,खोया हुआ एवं गुम की गई 35 मोबाइल बरामद कर वास्तविक मालिकों को सौंपा

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

उधवा/साहिबगंज ।साहिबगंज पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह के निर्देश पर राधानगर थाना परिसर में शुक्रवार को राजमहल एसडीपीओ विमलेश कुमार त्रिपाठी के नेतृत्व में मोबाइल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पुलिस प्रशासन ने खोया हुआ एवं गुम की गई 35 मोबाइल को पुलिस प्रशासन ने बरामद कर उनके वास्तविक मालिकों को सौंपा। मोबाइल फोन आपस मिलने पर लोगों के चेहरे पर खुशी देखने को मिली। लोगों ने पुलिस की इस पहल की सराहना करते हुए मोबाइल बरामद कर उन्हे वास्तविक मालिकों तक पहुंचाने के लिए पुलिस प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान राजमहल एसडीपीओ विमलेश कुमार त्रिपाठी ने कहा कि गुम हुए एवं चोरी की गई मोबाइल की बरामदगी के लिए पुलिस प्रशासन द्वारा लगातार प्रयास किया जा रहा है। तकनीकी माध्यमों और जांच के आधार पर बरामद मोबाइल को सत्यापन के बाद उनके वास्तविक मालिकों को सौंपा गया। पुलिस की कार्रवाई से मोबाइल गुम होने वाले लोगों को राहत मिली है। राजमहल अनुमंडल क्षेत्र से खोया एवं गुम हुए 35 मोबाइल बरामद कर वास्तविक मालिकों को सौंपा राजमहल अनुमंडल क्षेत्र में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए खोया एवं गुम हुए कुल 35 मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक मालिकों को सौंप दिया। मोबाइल वापस मिलने पर संबंधित लोगों के चेहरे पर खुशी देखने को मिली और उन्होंने पुलिस के प्रति आभार व्यक्त किया। पुलिस जानकारी के अनुसार, बरामद किए गए मोबाइल फोन में राधानगर थाना क्षेत्र से 13 तीनपहाड़ थाना क्षेत्र से 2 राजमहल थाना क्षेत्र से 13 तथा तालझारी थाना क्षेत्र से 7 मोबाइल फोन शामिल हैं। पुलिस ने तकनीकी माध्यमों एवं लगातार प्रयास के जरिए इन मोबाइल फोन को बरामद किया गया है। आवश्यक सत्यापन के बाद सभी 35 मोबाइल उनके वास्तविक मालिकों को सुपुर्द किए गए।

मोबाइल वितरण कार्यक्रम में मौजूद रहे पुलिस पदाधिकारी

मोबाइल वितरण कार्यक्रम में मौके पर राधानगर थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज, राजमहल थाना प्रभारी हसनैन अंसारी,तालझारी थाना प्रभारी नितेश कुमार पांडेय, तीन पहाड़ थाना प्रभारी गौरव कुमार, एसआई जुमराती अंसारी, संग्राम सिंह सोय, एएसआई शशिकांत यादव, समेत अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद थे।

तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर गिरी, फ्लिपकार्ट डिलीवरी कर्मी गंभीर रूप से घायल

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

साहिबगंज ।जिले के राजमहल थाना क्षेत्र के हाटपाड़ा मोड़ स्थित शरण पार्क के समीप गुरुवार की देर रात तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गयी। हादसे में मंडई निवासी धीरज कुमार (20), पिता नागेश्वर पासवान, गंभीर रूप से घायल हो गये। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया। मिली जानकारी के अनुसार, धीरज कुमार फ्लिपकार्ट कंपनी में डिलीवरी कर्मी के रूप में कार्यरत हैं। गुरुवार की रात नयाबाजार में डिलीवरी का काम पूरा करने के बाद वह बाइक से अपने घर मंडई लौट रहे थे। इसी दौरान शरण पार्क के समीप अचानक बाइक का संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क पर गिर गये। हादसे में उनके सिर समेत शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आयीं। दुर्घटना के बाद आसपास के लोगों की भीड़ मौके पर जुट गयी। स्थानीय लोगों ने घायल युवक को तत्काल राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में डॉ सौरभ कुमार ने उनका प्राथमिक उपचार किया।घायल युवक की गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सक ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया।घटना की सूचना मिलने पर राजमहल थाना के एसआइ बबलू सोरेन अस्पताल पहुंचे और घायल से घटना की जानकारी ली। पुलिस ने हादसे के कारणों की जानकारी जुटायी और मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

कोटालपोखर में एक स्वर में गूंजा वंदे मातरम्, सैकड़ों विद्यार्थियों ने किया सामूहिक गायन

बरहरवा/साहिबगंज। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के आह्वान पर शुक्रवार को नमामि भारतम् अभियान के तहत ह्यवंदे मातरम्ह्ल सामूहिक गायन कार्यक्रम का आयोजन सरस्वती शिशु मंदिर कोटालपोखर में किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के सैकड़ों भैया-बहनों, अभिभावकों एवं शिक्षकों ने एक समय और एक स्वर में राष्ट्रगीत ह्यवंदे मातरम्ह्ल का सामूहिक गायन किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि संतोष तिवारी ने ह्यवंदे मातरम्ह्ल के ऐतिहासिक महत्व पर बौद्धिक संबोधन दिया। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् केवल एक गीत नहीं, बल्कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान देशभक्ति और राष्ट्रीय चेतना का महत्वपूर्ण प्रतीक रहा है। उन्होंने बताया कि ह्यवंदे मातरम्ह्ल के सामूहिक गायन से अंग्रेजी शासन भी चिंतित और भयभीत होता था। उनके संबोधन में राष्ट्रभक्ति एवं देशप्रेम की भावना स्पष्ट रूप से देखने को मिली। सामूहिक गायन के दौरान विद्यालय परिसर में राष्ट्रभक्ति का वातावरण बना रहा। विद्यार्थियों एवं अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक कार्यक्रम में भाग लिया और एक साथ वंदे मातरम् का गायन किया ।कार्यक्रम में सरस्वती शिशु मंदिर के प्रधानाचार्य जगजीत कुमार, +2 उच्च विद्यालय कोटालपोखर के प्रधानाचार्य दिनेश मंडल, विद्यालय सचिव भावेश कुमार साह, अध्यक्ष जितेंद्र सिंह, कोषाध्यक्ष प्रकाश साह सहित बापी रजवार, आचार्य विकास चंद्र साह, अनुप लाल रजक, बिप्लब सिंह, भीम घोष, रोहित साह, आचार्या सुषमा कुमारी, रेखा अग्रवाल एवं साक्षी कुमारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता और देश के प्रति सम्मान की भावना को मजबूत करना रहा।

रक्तदान से बढ़कर कोई महादान नहीं : रक्तदान शिविर में 12 लोगों ने किया स्वैच्छिक रक्तदान

झारखण्ड उजाला, संवाददाता

साहिबगंज। उपायुक्त-सह-अध्यक्ष, भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी, साहिबगंज के निदेशानुसार रक्त अधिकोष, सदर अस्पताल, साहिबगंज में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों के लिए पर्याप्त रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ-साथ आमजनों को नियमित एवं स्वैच्छिक रक्तदान के लिए प्रेरित करना रहा। रक्तदान शिविर में कुल 12 स्वैच्छिक रक्तदाताओं ने उत्साहपूर्वक रक्तदान कर मानवता की सेवा का संदेश दिया। रक्तदाताओं के इस पुनीत प्रयास से जरूरतमंद मरीजों के जीवन को बचाने में महत्वपूर्ण सहयोग मिलेगा।इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ रामदेव पासवान, डॉ मोहन मुर्मू, भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी, साहिबगंज शाखा से चंदेश्वर प्रसाद सिन्हा उर्फ बोदी सिन्हा, केशव तिवारी, मोहम्मद तूफैन अहमद, सुरेश निर्मल, आर.के. दास, गोपाल चोखानी, अनिल कुमार गुप्ता, विनय झा, हरेंद्र पासवान सहित अन्य सदस्य एवं सहयोगी उपस्थित रहे ।कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सदस्यों ने कहा कि रक्तदान केवल रक्त देने का कार्य नहीं, बल्कि किसी अनजान जरूरतमंद को जीवन देने का संकल्प है। समाज में स्वैच्छिक रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाकर रक्त की आवश्यकता वाले मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराया जा सकता है। भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी, साहिबगंज द्वारा आमजनों से अपील की गई कि स्वस्थ एवं पात्र व्यक्ति आगे आकर स्वैच्छिक रक्तदान करें और ह्लरक्तदान जीवनदानह्व के इस मानवीय अभियान में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें।

इंडियन बैंक की सुरक्षा व्यवस्था का पुलिस ने किया निरीक्षण, सीसीटीवी दुरुस्त रखने का निर्देश

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

साहिबगंज ।मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के बड़ी कोदरजन्ना स्थित इंडियन बैंक की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर मुफ्फसिल थाना पुलिस ने निरीक्षण किया। थाना प्रभारी अनीश कुमार पांडेय ने इंडियन बैंक शाखा पहुंचकर शाखा प्रबंधक विकास कुमार साह से सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरों और निगरानी व्यवस्था की जानकारी ली। थाना प्रभारी ने शाखा प्रबंधक को निर्देश दिया कि बैंक परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की गुणवत्ता बेहतर हो और तस्वीर स्पष्ट होनी चाहिए। इससे बैंक में आने-जाने वाले प्रत्येक व्यक्ति पर नजर रखी जा सकेगी और आवश्यकता पड़ने पर उसकी पहचान आसानी से की जा सकेगी ।उन्होंने बैंक की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। मुफ्फसिल थाना पुलिस द्वारा बैंक की सुरक्षा पर लगातार नजर रखी जा रही है, ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर समय रहते कार्रवाई की जा सके। निरीक्षण के दौरान मुफ्फसिल थाना के एएसआई केशव मालाकार समेत अन्य पुलिस बल मौजूद रहे।

प्लाईवुड दुकान में चोरी का खुलासा, चार आरोपित गिरफ्तार

पूर्वी सिंहभूम। जुगसलाई के घोड़ा चौक स्थित मल्लिक प्लाईवुड दुकान में हुई चोरी का पुलिस ने शुक्रवार को खुलासा कर दिया। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर कपाली क्षेत्र में छापेमारी कर चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों की निशानदेही पर चोरी के दो लैपटॉप, 19 हजार रुपये नकद, एक बैग और चार मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। वारदात में इस्तेमाल बाइक और स्कूटी भी पुलिस ने जब्त की है। पुलिस के अनुसार चोरी में शामिल एक अन्य आरोपित अभी फरार है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। विधि-व्यवस्था के पुलिस उपाधीक्षक सुमित कुमार ने शुक्रवार को प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि 20 और 21 सितंबर की रात जुगसलाई थाना क्षेत्र के घोड़ा चौक स्थित मल्लिक प्लाईवुड दुकान को चोरों ने निशाना बनाया था। दुकान संचालक सुमित मल्लिक की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपितों के खिलाफ जुगसलाई थाना में मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। तकनीकी साक्ष्यों से मिले सुराग के आधार पर पुलिस टीम ने आरोपितों की पहचान की और कपाली ओपी क्षेत्र में 24 सितंबर को छापेमारी की। इस कार्रवाई में नूर मोहम्मद, दानिश हुसैन, शेख गनी इमाम उर्फ लकी और शहनवाज खान को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के मुताबिक आरोपितों ने दुकान की ग्रिल और शीशा तोड़कर अंदर प्रवेश किया था। दुकान से सामान और नकदी चोरी करने के बाद सभी फरार हो गए थे। गिरफ्तार आरोपितों की निशानदेही पर पिंक रंग का पीठू बैग, लेनोवो कंपनी का काला लैपटॉप, एसर कंपनी का सिल्वर रंग का लैपटॉप और चोरी की रकम में से 19 हजार रुपये बरामद किए गए। इसके अलावा चार एंड्रॉयड मोबाइल फोन भी पुलिस ने बरामद किए हैं ।पुलिस ने घटना में इस्तेमाल बाइक संख्या जेएच05डीबी1675 और स्कूटी संख्या जेएच05ईएफ2314 भी जब्त की है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार वाहनों की पहचान और बरामदगी में सीसीटीवी फुटेज से मिले सुरागों की अहम भूमिका रही। गिरफ्तार चारों आरोपितों को न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। वहीं, मामले में शामिल पांचवें आरोपित की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस बरामद सामान और वाहनों का सत्यापन करने के साथ ही चोरी की घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है।

तारापोर स्कूल के विद्यार्थियों ने एनएमएल में देखा वैज्ञानिक अनुसंधान

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

पूर्वी सिंहभूम। सीएसआईआर-राष्ट्रीय धातुकर्म प्रयोगशाला (सीएसआईआर-एनएमएल), जमशेदपुर में शुक्रवार को जिग्यासा कार्यक्रम के तहत तारापोर स्कूल, एग्रीको के कक्षा 11 वीं और 12 वीं के विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक भ्रमण आयोजित किया गया ।कार्यक्रम में स्कूल के कई विद्यार्थी शामिल हुए। विद्यार्थियों के साथ चार शिक्षक भी मौजूद रहे। इनमें चंचल शर्मा और पामेला वर्मा प्रमुख रूप से शामिल थीं। भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैज्ञानिक अनुसंधान, नवाचार और खनिज, धातु और सामग्री विज्ञान के क्षेत्र में हो रहे कार्यों से प्रत्यक्ष रूप से परिचित कराना था ।कार्यक्रम में सीएसआईआर-एनएमएल के वरिष्ठतम मुख्य वैज्ञानिक और एमटीई प्रभाग के अध्यक्ष डॉ एस शिवप्रसाद ने विद्यार्थियों को विज्ञान के प्रति जिज्ञासा बनाए रखने और समस्याओं को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समझने के लिए प्रेरित किया ।वैज्ञानिक-ई डॉ अनिमेष जाना ने विद्यार्थियों को सीएसआईआर की कार्यप्रणाली और देशभर में संचालित उसकी विभिन्न प्रयोगशालाओं की जानकारी दी। उन्होंने सीएसआईआर-एनएमएल में चल रहे अनुसंधान कार्यों के साथ विज्ञान और नवाचार में रुचि रखने वाले विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध संभावनाओं से भी अवगत कराया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने एनएमएल की विभिन्न प्रयोगशालाओं का दौरा किया और वैज्ञानिकों से सीधे संवाद कर अनुसंधान कार्यों को करीब से समझा। इससे उन्हें कक्षा में पढ़ाए जाने वाले विषयों को व्यावहारिक रूप में देखने का अवसर मिला।

रक्तदान से बढ़कर कोई महादान नहीं : रक्तदान शिविर में 12 लोगों ने किया स्वैच्छिक रक्तदान

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

साहिबगंज। मिजाचौकी रेलवे स्टेशन पर शराब तस्करी के खिलाफ आरपीएफ ने बड़ी कार्रवाई की है। स्टेशन परिसर में चलाये गये सर्च अभियान के दौरान दो अलग-अलग मामलों में अंग्रेजी व देसी शराब के साथ दो युवकों को गिरफ्तार किया गया। दोनों आरोपी शराब से भरे बैग के साथ ट्रेन का इंतजार कर रहे थे। आरपीएफ इंस्पेक्टर गुलाम सरवर ने बताया कि स्टेशन पर शराब तस्करी के खिलाफ लगातार सर्च अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में गुप्त सूचना मिलने के बाद एएसआइ ए. दास के नेतृत्व में तीन सदस्यीय टीम गठित की गयी ।टीम ने स्टेशन परिसर में संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखते हुए जांच शुरू की। जांच के दौरान आरपीएफ जवानों ने दो युवकों को शराब से भरे बैग के साथ ट्रेन के इंतजार में देखा। संदेह होने पर दोनों से पूछताछ की गयी और उनके बैग की तलाशी ली गयी। तलाशी में भागलपुर के बरारी निवासी दुर्गा कुमार के पास से 24 बोतल रॉयल स्टैग शराब बरामद हुई। वहीं, दूसरे मामले में मिजाचौकी निवासी सुमन के पास से 34 लीटर देसी शराब बरामद की गयी। आरपीएफ ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर शराब जब्त कर ली। आरपीएफ इंस्पेक्टर ने बताया कि जब्त शराब को आगे की कार्रवाई के लिए उत्पाद विभाग को सौंप दिया गया है। दोनों आरोपियों को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। आरपीएफ की ओर से स्टेशन और आसपास के इलाकों में शराब तस्करी के खिलाफ अभियान जारी रखने की बात कही गयी है।

आईआईटी आईएसएम में घटते जलस्तर और संरक्षण पर विशेषज्ञों ने की चर्चा

धनबाद। धनबाद के आईआईटी आईएसएम में 6वें भारतीय राष्ट्रीय भूजल सम्मेलन का शुभारंभ शुक्रवार को हुआ। सम्मेलन में देशभर से वैज्ञानिक, स्कॉलर्स और भूजल विशेषज्ञ शामिल हुए। इस दौरान भूजल संरक्षण, लगातार घटते जलस्तर, भूजल रिचार्ज, उसकी मात्रा और गुणवत्ता सहित जल संसाधनों के बेहतर और सतत इस्तेमाल को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम के कन्वीनर प्रोफेसर मृत्युंजय कुमार सिंह ने कहा कि लगातार गिरता भूजल स्तर गंभीर चिंता का विषय है। भूजल एक सीमित संसाधन है, इसलिए इसके संरक्षण के लिए लोगों में जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना जरूरी है। उन्होंने बताया कि भूजल के रिचार्ज, मात्रा और गुणवत्ता को बेहतर तरीके से समझने के लिए विभिन्न आईआईटी और विश्वविद्यालयों से विशेषज्ञ, स्पीकर्स और स्कॉलर्स सम्मेलन में पहुंचे हैं। सम्मेलन के माध्यम से विशेषज्ञ अपने शोध, अनुभव और सुझाव साझा कर रहे हैं। राष्ट्रीय भूजल सम्मेलन में भूजल संरक्षण से जुड़ी चुनौतियों पर विशेषज्ञों ने मंथन किया। साथ ही भविष्य में भूजल के सतत संरक्षण, रिचार्ज और बेहतर उपयोग को लेकर जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया गया।

लगातार तीसरे दिन हुई भारी बारिश से रामगढ़ हुआ बेहाल

रामगढ़। जिले में लगातार तीन दिनों से हो रही बारिश ने जनजीवन की रफ्तार पर ब्रेक लगा दिया है। शुक्रवार को भी लगातार बारिश के कारण शहर के कई प्रमुख इलाकों में सड़कें पानी से लबालब हो गईं। ब्लॉक चौक, बिजुलिया, टायर मोड़ सहित कई प्रमुख सड़कों पर जलजमाव के कारण लोगों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। इसके अलावा भुरकुंडा, पतरातु, गोला, चितरपुर इलाके में भी जल जमाव से लोगों को भारी परेशानी हुई। लगातार बारिश के बीच सड़कों पर पानी जमा होने से कई स्थानों पर वाहनों की रफ्तार धीमी हो गई। सड़क पर पानी और वाहनों की बढ़ती संख्या के कारण लंबी कतारें लग गईं और कई जगह जाम जैसी स्थिति बन गई। दोपहिया वाहन चालकों को सबसे अधिक परेशानी हुई। बारिश के बीच लोग पानी से होकर अपने गंतव्य तक पहुंचते नजर आए।शहर के ब्लॉक क्षेत्र, बिजुलिया, टायर मोड़ सहित अन्य प्रमुख मार्गों पर बारिश का पानी जमा रहा। कई जगह सड़क का बड़ा हिस्सा पानी में डूबा नजर आया। जलजमाव के कारण पैदल राहगीरों के साथ-साथ वाहन चालकों को भी काफी सावधानी बरतनी पड़ी।लगातार बारिश को देखते हुए जिला प्रशासन ने आमजनों और पर्यटकों से जल स्त्रोतों के पास जाने से बचने की अपील की है। प्रशासन ने लोगों से नदी, तालाब, जलप्रपात और अन्य जल स्त्रोतों के आसपास विशेष सावधानी बरतने एवं अनावश्यक रूप से ऐसे स्थानों पर नहीं जाने का आग्रह किया है।

जीवनपुर में ग्रामीणों ने बरकत खान के सामने रखीं समस्याएं, राशन-पेंशन से लेकर सड़क-पानी का उठा मुद्दा

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

बरहरवा/साहिबगंज। बरहरवा प्रखंड के कोटालपोखर पंचायत अंतर्गत जीवनपुर संथाली टोला में जिला कांग्रेस कमिटी, साहिबगंज के जिला अध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि बरकत खान ने शुक्रवार को ग्रामीणों के साथ जनसंवाद किया। इस दौरान ग्रामीणों ने राशन, पेंशन, सड़क, बिजली, पेयजल सहित विभिन्न जनसुविधाओं से जुड़ी समस्याओं को उनके समक्ष रखा। जनसंवाद के दौरान ग्रामीणों ने राशन वितरण में कथित कटौती का मामला उठाया। ग्रामीणों का कहना था कि निर्धारित मात्रा के अनुरूप राशन नहीं मिलने से उन्हें परेशानी हो रही है। उन्होंने मामले की जांच कराकर लाभुकों को पूरा राशन उपलब्ध कराने की मांग की। वहीं, ग्रामीणों ने वृद्धावस्था पेंशन की राशि नियमित रूप से नहीं मिलने की शिकायत भी की। ग्रामीणों ने बताया कि पात्र होने के बावजूद कई लोगों को समय पर पेंशन का लाभ नहीं मिल पा रहा है। इसके अलावा गांव की सड़क, बिजली, पेयजल और आवागमन से संबंधित समस्याओं को भी ग्रामीणों ने प्रमुखता से रखा। बरकत खान ने ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित मामलों को अधिकारियों के समक्ष रखने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने और जनसुविधाओं से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक पहल की जाएगी।

एसआईआर को लेकर ग्रामीणों को किया जागरूक

जनसंवाद के दौरान बरकत खान ने ग्रामीणों को एसआईआर (Special Intensive Revision) की प्रक्रिया की जानकारी भी दी। उन्होंने ग्रामीणों से मतदाता सूची में अपने तथा परिवार के सदस्यों के नाम की जांच करने की अपील की। उन्होंने कहा कि जिन लोगों को एसआईआर से संबंधित नोटिस मिला है, वे निर्धारित समय पर संबंधित बीएलओ के समक्ष आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर अपने विवरण का सत्यापन कराएं। उन्होंने ग्रामीणों से अफवाहों से बचने तथा रक्फ्र से संबंधित जानकारी के लिए बीएलओ और अधिकृत माध्यमों का सहारा लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसी भी पात्र व्यक्ति का नाम मतदाता सूची से नहीं छूटे, इसके लिए ग्रामीणों को जागरूक करना जरूरी है। इसी उद्देश्य से कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा गांव-गांव जाकर लोगों को प्रक्रिया की जानकारी दी जा रही है। मौके पर मुखिया शेरोफिना हेम्ब्रम, वार्ड सदस्य होपनमई मरांडी, जीवनपुर प्रधान मायनो हेम्ब्रम, कोटालपोखर प्रधान बुदलूम रजवाड़, बिनोद घोष, कारमेल हेम्ब्रम, सुहागिनी मरांडी, दुर्गा मरांडी, होपना मरांडी, सरोज मरांडी, कुलु दासी देवी, मरियम मरांडी सहित दर्जनों ग्रामीण मौजूद थे।

एमएमसीएच के आसपास स्वास्थ्य संस्थानों पर डीसी की सख्ती,छह संस्थान सील

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

औचक निरीक्षण में कई अनियमितताएं उजागर, कार्रवाई से मची हलचल; अवैध संचालन पर डीसी ने दी कड़ी चेतावनी

मेदिनीनगर (पलामू) एमएमसीएच की परिधि में संचालित निजी स्वास्थ्य संस्थानों में शुक्रवार को जिला प्रशासन की औचक कार्रवाई से हलचल मच गयी।जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने एमएमसीएच के आसपास संचालित विभिन्न जांच घरों, क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेंट, फामेर्सी एवं अन्य स्वास्थ्य संस्थानों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान संस्थानों के लाइसेंस, पंजीकरण, चिकित्सकों की उपलब्धता, जांच की व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक वैधानिक प्रावधानों के अनुपालन की जांच की गयी। निरीक्षण के दौरान मेडिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट के तहत आवश्यक प्रावधानों का अनुपालन नहीं करने वाले छह स्वास्थ्य संस्थानों को मौके पर ही सील कर दिया गया। सील किए गए संस्थानों में न्यू पम्मी हेल्थ क्लीनिक, रानी मेडिकल, पाटलिपुत्र जांच घर, जे. शरण जांच घर एवं स्कैनिंग, एमएसडी लैब तथा अपोलो डायग्नोस्टिक शामिल हैं।

पर्ची पर किसी और डॉक्टर का नाम,जांच कर रहा था कोई और

निरीक्षण के दौरान कई गंभीर अनियमितताएं भी सामने आईं। कुछ स्थानों पर जांच के लिए जारी पर्ची पर किसी अन्य चिकित्सक का नाम अंकित था, जबकि जांच किसी दूसरे चिकित्सक द्वारा की जा रही थी। उपायुक्त श्री शेखावत ने इसे गंभीरता से लेते हुए संबंधित पदाधिकारियों को ऐसे मामलों की विस्तृत जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करने का निर्देश दिया।वहीं,कुछ दवा दुकानों के संचालन में आवश्यक फार्मासिस्ट की उपलब्धता नहीं पाई गई।डीसी ने संबंधित अधिकारियों को फामेर्सी के लाइसेंस, उसकी वैधता, फार्मासिस्ट की योग्यता एवं उपलब्धता तथा अन्य आवश्यक दस्तावेजों की जांच करने का निर्देश दिया।

कार्रवाई की भनक लगते ही शटर गिराकर भागा संचालक

औचक निरीक्षण के दौरान एमएमसीएच परिसर में अवैध रूप से जांच घर का संचालन कर रहा एक व्यक्ति प्रशासनिक टीम को देखते ही जांच घर का शटर गिराकर मौके से फरार हो गया। उपायुक्त ने ऐसे मामलों में कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अवैध रूप से स्वास्थ्य संस्थानों का संचालन करने वाले या तो अपनी गतिविधियां बंद कर दें या कानूनी कार्रवाई के लिए तैयार रहें। स्वास्थ्य व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा नियमों का उल्लंघन कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

ओपीडी में चिकित्सकों की उपलब्धता भी होगी सुनिश्चित

उपायुक्त ने क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेंट के तहत संचालित ओपीडी केंद्रों की भी जांच की। उन्होंने निर्देश दिया कि प्रत्येक पंजीकृत ओपीडी केंद्र में संबंधित चिकित्सक की उपलब्धता एवं ओपीडी का निर्धारित समय स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किया जाए, ताकि मरीजों एवं उनके परिजनों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने सिविल सर्जन को निर्देश दिया कि जिले में पंजीकृत क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेंट एवं डायग्नोस्टिक सेंटर, जहां अनियमितता की संभावना है, उनकी सूची तैयार कर विस्तृत जांच कराई जाए। साथ ही यह भी सत्यापित करने का निर्देश दिया गया कि जिन चिकित्सकों के नाम से निजी ओपीडी या क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेंट का पंजीकरण है, उनमें से कितने चिकित्सक सदर अस्पताल अथवा एमएमसीएच में भी कार्यरत हैं और संबंधित निजी संस्थानों में उनकी वास्तविक उपलब्धता क्या है। उपायुक्त श्री शेखावत ने कहा कि मरीजों एवं उनके परिजनों को बेहतर, पारदर्शी एवं सुगम स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े सभी संस्थानों को निर्धारित कानून एवं नियमों का पालन करना होगा। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित संस्थान के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई जारी रहेगी। निरीक्षण के दौरान सहायक समाहर्ता ऋत्विक मेहता,सिविल सर्जन डॉ. अनिल सहित स्वास्थ्य विभाग एवं जिला प्रशासन के अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

कमरे में फंदे से लटका मिला 36 वर्षीय युवक, पुलिस जांच में जुटी

बलियापुर/ धनबाद। बलियापुर थाना क्षेत्र में एफसीआईएल सिंदरी के आवास संख्या आरएम- 4/554 के विपरीत दिशा स्थित निजी आवास में 24-25 सितंबर की मध्य रात्रि 36 वर्षीय रविकांत सिंह ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों के अनुसार सुबह घर में काम करने वाली महिला कमरे की सफाई करने पहुंची। दरवाजा खोलने पर उसने रविकांत को फंदे से लटका पाया और तत्काल परिजनों को इसकी सूचना दी। परिजनों की सूचना पर बलियापुर थाना प्रभारी सत्यजीत कुमार पुलिस दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए धन्यवाद स्थित एसएनएमएमसीएच अस्पताल भेज दिया और जांच में जुट गई। रविकांत सिंह प्रमोद सिंह के ज्येष्ठ पुत्र थे और एसीसी के पैकिंग हाउस के अंतर्गत इमेजिंग ठेका कंपनी में कार्यरत थे। बताया गया कि उनकी पत्नी नैहर गई हुई है। उनकी तीन वर्षीय पुत्री है। रविकांत तीन भाइयों में से ज्येष्ठ थे और संयुक्त परिवार के सदस्य थे। उनकी एक भाई रेलवे में चालक है ,जबकि दूसरा भाई कटिहार में सर्वे का कार्य करता है। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। रविकांत की मौत से परिजनों और आसपास के लोगों में शोक का माहौल है। उन्होंने यह कदम क्यों उठाया, इसका कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस विभिन्न पहलुओं से मामले की जांच कर रही है।

भारतीय रामविलास चेतना मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनय कुमार पासवान के 103वर्षीय पिता का निधन, कल होगा अंतिम संस्कार

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

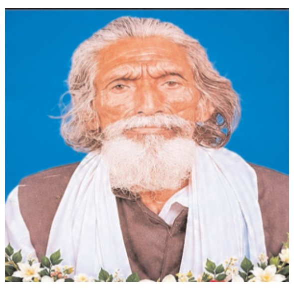

हुसैनाबाद, पलामू :भारतीय रामविलास चेतना मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह न्यायिक मानवाधिकार परिषद, झारखंड प्रदेश अध्यक्ष विनय कुमार पासवान के 103 वर्षीय पिता बुधन पासवान का निधन हो गया। उनके निधन की खबर से परिजनों, शुभचिंतकों, सामाजिक कार्यकताओं एवं संगठन से जुड़े लोगों में शोक की लहर है। स्वर्गीय बुधन पासवान के निधन पर लोगों ने गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने दीघार्यु जीवन व्यतीत करते हुए परिवार और समाज को अपना अमूल्य योगदान दिया। उनके निधन से परिवार को अपूरणीय क्षति हुई है। शोक व्यक्त करने वालों ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोकाकुल परिजनों को इस दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। परिजनों के अनुसार, दिवंगत का अंतिम दाह संस्कार 26 सितंबर 2026 को सुबह 10 बजे कररबार नदी तट पर किया जाएगा। अंतिम संस्कार में परिजन, रिश्तेदार, सामाजिक एवं संगठन से जुड़े लोग शामिल होंगे।

मिलावटी पनीर व खाद्य पदार्थों के विरुद्ध जिला प्रशासन ने की कार्रवाई

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

गौतम डेयरी सील, भारी मात्रा में संदिग्ध सामग्री जब्त

धनबाद।उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन के निदेर्शानुसार जिले में मिलावटी खाद्य पदार्थों की रोकथाम के लिए विशेष अभियान शुरू किया गया है। इस क्रम में शुक्रवार को सिविल सर्जन डॉ आलोक विश्वकर्मा के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी डॉ. राजा कुमार के नेतृत्व में गठित टीम ने धनबाद शहर के विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों में औचक छापेमारी की।कार्रवाई के दौरान कई दुकानों से पनीर के नमूने एकत्र कर रासायनिक परीक्षण हेतु राज्य खाद्य प्रयोगशाला, रांची भेजे गए। प्रारंभिक जांच में संदिग्ध पाए गए पनीर व अन्य उत्पादों को मौके पर जब्त किया गया।निरीक्षण दल के स्टील गेट स्थित गौतम डेयरी पहुंचने पर उसका संचालक दुकान छोड़कर फरार हो गया। जांच में प्रतिष्ठान का एफएसएसएआई लाइसेंस भी एक्सपायर्ड (अवैध) पाया गया। दुकान से 48 किग्रा संदिग्ध पनीर, 2 किग्रा घी तथा खोवा जब्त किया गया। भारी मात्रा में मिलावटी खाद्य सामग्री मिलने और संचालक के भागने के कारण दुकान को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया। वहीं पुलिस लाइन स्थित राकेश डेयरी से 10 किग्रा संदिग्ध पनीर जब्त किया गया।इसके अलावा टीम ने अन्य प्रतिष्ठानों से भी नमूना संग्रहण किया। इसमें सरायढेला स्थित रूफ 709, निर्मल स्वीट्स, रमेश डेयरी तथा बरटांड़ स्थित गंगा डेयरी से भी पनीर, घी एवं खोवा मिठाई के नमूने एकत्र किए गए। मौके पर की गई जांच में विफल पाए गए खाद्य पदार्थों को भी जब्त किया गया।

वहीं उपायुक्त ने स्पष्ट किया है कि आम नागरिकों को शुद्ध, स्वच्छ और सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह निरीक्षण अभियान पूरे जिले में निरंतर जारी रहेगा। मिलावटखोरों और बिना वैध लाइसेंस के खाद्य कारोबार संचालित करने वालों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अभियान में खाद्य सुरक्षा अधिकारी डॉ. राजा कुमार के साथ नवनियुक्त खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री चंदन साव, श्री चन्द्रदेव गंझू, श्रीमती जैस्मीन केरकेट्टा, सुश्री नैना नायक सहित विभागीय कर्मी राहुल कुमार पासवान, राहुल कुमार, अमित कुमार एवं शुभम कुमार उपस्थित रहे।

एचयूआरएल सिंदरी में कृषि छात्रों का शैक्षणिक भ्रमण, छात्रों ने समझी यूरिया निर्माण की प्रक्रिया

सिंदरी/ धनबाद। कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके), धनबाद के मार्गदर्शन में शुक्रवार को दो कृषि महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने हिंदुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड (एचयूआरएल) सिंदरी संयंत्र का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने यूरिया निर्माण की प्रक्रिया को करीब से समझा और उर्वरक उत्पादन में शामिल विभिन्न चरणों की जानकारी प्राप्त की। भ्रमण में कॉलेज आफ एग्रीकल्चर, रांची (बिरसा कृषि विश्वविद्यालय ,रांची) तथा आर.एन.टी. एग्रीकल्चर कॉलेज, देवघर (बिरसा कृषि विश्वविद्यालय रांची) के विद्यार्थी शामिल हुए। विद्यार्थियों ने एचयूआरएल सिंदरी संयंत्र का भ्रमण कर उत्पादन की पूरी प्रकिया, तकनीकी पहलुओं और उत्पादन के विभिन्न चरणों को व्यावहारिक रूप से समझा। इस दौरान उन्हें कक्षा में प्राप्त कृषि शिक्षा को उर्वरक निर्माण की वास्तविक औद्योगिक प्रक्रिया से जोड़ने का अवसर मिला। इस अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र ,धनबाद के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. अनिल कुमार तथा आर.एन.टी. कृषि महाविद्यालय ,देवघर के सहायक अध्यापक सा कनिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. सर्वेश कुमार शैक्षणिक टीम के साथ मौजूद रहे। कृषि शिक्षा और उद्योग के बीच इस प्रकार के शैक्षिक संवाद से विद्यार्थियों को कृषि क्षेत्र में उर्वरकों का महत्व तथा उनके उत्पादन की प्रक्रिया को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिलती है।

हुसैनाबाद के डॉ. सौरव पाण्डेय ने रचा सफलता का नया अध्याय, नीट-पीजी में हासिल की शानदार ऑल इंडिया रैंक

झारखंड उजाला प्रतिनिधि

पहले प्रयास में नीट-पीजी में सफलता, रिम्स रांची से इसी वर्ष पूरी की एमबीबीएस की पढ़ाई; बचपन में नेशनल एस्ट्रोनॉमी ओलंपियाड में भी देशभर में पाया था दूसरा स्थान

हुसैनाबाद, पलामू : हुसैनाबाद के देवरी खुर्द गांव निवासी डॉ. सौरव पाण्डेय ने चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल कर परिवार, गांव और पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। स्वर्गीय राम अवतार पाण्डेय के पौत्र तथा नंद किशोर पाण्डेय और शकुन्तला पाण्डेय के पुत्र डॉ. सौरव ने नीट-पीजी 2026 में अपने प्रथम प्रयास में ही ऑल इंडिया स्तर पर शानदार रैंक एवं अंक हासिल कर सफलता प्राप्त की है। अब वे प्रतिष्ठित मेडिकल कॉलेज से एमडी रेडियोडायग्नोसिस अथवा एमडी मेडिसिन की पढ़ाई करने की तैयारी में हैं। डॉ. सौरव की मेधा का परिचय इससे पहले भी मिल चुका है। उन्होंने नीट-यूजी में भी प्रथम प्रयास में शानदार ऑल इंडिया रैंक हासिल की थी, जिसके आधार पर उनका चयन रिम्स, रांची में एमबीबीएस के लिए हुआ। इसी वर्ष उन्होंने सफलतापूर्वक एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी कर डॉक्टर की डिग्री हासिल की है।डॉ. सौरव बचपन से ही पढ़ाई में मेधावी रहे हैं। वर्ष 2016 में कक्षा आठवीं में अध्ययनरत रहते हुए उन्होंने नेशनल एस्ट्रोनॉमी ओलंपियाड में अखिल भारतीय स्तर पर द्वितीय स्थान हासिल किया था। इस उपलब्धि के लिए उन्हें संस्था की ओर से अमेरिका स्थित कैनेडी स्पेस सेंटर, नासा के भ्रमण का अवसर भी मिला था। उनके पिता एनके पांडेय आदित्य बिड़ला समूह में वरिष्ठ अधिकारी हैं, जबकि माता गृहिणी हैं। उनके दादा स्वर्गीय राम अवतार पाण्डेय गांव और आसपास के क्षेत्र में आयुर्वेदिक एवं होम्योपैथिक पद्धति से लोगों का उपचार करते थे। चिकित्सा सेवा की इसी पारिवारिक परंपरा से प्रेरित डॉ. सौरव का लक्ष्य एक अच्छे चिकित्सक के रूप में लोगों की सेवा करना है।अपनी सफलता का श्रेय डॉ. सौरव ने माता-पिता, दीदी, परिवार के बड़ों के आशीर्वाद और शिक्षकों के मार्गदर्शन को दिया। उन्होंने कहा कि सफलता के लिए निरंतर प्रयास के साथ घर और विद्यालय में पढ़ाई के अनुकूल वातावरण बेहद जरूरी है। उनकी इस उपलब्धि पर परिवार, ग्रामीणों और क्षेत्र के लोगों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

वंदे मातरम् के 150 वें वर्ष पर सिंदरी -डोंमगढ़ में सामूहिक गायन कार्यक्रम का आयोजन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

सिंदरी /धनबाद। 'नमामि भारतम्' के तत्वाधान में वंदे मातरम के 150 वें वर्ष के उपलक्ष में 'एक समय ,एक लय, एक स्वर -वंदे मातरम् सामूहिक गायन कार्यक्रम का आयोजन शुक्रवार को प्रातः 11:00 बजे सरस्वती विद्या मंदिर, सिंदरी तथा शिव मंदिर, डोंमगढ में संयुक्त रूप से किया गया। कार्यक्रम में डॉ.माया राज, नारायण राय, सचिव मोहन झा, पंकज तिवारी, सौरभ कुमार ,सतीश चंद्र ,भगवान सिंह सहित विद्यालय परिवार के सदस्य उपस्थित रहे। विद्यालय के भैया- बहनों ने पूरे उत्साह के साथ सामूहिक रूप से वंदे मातरम् का गायन किया। डॉ. मायाराज ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि वंदे मातरम् केवल एक गीत नहीं, बल्कि हमारी मातृभूमि के प्रति प्रेम, सम्मान और समर्पण की भावना का प्रतीक है। यह हमें देश की एकता, अखंडता और गौरव को बनाए रखने के प्रेरणा देता है।उन्होंने सभी से आह्वान किया कि वे पूरे उत्साह और गर्व के साथ वंदे मातरम् का गायन करें तथा देश की प्रगति और सम्मान में अपना योगदान देने का संकल्प ले। कार्यक्रम के अंत में अभय शंकर पांडेय ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए सभी उपस्थित अतिथियों, विद्यालय परिवार, भैया- बहनों का आभार व्यक्त किया।

एनएमएल पकरी बरवाडीह ने पीएपी विक्रेताओं के साथ की बैठक, पारदर्शिता पर दिया जोर

बड़कागांव। एनएमएल पकरी बरवाडीह कोयला खनन परियोजना (PB-CMP) द्वारा आज परियोजना प्रभावित व्यक्तियों (PAP) की बैठक 2026 का आयोजन किया गया। बैठक में 25 ढअढ सहकारी समितियों एवं 33 से अधिक व्यक्तिगत विक्रेताओं ने भाग लिया।बैठक के दौरान NML के विभिन्न विभागों द्वारा अनुबंध प्रक्रिया, कार्यप्रणाली और आवश्यकताओं को लेकर विस्तृत प्रस्तुतियां दी गईं। इससे प्रतिभागियों को टेंडर और अनुबंध की प्रक्रियाओं को बेहतर तरीके से समझने में मदद मिली।मौके पर विक्रेताओं और PAP समितियों ने अनुबंधों से जुड़े कई सवाल वरिष्ठ प्रबंधन के सामने रखे, जिनका अधिकारियों ने विस्तार से समाधान किया। साथ ही प्रतिभागियों ने स्थानीय हितधारकों की सहभागिता बढ़ाने को लेकर अपने सुझाव भी दिए।कंपनी ने बताया कि स्थानीय लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए जल्द ही GeM पोर्टल पर एक विशेष जागरूकता सत्र का आयोजन किया जाएगा। इसमें GeM पर पंजीकरण, निविदा और खरीद प्रक्रिया की जानकारी दी जाएगी। कंपनी प्रबंधन ने कहा कि यह बैठक पारदर्शिता, हितधारक सहभागिता और स्थानीय विक्रेताओं के लिए अधिक अवसर सृजित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

भारी बारिश के अलर्ट पर 26 सितंबर को कक्षा 12 वीं तक के सभी स्कूल बंद, ऑनलाइन पढ़ाई का निर्देश

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

पूर्वी सिंहभूम। पूर्वी सिंहभूम जिले में भारी बारिश की संभावना को देखते हुए जिला प्रशासन ने 26 सितंबर को कक्षा 12 तक के सभी विद्यालयों में अवकाश घोषित कर दिया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के पूवार्नुमान के अनुसार जिले में शनिवार को भीषण एवं लगातार भारी बारिश होने की संभावना है। विद्यार्थियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने यह एहतियाती निर्णय लिया है।जिला प्रशासन की ओर से जारी आदेश के अनुसार पूर्वी सिंहभूम में संचालित सभी सरकारी, निजी और अल्पसंख्यक विद्यालय 26 सितंबर को बंद रहेंगे। आदेश कक्षा 12 तक के विद्यालयों पर लागू होगा। प्रशासन ने सभी विद्यालय प्रबंधन और संबंधित संस्थानों को आदेश का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि विद्यालयों में अवकाश रहने के बावजूद विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित नहीं हो, इसके लिए ऑनलाइन कक्षाओं का संचालन सुनिश्चित किया जाए। विद्यालय प्रबंधन को विद्यार्थियों की शैक्षणिक गतिविधियों को यथासंभव ऑनलाइन माध्यम से जारी रखने को कहा गया है। प्रशासन ने बताया कि जिले में मौसम की स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। बारिश और मौसम की परिस्थितियों का आकलन करने के बाद आवश्यकता पड़ने पर आगे भी दिशा-निर्देश जारी किए जा सकते हैं। प्रशासन ने अभिभावकों और विद्यार्थियों से खराब मौसम के दौरान अनावश्यक रूप से घर से बाहर नहीं निकलने और सुरक्षा को प्राथमिकता देने की अपील की है।जारी आदेश की अवहेलना करने वाले विद्यालय या संस्थान के विरुद्ध आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 की सुसंगत धाराओं के तहत कार्रवाई की जा सकती है। जिला प्रशासन ने सभी संबंधित विद्यालयों को आदेश का अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

बड़कागांव में 8 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ दो युवक गिरफ्तार, भेजे गए जेल

जागेश्वर कुमार @ झारखंड उजाला हजारीबाग ब्यूरो।

बड़कागांव। हजारीबाग एसपी अंजनी अंजन के निर्देशन में बड़कागांव पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 29 पुड़िया यानी 8 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों के पास से दो मोबाइल भी जब्त किए हैं।इस संबंध में थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह ने बताया कि 24 सितंबर को एसपी को गुप्त सूचना मिली थी कि गुरूचट्टी स्थित राम-जानकी मंदिर के आसपास कुछ युवक ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री कर रहे हैं। सूचना पर एसडीपीओ अमित आनंद के नेतृत्व में छापेमारी टीम का गठन किया गया।टीम ने मंदिर के पास स्थित एक टूटे-फूटे मकान में छापेमारी की। पुलिस को देखकर आरोपी भागने लगे, लेकिन जवानों ने दौड़ाकर दो संदिग्धों को पकड़ लिया। तलाशी में उनके पास से 29 पुड़िया ब्राउन शुगर बरामद हुई।पूछताछ में दोनों ने अपना नाम सुनील कुमार राम और रूपेश कुमार, दोनों निवासी अम्बेडकर मोहल्ला, बड़कागांव बताया। दोनों ने स्वीकार किया कि वे पुड़िया बनाकर बड़कागांव में ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री और सेवन करते हैं।कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद दोनों को न्यायिक हिरासत में हजारीबाग जेल भेज दिया गया है।छापेमारी दल में एसडीपीओ अमित आनंद, थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह, एसआई अभिषेक कुमार, राकेश खवास सहित सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

अनंत चतुर्दशी को लेकर बाबा मंदिर में उमड़ी भीड़

देवघर।भाद्रपद शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि पर शुक्रवार को अनंत चतुर्दशी का पर्व बाबा बैद्यनाथ मंदिर में श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया गया।पर्व को लेकर सुबह से ही बाबा मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी। बड़ी संख्या में महिला-पुरुष श्रद्धालुओं ने बाबा बैद्यनाथ की पूजा-अर्चना की और मंदिर परिसर में अनंत कथा का श्रवण कर परिवार की सुख-शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।अनंत चतुर्दशी के अवसर पर श्रद्धालुओं के बीच 14 गांठों वाले अनंत सूत्र को धारण करने को लेकर भी खासा उत्साह देखा गया। धार्मिक मान्यता के अनुसार इस दिन भगवान विष्णु के अनंत स्वरूप एवं शेषनाग की पूजा की जाती है। श्रद्धालु व्रत रखकर जीवन में आने वाले संकटों से मुक्ति तथा परिवार की सुख-शांति और समृद्धि की कामना करते हैं।पूजा-अर्चना के बाद श्रद्धालुओं ने अनंत कथा का श्रवण किया और विधि-विधान से अनंत सूत्र धारण किया। मान्यता है कि अनंत सूत्र में लगी 14 गांठें 14 लोकों और भगवान विष्णु के विभिन्न स्वरूपों का प्रतीक मानी जाती हैं। इसे भगवान विष्णु के प्रति श्रद्धा और रक्षा-संकल्प के प्रतीक के रूप में धारण किया जाता है।बताया जाता है कि अनंत सूत्र शुद्ध सूत या रेशम के धागे से तैयार किया जाता है, जिसमें 14 गांठें लगाई जाती हैं। श्रद्धालु पूजा के दौरान भगवान विष्णु का ध्यान करते हुए अनंत कथा का श्रवण करते हैं और सुख-समृद्धि की कामना करते हैं। देवघर के बाबा मंदिर में भी श्रद्धालुओं ने बाबा बैद्यनाथ की पूजा के साथ अनंत चतुर्दशी की धार्मिक परंपरा निभाई।श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए मंदिर प्रबंधन एवं पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष इंतजाम किए गए थे ।

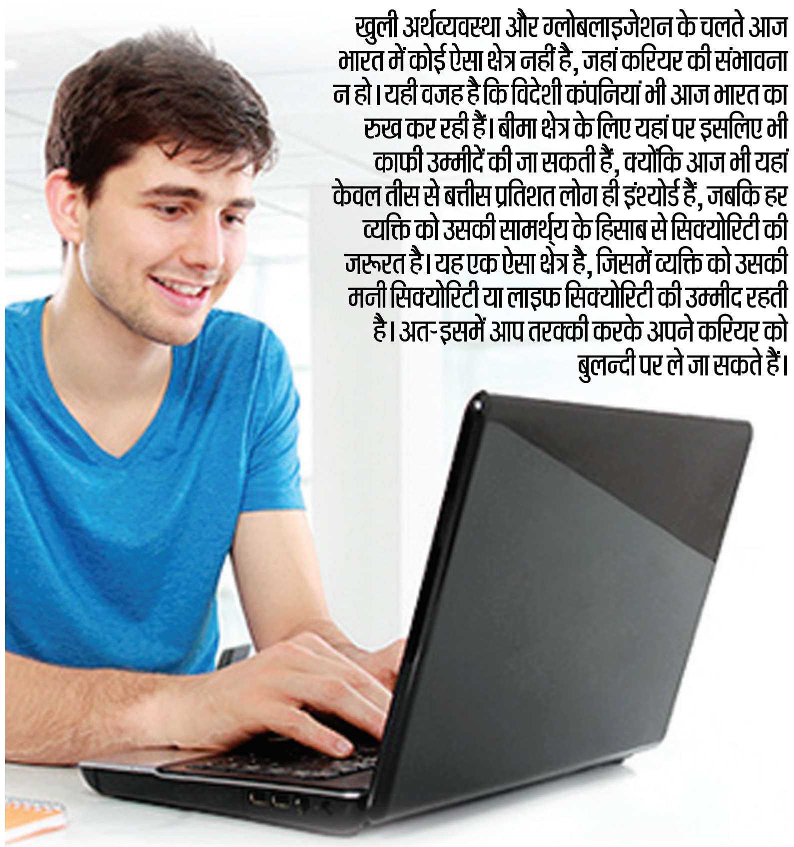

खुली अर्थव्यवस्था और ग्लोबलाइजेशन के चलते आज भारत में कोई ऐसा क्षेत्र नहीं है, जहां करियर की संभावना न हो। यही वजह है कि विदेशी कंपनियां भी आज भारत का रुख कर रही हैं। बीमा क्षेत्र के लिए यहां पर इसलिए भी काफी उम्मीदें की जा सकती हैं, क्योंकि आज भी यहां केवल तीस से बत्तीस प्रतिशत लोग ही इंश्योर्ड हैं, जबकि हर व्यक्ति को उसकी सामर्थ्य के हिसाब से सिक्योरिटी की जरूरत है। यह एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें व्यक्ति को उसकी मनी सिक्योरिटी या लाइफ सिक्योरिटी की उम्मीद रहती है। अत-इसमें आप तरक्की करके अपने करियर को बुलन्दी पर ले जा सकते हैं।

इंश्योरेन्स
करियर की सिक्योरिटी

मार्केटिंग के इस दौर में हर काम को व्यवसाय की दृष्टि से देखा जा रहा है। यही कारण है कि पहले की अपेक्षा लोगों के जीवन स्तर में सुधार हुआ है और तकरीबन हर व्यक्ति रोटी, कपड़ा और मकान से निकल कर आगे की सोचने लगा है। अब हर किसी की चाहत रहती है कि वह एक स्टैण्डर्ड लाइफ जिए तथा हर तरह की सुविधाओं के अतिरिक्त उसके पास बैंक बैलेन्स और लाइफ सिक्योरिटी हो। ऐसे में इंश्योरेन्स सेक्टर एक ऐसा सेक्टर है, जो व्यक्ति की दोनों आवश्यकताओं की पूर्ति का दावा करता है। भारत में आज भी बहुत कम लोग बीमित हैं। यही कारण है कि आज विभिन्न कंपनियों के साथ बैंक भी इस क्षेत्र में अपने पैर पसार रहे हैं।

एक सर्वे के अनुसार, पिछले दस-बारह सालों में इंश्योर्ड यानी बीमित लोगों की संख्या दोगुनी के करीब हुई है अर्थात् भारत में इंश्योरेन्स सेक्टर का पदार्पण काफी पहले होने के बाद भी इस क्षेत्र में उतनी तरक्की नहीं हुई, जितनी कि वर्ष 2000 के बाद हुई और इस संख्या में लगातार वृद्धि होती जा रही है। सर्वे के मुताबिक कुल बीमित व्यक्तियों की संख्या में हर साल करीब दस प्रतिशत लोग नए जुड़ जाते हैं और यह अनुमान लगाया जा रहा है कि आने वाले पन्द्रह वर्षों में भारत में करीब साठ प्रतिशत लोग बीमित हो सकते हैं। अगर आप क्रिएटिव माइंड के हैं और पॉजीटिव सोच रखते हैं तो इंश्योरेंन्स के दरवाजे आपके लिए खुले हुए हैं। इस क्षेत्र में अपार संभावनाओं का भरोसा इसलिए भी बढ़ जाता है, क्योंकि आज भी देहातों में इंश्योरेन्स के प्रति लोगों में जागरुकता का खासा अभाव है। हालांकि जब से इंश्योरेन्स कम्पनियों ने छोटे शहरों और कस्बों की ओर रुख किया है, तब से काफी हद तक लोग इंश्योरेन्स को सही मायनों में समझने लगे हैं। लेकिन कम सर्विस और पहुंच के अभाव में अभी भी अधिकतर लोगों को इंश्योरेन्स की उतनी जानकारी नहीं है, जितनी होनी चाहिए। ऐसे पिछड़े क्षेत्रों में इंश्योरेन्स बेचने और वहां के अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचने, उन्हें जागरुक करने के लिए सभी इंश्योरेन्स कम्पनियों को कर्मठ और योग्य लोगों की जरूरत रहती है। एक कम्पनी के ट्रेनिंग मैनेजर अजय कुमार बताते हैं कि ' एशियाई देशों में बहुत कम लोग इंश्योर्ड हैं, जबकि आज हर किसी को हाई रिस्क सेफ्टी की जरूरत है। एक सर्वे के अनुसार, हमारे देश में कुल बीस प्रतिशत लोग इंश्योर्ड थे। आज यह आंकड़ा बढ़कर करीब तीस से बत्तीस प्रतिशत तक पहुंच चुका है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि भारत में इंश्योरेन्स सेक्टर में अपार संभावनाएं हैं। वर्ष 2000 तक भारत में काफी कम कम्पनियां इस सेक्टर से जुड़ी थीं, जबकि आज करीब 47 कम्पनियां लाइफ इंश्योरेन्स और जनरल इंश्योरेन्स से जुड़ी हैं, जिनमें लाइफ इंश्योरेन्स करने वाली कम्पनियों की संख्या ज्यादा है। इसके अलावा कुछ बैंक भी इस सेक्टर से जुड़ चुके हैं। इधर विदेशी कम्पनियों ने भी अपने व्यवसाय जमाने शुरू कर दिए हैं।

यदि आप भी मार्केटिंग से जुड़े हैं या जुड़ना चाहते हैं तो इंश्योरेन्स में आपके लिए अपार संभावनाएं हैं। इंश्योरेन्स सेक्टर में आपने कोई कोर्स किया हो अथवा नहीं, आप इस क्षेत्र में पदार्पण कर सकते हैं। यही एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें आप बिना किसी स्पेशल कोर्स के भी कम से कम बतौर एजेन्ट आगे बढ़ सकते हैं। किसी कम्पनी में बतौर एजेन्ट काम शुरू करना पहली सीढ़ी है, लेकिन जैसे-जैसे बिजनेस यानी आपका टारगेट पूरा होता जाता है, वैसे-वैसे प्रमोशन भी होता जाता है। इस क्षेत्र में किसी भी पद पर प्रमोशन के लिए कम से कम एक साल मिलता है। इसका मतलब यह हुआ कि कोई व्यक्ति हर वर्ष प्रमोशन की सीढ़ी चढ़ सकता है।

दूसरे सेक्टरों की अपेक्षा इंश्योरेन्स सेक्टर एकदम भिन्न है। दूसरे सेक्टरों में जहां काम करने के घंटे निर्धारित होते हैं, इसमें टाइम की कोई पाबंदी नहीं होती, बस आपको ग्राहक से अपनी डीलिंग के हिसाब से चलना पड़ता है। इस सेक्टर में मेहनती और ईमानदार वर्कर्स की बेहद कद्र होती है। इसके लिए जो लोग इस क्षेत्र में अपनी कम्पनी के अधिकतम टारगेट या उससे अधिक का बिजनेस देते हैं, कम्पनी उनको तरह-तरह के आकर्षक और कीमती पुरस्कारों के अतिरिक्त देश-विदेश यात्रा का मौका देती है। इस क्षेत्र में लड़के -लड़कियां दोनों ही अपना भविष्य संवार सकते हैं।

स्कॉलरशिप - कुछ संस्थानों में एससी/एसटी तथा विकलांग और कुछ में पिछड़ा वर्ग को स्कॉलरशिप का प्रावधान है। संबंधित संस्थानों के अपने नियम हैं।

नौकरी के अवसर - इंश्योरेन्स एंड मैनेजमेंट के लोग इंश्योरेन्स, बैकिंग, शेयर बाजार तथा इंश्योरेन्स सॉफ्टवेयर क्षेत्रों में नौकरी तलाश कर सकते हैं। जिन लोगों ने कोई कोर्स नहीं किया है, वे भी बतौर एजेन्ट या आईएसओ या बीडीओ या एक्जीक्यूटिव इस क्षेत्र में काम कर सकते हैं।

एजुकेशन लोन - उम्मीदवार संस्थान की प्रवेश स्वीकृति के उपरान्त एजुकेशन लोन ले सकते हैं। लगभग सभी बैंक इसके लिए लोन प्रदान करते हैं। अधिकतम दस लाख तक का लोन मिल सकता है।

वेतन - इंश्यारेंस से संबंधित कोर्स करने वाले व्यक्ति को पन्द्रह हजार से पचास हजार (फ्रेशर की स्थिति में) तथा चालीस से दो लाख तक अनुभव और कोर्स के हिसाब से प्रतिमाह मिल जाते हैं।

करियर की अपार संभावनाएं
होटल मैनेजमेंट

होटल इंडस्ट्री सीधे तौर पर पर्यटन से जुड़ी है, परन्तु पर्यटकों का आना ही काफी नहीं होता, उन्हें मिलने वाली सुविधाएं भी काफी महत्त्वपूर्ण होती हैं। उनकी गुणवत्ता के आधार पर ही पर्यटकों को इस ओर आकर्षित किया जा सकता है। इसके अलावा बढ़ते औद्योगीकरण ने भी होटल व्यवसाय को तेजी से बढ़ाने में मदद की है।

उदारीकरण के विस्तार में यह निश्चित है कि अर्थव्यवस्था की मजबूती इस क्षेत्र को भी नई ऊंचाइयां देगी। पर्यटन और होटल इंडस्ट्री की जुगलबंदी से न सिर्फ देश में, बल्कि विदेश में भी रोजगार के बेशुमार अवसर सामने आ रहे हैं। भारत की होटल इंडस्ट्री के लिए इसे स्वर्ण युग ही कहा जाएगा और इसमें करियर बनाने वालों के लिए यह अपार संभावनाओं का समय है।

यह ग्लैमर से भरपूर ऐसा पेशा है, जिसमें अच्छे व प्रशिक्षित लोगों की फिलहाल कमी है। कहने को तो अन्य क्षेत्रों की भांति इसमें भी रोजगार तलाशने वालों की कमी नहीं है, किन्तु ऐसे लोगों की कमी है, जो इस पेशे के लिए जरूरी योग्यताओं पर खरे उतरते हों। भारत में बढ़ रही व्यावसायिक गतिविधियों का आलम यह है कि यहां के होटलों में कमरे खाली नहीं मिलते। एशिया प्रशांत क्षेत्र में होटल इंडस्ट्री के विकास के मामले में भारत का नम्बर चीन के बाद दूसरा है। एक अनुमान के अनुसार भारत में होटलों में 1,10,000 से भी अधिक कमरे हैं। पर्यटन मंत्रालय के मुताबिक पिछले साल 41 लाख विदेशी पर्यटक भारत आए और इस साल के रुझान को देखते हुए लगता है कि यह संख्या एक करोड़ को भी पार कर जाएगी। देशी भ्रमणकारियों की भी बड़ी संख्या है। वर्ल्ड ट्रैवल एंड टूरिज्म काउंसिल, भारत के आंकड़े कहते हैं कि बिजनेस ट्रैवल के मामले में भारत का स्थान 18वां है और इस दशक में इसके पांचवें स्थान पर पहुंचने की उम्मीद है। इन बातों के आईने में यह साफ नजर आता है कि होटल मैनेजमेंट कोर्स करके इस क्षेत्र में करियर बनाना एक समझदारी भरा निर्णय हो सकता है।

होटल इंडस्ट्री में कैसा काम

होटल इंडस्ट्री में बतौर प्रशिक्षु कार्य करने से लेकर प्रबंधक बनने तक अनुभव व कार्य कौशल के कई चरणों से होकर गुजरना होता है। यह उम्मीदवार को तय करना पड़ता है कि किस विभाग के कार्य में उसकी विशेष रुचि है और आने वाले समय में उसका लक्ष्य क्या है। यह उसकी व्यक्तिगत योग्यता और व्यक्तित्व पर निर्भर करेगा कि उसे कैसा अवसर मिल पाता है। वैसे किसी भी होटल में प्रबंधक व तमाम विभागों की अलग-अलग जिम्मेदारियां होती हैं। कुछ पर नजर डालते हैं-

प्रबंधक

होटल के प्रबंधक इस बात के लिए जिम्मेदार होते हैं कि उनका होटल सुचारू रूप से चले और लाभ कमाए। महाप्रबंधक तो इस बारे में अपनी योग्यता का इस्तेमाल करते हैं कि वित्त की स्थिति ठीक रहे, कर्मचारी अतिथियों को स्तरीय सेवा प्रदान करने के साथ-साथ संस्थान के नियमों का भी पालन करें, हाउसकीपिंग ठीक हो, खाने का स्वाद व क्वालिटी ठीक हो, होटल की आंतरिक साज-सज्जा उच्च कोटि की हो इत्यादि। अलग-अलग विभागों के सहायक प्रबंधक अपने विभागों के कार्य पर निगरानी रखते हैं। बड़े होटलों में तो रेजिडेंट मैनेजर भी होते हैं।

फ्रंट ऑफिस

फ्रंट ऑफिस में बैठने वाले कर्मचारी होटल में आने वाले अतिथियों का स्वागत करते हैं। यहां रिसेप्शन होता है, सूचना डेस्क होता है, अतिथियों के लिए आरक्षण की व्यवस्था देखने वाले होते हैं और बेलकैप्टन, बेल बॉय और डोरमैन होते हैं। ये लोग अतिथियों का सामान उनके कमरे में पहुंचवाने से लेकर उनको सूचनाएं भिजवाने का कार्य करते हैं।

फूड एंड बेवरेज (एफ एंड बी)

इस विभाग में तीन ईकाइयां होती हैं- पाकशाला यानी किचन, स्टीवर्ड विभाग और फूड सर्विस विभाग। इस विभाग के मैनेजर और कर्मचारी मिल कर इस विभाग की जिम्मेदारियों को निपटाते हैं। खाना बनाने से लेकर परोसने तक का काम यहां होता है। इससे जुड़ी हर चीज का रख-रखाव करना होता है।

हाउसकीपिंग

किसी भी होटल को उम्दा किस्म की देखभाल की जरूरत होती है। हाउसकीपिंग विभाग सभी कमरों, मीटिंग हॉल, बैंक्वेट हॉल, लाउंज, लॉबी, रेस्तरां इत्यादि की साफ-सफाई की जिम्मेदारी उठाता है। हर चीज करीने से दिखनी चाहिए, यह इस विभाग के काम करने का मूलमंत्र है। यह होटल का बेहद महत्त्वपूर्ण विभाग है और 24 घंटे काम करता है। इसमें पालियों में काम होता है।

मार्केटिंग विभाग

आज होटल में उपलब्ध सेवाओं व सुविधाओं की मार्केटिंग होटल मैनेजमेंट का अहम पहलू है। यह विभाग संभावित ग्राहकों की जरूरतों के लिहाज से पैकेज तैयार करता है और उन्हें बेचता है। इनकी काबिलियत का ही प्रत्यक्ष लाभ होटल को मिलता है। बेहतर पैकेजिंग से आकर्षित होकर जितने ग्राहक आते हैं, वे होटल को न सिर्फ बिजनेस देते हैं, बल्कि दूसरों को भी बताते हैं।इन सबके अलावा होटल में भी अन्य वे विभाग होते हैं, जो दूसरे संगठनों या कंपनियों में होते हैं, जैसे अकाउंट्स, सिक्योरिटी, मेंटेनेंस इत्यादि। अब आपको तय करना है कि एक कामयाब करियर होटल मैनेजमेंट की चुनौतियों को स्वीकार करना है कि नहीं। इंडस्ट्री तो अपनी जरूरतों के हिसाब से प्रशिक्षित लोगों को अवसर देने के लिए तैयार है।

पढ़ाई व प्रशिक्षण

अब सवाल यही उठता है कि होटल इंडस्ट्री में काम करने के लिए कहां से क्या पढ़ा जाए तथा कैसा प्रशिक्षण प्राप्त किया जाए? इस विषय में पढ़ाई करने के लिए सर्टिफिकेट कोर्स से लेकर पीजी कोर्स तक उपलब्ध हैं, जिन्हें अलग-अलग संस्थान कराते हैं। होटल मैनेजमेंट कोर्स कराने वाले सरकारी संस्थान हैं और निजी संस्थान भी। सरकारी संस्थानों में अभ्यर्थी संयुक्त प्रवेश परीक्षा के माध्यम से दाखिला लेते हैं और निजी संस्थानों में साक्षात्कार व अंक प्रतिशत के आधार पर चयन किया जाता है। निजी संस्थानों में दाखिले के लिए अभ्यर्थी को अपनी सुविधा और सामर्थ्य के मुताबिक संस्थान का चयन करना चाहिए। सरकारी संस्थान बुनियादी सुविधाओं के मामले में तो बेहतर हो सकते हैं, किन्तु उनकी गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए कोई तरीका नहीं है। फिर भी सरकारी तंत्र के अपने लाभ हैं। बहरहाल, निम्न पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं -

- बेकरी एंड कन्फेक्शनरी/होटल रिसेप्शन एंड बुक कीपिंग/रेस्तरां एंड काउंटर सर्विस में एक वर्षीय डिप्लोमा
- होटल मैनेजमेंट में तीन वर्षीय डिप्लोमा
- होटल मैनेजमेंट एंड केटरिंग टेक्नोलॉजी में चार वर्षीय स्नातक डिग्री
- होटल मैनेजमेंट में तीन वर्षीय बीएससी
- हॉस्पिटेलिटी एंड टूरिज्म मैनेजमेंट में तीन वर्षीय बीए
- इंटरनेशनल होटल्स में दो साल का पीजी डिप्लोमा
- हॉस्पिटेलिटी एडमिनिस्ट्रेशन में दो साल की एमएससी
- होटल एंड केटरिंग मैनेजमेंट में छह महीने का सर्टिफिकेट कोर्स

योग्यता

इन पाठ्यक्रमों को करने के लिए किसी भी मान्यताप्राप्त बोर्ड या विश्वविद्यालय से10वीं/ 12वीं या स्नातक होना जरूरी है। 12वीं में अंग्रेजी एक अनिवार्य विषय के रूप में पढ़ी होनी चाहिए।

नौकरी के अवसर

होटल मैनेजमेंट कोर्स करने वालों के लिए कई विकल्प हैं-

- होटल एवं हॉस्पिटेलिटी उद्योग में मैनेजमेंट प्रशिक्षु।
- होटलों में किचन मैनेजमेंट या हाउसकीपिंग मैनेजमेंट।
- एयरलाइन केटरिंग एंड केबिन सर्विसेज।
- होटल एवं अन्य सर्विस सेक्टर में गेस्ट या कस्टमर रिलेशन एक्जिक्यूटिव।
- फास्ट फूड चेन।क्लरिसोर्ट मैनेजमेंट।
- क्रूज शिप होटल मैनेजमेंट, क्लगेस्ट हाउसेज।
- हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन एंड केटरिंग।
- रेलवे या बैंक या बड़े संस्थानों में केटरिंग या कैंटीन।
- स्वरोजगार

वेतन

कोर्स पूरा करने के बाद नौकरी के तमाम अवसर हैं, जिनमें अपनी रुचि और दक्षता के आधार पर करियर बनाया जा सकता है। इनमें शुरुआती स्तर पर 12,000 रुपये से लेकर 15,000 रुपये तक का स्टाइपेंड मिलता है। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद नियमित नौकरी मिल सकती है। जैसे-जैसे अनुभव बढ़ेगा और कुशलता आएगी, वेतन उसी अनुपात में बढ़ता जाएगा, जो लाखों में भी हो सकता है।

व्यक्तिगत गुण

इस पेशे में रुचि रखने वालों के लिए सबसे जरूरी तो यह है कि उनका व्यक्तित्व आकर्षक हो। उनमें ऐसी बात हो कि उससे उनका दोस्ताना रवैया झलके। उनके करीब आते ही सामने वाला इस बात के लिए न हिचके कि वह उनसे मदद मांगे कि नहीं। व्यक्ति ऐसे होने चाहिए कि उनसे शालीन खुलेपन की सुगंध आए। वे अपनी जिम्मेदारियों को समझें, न कि टालमटोल और दूसरों पर डालने की प्रवृत्ति के मारे हों। काम को मिलजुल कर करने का हौसला रखते हों तो क्या कहने। किसी भी मसले पर तरतीब से सोचने की क्षमता हो और प्रशासनिक दक्षता भरपूर हो। इनके अलावा स्वस्थ हों और किसी भी समय कार्य करने के लिए तत्पर हों। आत्म-विश्वास और हर काम की बारीकियों को समझने और उसे अपेक्षानुसार करने का गांभीर्य भी होना चाहिए उन सबमें, जो इस स्वागत सत्कार के संसार में अपनी पहचान बनाने की हिम्मत रखते हों। बताने की जरूरत नहीं कि होटल में आने वाला हर गेस्ट खास होता है। लिहाजा उसकी हर बात को गंभीरता से लेना होता है और उसे समझदारी से संभालना होता है। काम के दबाव में भी आपके चेहरे पर मुस्कान होनी चाहिए, ऐसा इंडस्ट्री के पंडित कहते हैं। यदि ऐसा कुछ आप में है तो कोई वजह नहीं कि कोई आपको नकार दे।

अंत्योदय: विकसित भारत की मानवीय आधारशिला

सुमित कुमार सिंह, स्वतंत्र पत्रकार

भारत 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है। यह लक्ष्य केवल आर्थिक आकार बढ़ाने का लक्ष्य नहीं हो सकता। विकसित भारत का अर्थ विकसित गांव, सक्षम नागरिक, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुलभ स्वास्थ्य, सम्मानजनक रोजगार, सामाजिक सुरक्षा, डिजिटल पहुंच, उद्यमिता और अवसरों की समान उपलब्धता भी है। । भारत की विकास यात्रा आज ऐसे दौर में है, जब आर्थिक शक्ति, तकनीकी क्षमता, डिजिटल परिवर्तन और वैश्विक प्रभाव के नए अध्याय लिखे जा रहे हैं। 2026-27 की पहली तिमाही में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि 7.8 प्रतिशत दर्ज की गई है और देश को विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में देखा जा रहा है। लेकिन किसी राष्ट्र की वास्तविक समृद्धि केवल उसके सकल घरेलू उत्पाद, ऊंची इमारतों, आधुनिक सड़कों या वैश्विक रैंकिंग से तय नहीं होती। उसकी सबसे बड़ी कसौटी यह है कि विकास की रोशनी उस व्यक्ति तक कितनी पहुंची है, जो विकास की कतार में सबसे पीछे खड़ा है। यहीं से अंत्योदय का विचार प्रासंगिक होता है। हर वर्ष 25 सितंबर को अंत्योदय दिवस मनाया जाता है। यह दिन पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती का दिन है और 25 सितंबर 2014 को भारत सरकार ने इसे अंत्योदय दिवस के रूप में घोषित किया था। इसी अवसर पर दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना को भी शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य ग्रामीण गरीब युवाओं को कौशल और रोजगार के अवसरों से जोड़ना था। इसलिए अंत्योदय दिवस केवल किसी महापुरुष की स्मृति का दिवस नहीं, बल्कि विकास की दिशा और उसकी प्राथमिकताओं पर पुनर्विचार करने का अवसर है।

अंत्योदय दो शब्दों से बना है-अंत्य अर्थात सबसे अंतिम और उदय अर्थात उत्थान। लेकिन इसका अर्थ केवल किसी गरीब व्यक्ति को सहायता देना नहीं है। अंत्योदय का व्यापक अर्थ है-ऐसी व्यवस्था का निर्माण जिसमें कोई व्यक्ति अवसरों से वंचित न रहे, कोई परिवार बुनियादी सुविधाओं के अभाव में पीछे न छूटे और विकास की प्रक्रिया का लाभ समाज के अंतिम छोर तक पहुंचे। दीनदयाल उपाध्याय के ह्यएकात्म मानववादह्न में मनुष्य केवल आर्थिक उत्पादन की इकाई नहीं है। उसके शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा-सभी का संतुलित विकास आवश्यक है। यही अंत्योदय को महज कल्याणकारी कार्यक्रम से आगे ले जाकर मानव-केंद्रित विकास-दर्शन बनाता है। आज प्रश्न यह नहीं है कि भारत विकास कर रहा है या नहीं। प्रश्न यह है कि भारत के विकास का लाभ किस गति से, किस गहराई से और किस अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है। यही वह प्रश्न है जो अंत्योदय दिवस को 2026 में और अधिक महत्वपूर्ण बनाता है।

भारत 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है। यह लक्ष्य केवल आर्थिक आकार बढ़ाने का लक्ष्य नहीं हो सकता। विकसित भारत का अर्थ विकसित गांव, सक्षम नागरिक, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुलभ स्वास्थ्य, सम्मानजनक रोजगार, सामाजिक सुरक्षा, डिजिटल पहुंच, उद्यमिता और अवसरों की समान उपलब्धता भी है। 2026 में नीति-निर्माण में ह्यसमावेशी मानव विकासह्न को विकसित भारत की चर्चा का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया गया है। यही कारण है कि आज अंत्योदय की आवश्यकता पहले से कम नहीं, बल्कि अधिक है। आर्थिक विकास जितना तेज होगा, उतनी ही जरूरी होगी यह सावधानी कि विकास की दौड़ में कोई पीछे न छूट जाए। तकनीक जितनी शक्तिशाली होगी, उतना ही जरूरी होगा कि डिजिटल विभाजन कम हो। नए रोजगार जितने पैदा होंगे, उतनी ही आवश्यकता होगी कि गरीब और ग्रामीण युवा उनके लिए आवश्यक कौशल प्राप्त कर सकें। भारत में अनौपचारिक क्षेत्र से जुड़े करोड़ों श्रमिकों के संदर्भ में नीति आयोग ने भी यह रेखांकित किया है कि तकनीक अपने आप समावेशी परिवर्तन नहीं ला सकती, अवसरों और सामाजिक सुरक्षा तक पहुंच सुनिश्चित करना भी जरूरी है।

इस दृष्टि से अंत्योदय का नया अर्थ ह्यसहायता से सशक्तिकरणह्न होना चाहिए। गरीब को केवल अनुदान नहीं, अवसर मिले। किसान को केवल राहत नहीं, बेहतर उत्पादकता और बाजार मिले। श्रमिक को केवल रोजगार नहीं, कौशल और सामाजिक सुरक्षा मिले। महिला को केवल कल्याणकारी योजना नहीं, शिक्षा, संपत्ति, उद्यमिता और निर्णय-क्षमता में भागीदारी मिले। ग्रामीण युवा को केवल नौकरी की तलाश में शहर की ओर जाने की मजबूरी न हो, बल्कि उसके गांव और कस्बे में ही कौशल, डिजिटल सुविधा और उद्यम का वातावरण बने। यही अंत्योदय का आधुनिक स्वरूप हो सकता है-व्यक्ति को लाभार्थी से भागीदार बनाना। 2014 में शुरू हुई दीनदयाल अंत्योदय योजना ने ग्रामीण और शहरी गरीबों के लिए आजीविका तथा कौशल-विकास को महत्व दिया था। सरकार ने उस समय ग्रामीण एवं शहरी गरीबों के उत्थान के लिए कौशल विकास और आजीविका के अवसरों को विस्तार देने की बात कही थी। आज आवश्यकता इस सोच को और व्यापक बनाने की है। अंत्योदय को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, कौशल, आवास, पोषण, वित्तीय समावेशन, डिजिटल कनेक्टिविटी और सामाजिक सुरक्षा के बीच एक समन्वित दृष्टिकोण बनाना होगा।

भारत की अर्थव्यवस्था के विस्तार के साथ यह जिम्मेदारी भी बढ़ती है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार 2025-26 में वास्तविक जीडीपी वृद्धि 7.7 प्रतिशत रही और 2026-27 की पहली तिमाही में यह 7.8 प्रतिशत रही। भारत को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य भी सार्वजनिक नीति और आर्थिक विमर्श में प्रमुखता से व्यक्त किया गया है, 2026 के केंद्रीय बजट पर प्रधानमंत्री की प्रतिक्रिया में भी यह लक्ष्य दोहराया गया। लेकिन आर्थिक महाशक्ति बनने की यात्रा तभी व्यापक अर्थों में सफल होगी, जब आर्थिक शक्ति का सामाजिक आधार भी उतना ही मजबूत हो। विश्वगुरु बनने की आकांक्षा केवल विश्व को ज्ञान देने से पूरी नहीं होगी, अपने समाज के अंतिम व्यक्ति को गरिमापूर्ण जीवन देने से भी उसकी परीक्षा होगी। भारत की प्राचीन चेतना में ह्यसर्वे भवन्तु सुखिनःह्न और ह्यवसुधैव कुटुम्बकम्ह्न जैसे विचार रहे हैं। अंत्योदय इसी मानवीय परंपरा का आधुनिक सामाजिक-आर्थिक रूप माना जा सकता है। यह कहता है कि राष्ट्र की समृद्धि का अर्थ केवल कुछ लोगों की समृद्धि नहीं, बल्कि समूचे समाज की उन्नति है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय की स्मृति को जीवंत रखने का सबसे सार्थक तरीका केवल उनके चित्र पर माल्यार्पण करना नहीं, बल्कि उनके विचार के मानवीय पक्ष को व्यवहार में उतारना है। उनका जीवन सादगी, संगठन, राष्ट्रसेवा और वैचारिक प्रतिबद्धता से जुड़ा रहा। उनका अंत्योदय दर्शन आने वाली पीढ़ियों को यह प्रश्न पूछने की प्रेरणा देता है कि हमारे विकास का अंतिम लाभार्थी कौन है और क्या वह वास्तव में विकास की मुख्यधारा में आ पाया है?

आज का राशिफल

स्वामी रत्नेश जी
भारत ज्योतिष शिरोमणि,
नई दिल्ली ।

मेष राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कठिन परिश्रम से कार्यों में सफलता मिलेगी, जिससे मन में उत्साह रहेगा, लेकिन कार्यक्षेत्र में थोड़ा सरल व समझौतावादी बने रहने का प्रयास करें। सोच समझकर कोई निर्णय लें, तो ही बेहतर होगा। जल्दबाजी में उठाए गए कदम नुकसान पहुंचा सकते हैं। कोई भी नया काम शुरू न करें। परिवार के साथ धर्म ध्यान में समय बिताएं। मित्रों से मुलाकात अच्छी रहेगी।

वृषभ राशि :- आज का दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में कठिन परिश्रम के बावजूद सफलता कम मिलेगी। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें, अन्यथा किसी विवाद में फंस सकते हैं। परिवारिक समस्याएं परेशान करेंगी। ऐसी स्थिति में पूर्ण विवेक से काम लेना होगा। परिजनों का पूरा सहयोग मिलेगा, लेकिन किसी बात को लेकर बहस होने के आसार रहेंगे, जिससे मानकि परेशानी बढ़ेगी। सेहत अच्छी रहेगी।

मिथुन राशि :- आज का दिन अच्छा रहेगा। कार्यक्षेत्र में आर्थिक लाभ के योग रहेंगे। किसी महत्वपूर्ण कार्य की सार्थकता के लिए प्रयत्नशील होगा। कठिन परिश्म से रचनात्मक योजनाओं को सार्थक करने में सफल रहेंगे। कोई नया काम शुरू करने के लिए दिन अच्छा है। पुराना अटका धन भी मिल सकता है। परिवार के साथ समय बिताएं, मानसिक सुख और शांति मिलेगी। खान-पान का ध्यान रखना होगा।

कर्क राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कारोबार में अड़चनें आएंगी और कार्यों में सफलता कम मिलेगी। संतान संबंधी दायित्वों के प्रति मन चिंतित होगा। भविष्य के प्रति नकारात्मक विचार उत्साह में कमी ला सकते हैं। कोई नया काम शुरू करना चाहते हैं या निवेश की योजना बना रहे हैं, तो उसे टालें, अन्यथा नुकसान हो सकता है। धर्म ध्यान और परिवार के साथ समय बिताएं, सेहत का ख्याल रखें।

सिंह राशि :- आज का दिन सामान्य रहेगा। किसी कार्य को सिद्ध करने के लिए आज ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। कारोबार में आर्थिक लाभ तो रहेगा, लेकिन अनावश्यक खर्च अधिक होने से आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। मन में किसी प्रकार की शंका न पालें, गलतियों को स्वीकार कर सगे-संबंधियों के बीच अपने रिश्तों को सुधारें। किसी पुराने मित्र या रिश्तेदार से मुलाकात होने पर खुशी मिलेगी।

कन्या राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कारोबार सामान्य रहेगा। अनावश्यक खर्च बढने. से आर्थिक स्थिति कमजोर हो सकती है। नकारात्मक विचारों को त्याग अपनी क्षमताओं का पूरा उपयोग करें। भविष्य को लेकर योजनाएं बना सकते हैं। नये काम की शुरूआत कर रहे हैं, तो दूसरी को सलाह न लें। अपनों से धोखा मिल सकता है। रोजगार और शिक्षा के क्षेत्र में कोई शुभ समाचार मिल सकता है।

तुला राशि :- आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। कार्यक्षेत्र में आर्थिक लाभ मिलने के योग रहेंगे। परिश्रम से सभी कार्यों में सफलता मिलेगी और सृजनात्मक विचारों का भरपूर लाभ उठाएंगे। स्वाभिमानी स्वभाव लोकप्रियता दिलाने में सहायक होगा। बेरोजगार को रोजगार के अवसर और नौकरी में तरक्की मिलने के आसार रहेंगे। शारीरिक और मानसिक रूप से थकान का अनुभव करेंगे। सेहत का ख्याल रखें।

वृश्चिक राशि :- आज का दिन शुभ रहेगा। कारोबार विस्तार की योजना बना सकते हैं। कार्यक्षेत्र में कठिन परिश्रम से अपने काम को नई पहचान दिलाएंगे। व्यवसाय में नये निवेश का अवसर मिलेगा। करीबियों से पुराने गिले-शिकवे दूर होंगे। पुरानी बातें भूलकर वर्तमान के साथ समझौता करें, छोटी-छोटी बातों को लेकर परिवार में तनाव की स्थिति पैदा न होने दें। परिवार के साथ समय बिताएंगे। सेहत का ख्याल रखें।

धनु राशि :- आज का दिन अच्छा रहेगा। कारोबार में आकस्मिक लाभ और नौकरी में तरक्की के योग रहेंगे। हालांकि, कुछ अड़चनें आ सकती हैं, लेकिन कठिन परिश्रम से कार्यों में सफलता मिलेगी। परिस्थितियों के हिसाब से अपने आप को ढालने की कोशिश करें। परिवार के साथ समय बिताएंगे तो संबंध भी मधुर होंगे। पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। यात्रा को टालें। सेहत अच्छी रहेगी।

मकर राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। व्यापार-धंधा अच्छा चलेगा। कार्यक्षेत्र में कुछ नई योजनाओं को सार्थक करेंगे। व्यक्तिगत संबंध परिवार में विवाद का कारण बन सकते हैं। कोर्ट में कोई पुराना लंबित मामला चल रहा है तो वह सुलझ सकता है। अनावश्यक खर्च पर नियंत्रण रखना होगा। परिवार में कलह हो सकती है। खान-पान का ध्यान रखें और क्रोध पर नियंत्रण रखें।

कुम्भ राशि :- आज का दिन सामान्य रहेगा। शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में कोई अच्छी खबर मिल सकती है। बेरोजगारों को रोजगार के अवसर मिलने के आसार हैं। विद्यार्थियों के लिए समय अच्छा रहेगा और उन्हें परिश्रम के सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। कारोबार मध्यम रहेगा। परिवार का पूरा सहयोग मिलेगा और घर में माहौल अच्छा रहेगा। सेहत को लेकर सतर्क रहें।

मीन राशि :- आज का दिन अच्छा रहेगा। कार्यक्षेत्र में कुछ परेशानियां आ सकती हैं, लेकिन अपनी बुद्धिमत्ता से समस्याओं का समाधान करने में सक्षम होंगे और उत्साह पूर्वक नई योजनाओं को क्रियान्वित कर सकेंगे। रोजगार और व्यवसाय के क्षेत्र में लाभ मिलेगा। कारोबार में नए निवेश के अवसर खुलेंगे। नौकरी में स्थान परिवर्तन हो सकता है। दाम्पत्य जीवन खुशहाल रहेगा। सेहत का ध्यान रखें।

बेबसी के मारे

गरीब परिवारों को सौ दिन के रोजगार की संवैधानिक गारंटी दी गई है। असंगठित क्षेत्र के मजदूरों की जिंदगी अब भी किसी जुए से कम नहीं। दो वक्त की रोटी के लिए उन्हें न जाने कहां-कहां भटकना पड़ता है, फिर भी निश्चिंतता कहीं नहीं कि बदहाली से उन्हें मुक्ति मिलेगी ही। ओड़ीशा के कालाहांड़ी के तीन मजदूरों की कहानी इसकी ताजा कड़ी है। वे इस आस में बंगलुरु गए थे कि वहां मेहनत करके कुछ पैसे कमाएंगे और अपने परिवार का पेट भर पाएंगे। मगर उन्हें लौटना पड़ा खाली हाथ। जिस व्यक्ति ने उन्हें काम पर लगाया था, मजदूरी मांगने पर वह उन्हें मारता-पीटता था। दो महीने काम करने के बाद भी मजदूरी नहीं मिली और जिल्लत मिलती रही, तो उन्होंने घर वापसी का फैसला किया। हाथ में पैसे नहीं थे, खाने को कुछ था नहीं। वे बंगलुरु से खाली हाथ चल पड़े अपने गांव और सात दिन लगातार चलते हुए भूखे-प्यासे अपने घर पहुंचे। इन मजदूरों की कहानी इसलिए लोगों के सामने आ सकी कि वे पैदल चलते हुए घर पहुंचे। वरना इन जैसे न जाने कितने मजदूर ऐसे हैं, तो हाड़तोड़ मेहनत करने के बाद भी मजदूरी को हाथ पसारते-पसारते थक जाते हैं और जिल्लत उठाने को मजबूर होते हैं। इनकी सुनवाई कहीं नहीं होती।

संगठित और सरकारी क्षेत्रों में रोजगार की कमी और पढ़े-लिखे बेरोजगारों का आंकड़ा तो समय-समय पर सामने आता रहता है, मगर हमारे देश में लाखों ऐसे मजदूरों का कोई ठीक-ठीक हिसाब-किताब नहीं, जो असंगठित क्षेत्र में मजदूरी करते हैं। वे किसी ईंट भट्ठे पर, किसी बनती हुई इमारत में, कहीं सड़क पर मिट्टी ढोने वगैरह के काम तलाशते फिरते हैं। गांवों से बहुत सारे लोग इस उम्मीद में शहरों का रुख करते हैं कि वहां उन्हें गुजारे लायक काम मिल जाएगा। मगर वहां भी उन्हें कम दुश्वारियां नहीं झेलनी पड़तीं। शहरों के हर लेबर चौराहे पर सुबह-सुबह मजदूरों का हुजूम खड़ा होता है, मगर उनमें से कुछ को ही काम मिल पाता है। जो ठेकेदार उन्हें काम पर लगाते हैं, उनकी दबंगई ऐसी कि पैसा समय पर कभी नहीं देते, बल्कि मजदूरों का पैसा मारने की फिराक में अधिक रहते हैं।

ऐसे ही ठेकेदार के शोषण का शिकार हुए कालाहांडी के ये तीनों मजदूर। ऐसे ठेकेदारों के खिलाफ कार्रवाई का कोई व्यवस्थित तंत्र कहीं नहीं है, जहां मजदूर सीधे गुहार लगा सकें। वैसे भी गरीब अनपढ़ मजदूर पुलिस के सामने पड़ने से बचते हैं, वे शिकायत करने भला कहां जाते। मगर इससे भी दारुण कथा यह है कि इन मजदूरों को सरकारें कम नहीं छलतीं। कालाहांडी की स्थिति किसी से छिपी नहीं है। मगर ओड़ीशा सरकार वहां के लोगों के लिए क्या करती है, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि वहां से लोगों को सैकड़ों मील दूर रोजगार की तलाश में भटकना पड़ता है। किसी परिवार को अपना नवजात शिशु बेच कर पेट भरने का इंतजाम करना पड़ता है। गरीब परिवारों को सौ दिन के रोजगार की संवैधानिक गारंटी दी गई है। मगर इसके लिए शुरू की गई मनरेगा योजना में पैसे की कमी और अनियमितता के बीच मजदूर पचास दिन का काम और पैसा भी पा जाएं तो वे खुद को खुशकिस्मत समझते हैं। अगर इन श्रमिकों को स्थानीय स्तर पर ही गुजारे लायक काम मिल जाता, तो उन्हें इस कदर दर-दर तो न भटकना पड़ता। ओड़ीशा सरकार के पास शायद ही इस सवाल का जवाब हो कि क्यों वहां के लोगों को ऐसी जिल्लत उठानी पड़ती है।

मोदी नाम का कोलंबस!

प्रधानमंत्री बनने के बाद से मोदी ने राष्ट्र के खजाने की लूट ही शुरू कर दी है। अब तक के किसी भी प्रधानमंत्री की तुलना में उन पर होने वाला खर्च अत्यधिक है। मोदी के इस खर्च को वैसे तो व्यक्तिगत माना जाना चाहिए, लेकिन इसका हजारों करोड़ का बोझ देश के खजाने पर पड़ा है। इसमें सबसे ज्यादा खर्च खुद की ब्रांडिंग, फिजूल के विदेश दौरों और राजनीतिक रोड शो पर हुआ है। यह सब बेहिसाब है और इसकी भरपाई कौन करेगा? राज्यसभा में विदेश मंत्रालय द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, इन छह महीनों में ही मोदी के विदेश दौरों पर लगभग ८५ करोड़ रुपये खर्च हुए। २०२१ से अब तक के विदेश दौरों का हिसाब लगाया जाए, तो लगभग ६०० करोड़ रुपये मोदी की विदेश उड़ानों पर खर्च हुए हैं। सिर्फ २०२५ में लगभग २०० करोड़ रुपये परदेश दौरों पर उड़ा दिए गए हैं। मलेशिया, इजरायल, यूएई, नीदरलैंड्स, स्वीडन, नॉर्वे, इटली, प्रष्ठांस, स्लोवाकिया, सेशेल्स, इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड जैसे देशों की एक लंबी सूची है।

सरकार कहती है कि मोदी के दौरों से देश को फायदा हुआ, समझौते हुए, निवेश आया; लेकिन वह हकीकत में जमीन पर कहीं दिखाई नहीं देता। इन सभी समझौतों से हमारे देश के किसान, बेरोजगार युवा और आम नागरिक को क्या लाभ हुआ, इसका विश्लेषण करने की मानसिक स्थिति में मोदी नहीं हैं। मोदी के विदेश दौरे घाटे का सौदा हैं। उनका संवाद और भाषा तो वैसे ही समस्याजनक है, जिससे शिष्टाचार की पूरी तरह ऐसी की तैसी होती रहती है। विदेशी राष्ट्राध्यक्षों को जबरदस्ती गले लगाते फिरना, इटली की प्रधानमंत्री मैडम के लिए चॉकलेट वगैरह लेकर जाना और उसके ह्यरील्सह्न बनाना, इसके लिए परदेश दौरों का आयोजन करके सरकारी खजाने पर बोझ बढ़ाना, यह एक तरह से राष्ट्रीय खजाने का खयानत है। मोदी खुद को अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प का स्वघोषित मित्र मानते हैं। मूल रूप से अमेरिका एक व्यापारी देश है; वहां मित्रता जैसा भावनात्मक रिश्ता नहीं होता। मित्रता के नाते अमेरिका सामने वाले को निचोड़कर अपना फायदा तो कर लेगा, लेकिन मित्र का फायदा हो ऐसा कुछ नहीं करेगा।

मोदी ट्रंप के मित्र हैं। ट्रंप से मिलने और उनके साथ फोटो खिंचवाने के लिए वे दुनिया भर के मंचों पर जाते हैं, लेकिन अमेरिका से भारतीय जनता को क्या फायदा हुआ? अभी अमेरिका ने भारत को एक बड़ा झटका दिया है। रशियन तेल खरीदने वाले भारत पर १०० प्रतिशत टैरिफ ट्रंप सरकार ने थोप दिया है। इससे भारतीय सामानों का अमेरिका में निर्यात महंगा हो जाएगा। कपड़ा, दवाइयां, गहने, रसायन, ऑटोमोबाइल के कलपुर्जे जैसे निर्यात को मार पड़ेगी। मोदी-ट्रंप मित्र हैं या मोदी विश्वगुरु हैं, इसलिए भारत को इस टैरिफ में कोई छूट नहीं मिली। तो फिर लगातार अमेरिका के चक्कर लगाकर मोदी ने क्या हासिल किया? मोदी सरकार जनता के पैसों का गबन कर रही है। केंद्र सरकार ने बेहिसाब खर्च किया; ऐसे ५४ हजार करोड़

रुपये का हिसाब मोदी सरकार नहीं दे सकी। भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक कैग की ताजा आर्थिक लेखा-परीक्षा ऑडिट रिपोर्ट ने मोदी सरकार के बजटीय प्रबंधन और आर्थिक पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। इसका मतलब है कि मोदी के हर मंत्रालय में बड़े पैमाने पर धांधली जारी है।

मोदी की सरकार जनता के लिए नहीं, बल्कि गौतम अडानी जैसों के फायदे के लिए चलाई जा रही है। मोदी के विदेश दौरे इसी काम के लिए आयोजित किए जाते हैं। मोदी जिस देश में जाते हैं, वहां के बड़े समझौते और हितसंबंध अडानी के फायदे के लिए ही इस्तेमाल किए जाते हैं। मोदी और इजरायल के बीच विशेष रिश्ते हैं, जो भारतीय विदेश नीति के प्रतिकूल है। मोदी समय-समय पर इजरायल जाते हैं, उसके पीछे का रहस्य यह है कि इजरायल के हाइफा बंदरगाह में ७० प्रतिशत हिस्सेदारी अडानी पोर्ट्स के पास है। २०२३ में १२ अरब डॉलर का सौदा करके यह बंदरगाह अडानी ने कब्जे में लिया, जिसमें मोदी की मध्यस्थता महत्वपूर्ण रही। ह्यूएईह्न का दौरा मोदी ने मई २०२६ में किया और तुरंत जुलाई २०२६ में अडानी एंटरप्राइजेज और अबू धाबी की इंटरनेशनल होल्डिंग कंपनी घ्ण्ण के बीच ओडिशा के एल्युमिनियम प्रोजेक्ट के लिए लगभग ११.५ अरब डॉलर का समझौता हो गया। ऑस्ट्रेलिया में भी यही हुआ।

अडानी ग्रुप का कारमाइकल कोयला खदान में निवेश है। दिसंबर २०२५ में नॉर्थ क्वींसलैंड एक्सपोर्ट टर्मिनल का अधिग्रहण पूरा हुआ और तुरंत जुलाई २०२६ में मोदी ने ऑस्ट्रेलिया का दौरा किया। मोदी जिस देश की सैर करते हैं, वहां अडानी का निवेश शुरू हो जाता है। अमेरिका में अडानी पर आर्थिक धोखाधड़ी और घूसखोरी के मामले दर्ज हुए, लेकिन मोदी ने भारतीय किसानों और छोटे निर्यातकों के हितों की बलि देकर अमेरिका से अडानी को बचा लिया। जहां मोदी का दौरा, वहां अडानी का व्यापारिक समझौता, यह महज कोई इत्तेफाक नहीं है। देश के खजाने के करोड़ों रुपये खर्च करके प्रधानमंत्री एक उद्योगपति के फायदे के लिए विदेशी दौरों पर जाते हैं; इसमें राष्ट्रहित कहां आया? सच तो यह है कि ये फिजूल के विदेश दौरे श्रीमान मोदी को अडानी कंपनी के खर्चे पर करना ज्यादा उचित रहेगा। देश का प्रधानमंत्री विदेश जाता है(

जागरुकता और कानून सख्ती से ही रुकेंगी ऑनर किलिंग

ऑनर किलिंग या लिंग आधारित हिंसा देश के राजनीतिक दलों के लिए चिंता का विषय नहीं है, बल्कि नेता वोट बैंक की राजनीति के कारण आग में घी डालने का काम करते हैं। ऐसी शर्मनाक घटनाओं को रोकने के लिए राजनीति, शैक्षिक और कानून के जरिए जागरुकता लाने की जरुरत है। गुरुग्राम में पिता दीपक यादव ने परिवार की इज्जत बचाने के लिए अपनी बेटी पूर्व टेनिस खिलाड़ी राधिका यादव की गोली मार कर हत्या की थी। पिता और बेटी के बीच लंबे समय से तनाव और विवाद चल रहा था। चार्जशीट में आरोपी पिता दीपक ने बताया कि उसके गांव के लोग उसे टोकते थे कि तुम बेटी की कमाई खा रहे हो। बेटी के चरित्र पर भी उंगली उठाते थे। इससे उनके सम्मान को ठेस पहुंचती थी। इसलिए बेटी की हत्या कर दी। अभी तक यही माना जाता रहा है कि ऑनर किलिंग के ज्यादातर मामले गरीब और पिछड़ेपन के कारण ज्यादातर ग्रामीण इलाकों में ही होते हैं, किन्तु गुरुग्राम में हुई इस घटना ने साबित कर दिया कि कुछ हद तक यह मानसिकता शिक्षित लोगों के बीच शहरों में भी व्याप्त है। देश एक तरफ जहां अर्थव्यवस्था सहित दूसरे क्षेत्रों में छलांग लगा रहा है, वहीं आदिमयुगीन इस तरह की वारदात से भारत की छवि कलंकित हो रही है।

दिल्ली की पत्रकार निरुपमा पाठक की मौत के साथ ऑनर किलिंग का मुद्दा सुर्खियों में आया था। आरोप था कि परिवार ने उसे इसलिए मार डाला क्योंकि वह गर्भवती थीं और अपनी जाति के बाहर के व्यक्ति से शादी करने की योजना बना रही थीं। इसके बाद राजधानी में संदिग्ध ऑनर किलिंग के दो और मामले सामने आए। हालांकि राजधानी में ऑनर किलिंग की घटनाएं दुर्लभ हैं, लेकिन भारत के उत्तरी राज्यों जैसे पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में ऐसी घटनाएं आम हैं। ऑनर किलिंग के पीछे मूल कारण यह विचार है कि परिवार का सम्मान महिला की पवित्रता से जुड़ा होता है। ऑनर किलिंग के कई कारण हो सकते हैं, जैसे वैवाहिक बेवफाई, विवाह से पहले यौन संबंध, अनुचित संबंध, तय शादी से इनकार करना या यहां तक कि बलात्कार भी। भारत में ऑनर किलिंग तब होती है जब कोई जोड़ा अपनी जाति या धर्म के बाहर शादी करता है ।

करनाल की एक सत्र अदालत ने एक खाप पंचायत के आदेश के विरुद्ध विवाह करने वाले एक युवा जोड़े की हत्या के लिए पाँच लोगों को पहली बार मृत्युदंड सुनाया। अदालत ने खाप पंचायत के उस सदस्य को आजीवन कारावास की सजा सुनाई जिसने विवाह को अमान्य घोषित कर दिया था और जो हत्या के समय मौजूद था। सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र और आठ राज्यों को नोटिस जारी कर ऑनर किलिंग को रोकने के लिए उठाए गए कदमों की व्याख्या करने को कहा था। सरकार ने सतर्क रुख अपनाते हुए तत्कालीन कानून मंत्री एम. वीरप्पा मोइली के भारतीय दंड संहिता में संशोधन और खाप पंचायतों (जाति-आधारित संविधानेतर संस्थाएँ) पर लगाम लगाने के प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया था। केंद्र सरकार ने राज्यों से परामर्श करने और ऑनर किलिंग को एक सामाजिक बुराई मानने वाले एक विशेष कानून को लागू करने की संभावनाओं पर विचार करने के लिए एक मंत्रिसमूह गठित करने का निर्णय लिया था। तमिलनाडु, तेलंगाना, महाराष्ट्र और केरल जैसे राज्यों में, जहाँ दलित समुदायों का अपेक्षाकृत अधिक सशक्तिकरण हुआ है, अंतजार्तीय विवाहों की दर भी अधिक दर्ज की गई है। भारत मानव विकास सर्वेक्षण द्वितीय के अनुसार, अंतजार्तीय विवाहों की राष्ट्रीय दर लगभग 5% है, लेकिन सशक्त दलित आबादी वाले राज्यों में यह दर अधिक है। विडंबना यह है कि इन्हीं

छठ में घर आने के लिए 70 हजार यात्री वेटिंग में, दिल्ली-मुंबई से बिहार आते हैं करीब 3 लाख लोग

पटना (एजेंसी) छठ पर्व पर घर लौटने वाले 70 हजार यात्रियों को ट्रेन टिकट नहीं मिल पा रहा है. दिल्ली-मुंबई से बिहा के लिए 125 से अधिक अतिरिक्त ट्रेनों की जरूरत बताई जा रही है. : छठ पर्व पर घर लौटने वाले यात्रियों की परेशानी अभी से बढ़ने लगी है. 60 दिन पहले बुकिंग शुरू होते ही दिल्ली और मुंबई रूट की नियमित ट्रेनों में सीटें तेजी से भर गईं और कई ट्रेनों में नो रूम की स्थिति बन गयी है. दिल्ली-मुंबई से बिहार आने वाले करीब तीन लाख यात्रियों के दबाव को देखते हुए 125 से अधिक अतिरिक्त ट्रेनों की जरूरत बतायी जा रही है. करीब 70 हजार यात्री फिलहाल वेटिंग टिकट पर हैं. 60 दिन पहले बुकिंग खुलते ही सीटें भरने लगीं छठ पर्व पर बिहार आने के लिए यात्रियों ने 60 दिन पहले से ही टिकट बुक कराना शुरू कर दिया. बुकिंग खुलते ही दिल्ली और मुंबई रूट की कई नियमित ट्रेनों में सीटें भर गयीं. अब कई प्रमुख ट्रेनों में नो रूम की स्थिति है. इससे छठ से करीब एक सप्ताह पहले बिहार आने वाले यात्रियों की चिंता बढ़ गयी है. दिल्ली-मुंबई से करीब तीन लाख लोग आते हैं बिहार छठ के दौरान दिल्ली और मुंबई समेत दूसरे शहरों से करीब तीन लाख लोग बिहार पहुंचते हैं. इनमें बड़ी संख्या प्रवासी मजदूरों और मध्यमवर्गीय कर्मचारियों की होती है. दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, फरीदाबाद और गुरुग्राम में काम करने वाले लोग हर साल छठ पर अपने घर लौटते हैं. रेलवे को 125 से अधिक अतिरिक्त ट्रेनों की जरूरत जानकारों के अनुसार, इतने बड़े यात्री दबाव को संभालने के लिए रेलवे को 125 से अधिक अतिरिक्त ट्रेनों की जरूरत होगी. खासकर दिल्ली से पटना, गया, मुजफ्फरपुर, भागलपुर और बिहार के दूसरे जिलों में आने वाले यात्रियों के लिए अतिरिक्त ट्रेनों की मांग महत्वपूर्ण हो गयी है. रोज 50 ट्रेनें चलने के बावजूद टिकट का संकट बिहार से दिल्ली और मुंबई के बीच करीब 62 ट्रेनों का परिचालन होता है. इनमें 48 से 50 ट्रेनें रोज चलती हैं. एक ट्रेन में करीब 1200 यात्रियों के लिए रिजर्वेशन उपलब्ध होता है. इसके बावजूद छठ के समय यात्रियों की संख्या इतनी बढ़ जाती है कि नियमित ट्रेनों की क्षमता कम पड़ने लगती है. करीब 70 हजार यात्रियों ने लिया वेटिंग टिकट उपलब्ध जानकारी के अनुसार, दिल्ली-मुंबई रूट की ट्रेनों में अभी करीब 70 हजार यात्रियों ने वेटिंग टिकट लिया है. छठ से पहले बिहार आने और पर्व के बाद दिल्ली-मुंबई लौटने वाले यात्रियों की संख्या बढ़ने से वेटिंग और बढ़ने की आशंका है.अमृत भारत में 10 और 15 नवंबर को टिकट नहीं है, जबकि 16 नवंबर के बाद वेटिंग की स्थिति है. 15657 ब्रह्मपुत्र मेल में नो रूम बताया गया है. सीमांचल और गरीब रथ में भी सीटों का संकट 12488 सीमांचल एक्सप्रेस में 16 नवंबर तक टिकट उपलब्ध नहीं है. 12368 ट्रेन में 15 नवंबर तक और 22406 गरीब रथ एक्सप्रेस में 14 नवंबर को टिकट नहीं है. इससे दिल्ली से बिहार आने वाले यात्रियों के सामने सीमित विकल्प रह गए हैं. वापसी में भी यात्रियों को नहीं मिल रहा टिकट छठ के बाद दिल्ली लौटने वाले यात्रियों के लिए भी टिकट का संकट बना हुआ है. 15483 महानंदा एक्सप्रेस में 18 नवंबर तक टिकट उपलब्ध नहीं है. 15743 फरक्का एक्सप्रेस, ब्रह्मपुत्र मेल और 12367 विक्रमशिला एक्सप्रेस में भी 16 नवंबर तक टिकट नहीं होने की स्थिति बतायी गयी है. पटना की 32 ट्रेनों में बड़ी संख्या में आरक्षण पटना जंक्शन से दिल्ली रूट पर आने-जाने वाली 32 ट्रेनें हैं. इस मार्ग पर रोज करीब 60 हजार यात्री सफर करते हैं. 12 से 15 नवंबर के बीच करीब 4.03 लाख से 4.20 लाख यात्रियों का आरक्षण हुआ है. एक सप्ताह में करीब 70 हजार यात्रियों ने वेटिंग टिकट भी लिया है. गरीब और मध्यमवर्गीय यात्रियों की बढ़ी चिंता छठ पर घर लौटने वाले गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए ट्रेन सबसे भरोसेमंद और अपेक्षाकृत सस्ता परिवहन साधन माना जाता है. नियमित ट्रेनों में सीट नहीं मिलने से ऐसे यात्रियों की परेशानी ज्यादा बढ़ सकती है.

बिहार में बिछेगा फोरलेन सड़क का जाल, 3 नदियों के किनारे बदलेगा पूरा रोड नेटवर्क, बाढ़ का भी घटेगा खतरा

पटना (एजेंसी) बिहार की तीन महत्वपूर्ण नदियों गंगा, कोसी और गंडक के तटबंधों पर फोरलेन सड़क बनाई जाएगी. मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने इस प्रोजेक्ट को लेकर पूरा एक्शन प्लान बताया है. फोरलेन सड़क के बनने से बाढ़ की समस्या का भी काफी हद तक समाधान हो सकेगा. : मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बाढ़ प्रबंधन को लेकर स्थायी समाधान के लिए कहा है कि गंगा, कोसी और गंडक नदी के दोनों तरफ तटबंधों को मजबूत करते हुए उस पर फोरलेन सड़क का निर्माण करना है. कोसी इलाके के शुरूआती 100 किलोमीटर जो विशेष डेंजर जोन है, उस पर डबल शीट पायलिंग करने की आवश्यकता है. उन्होंने राजकीय नलकूपों को सौर ऊर्जा से चलाने की दिशा में तेजी से काम करने का भी अधिकारियों को निर्देश दिया है. मुख्यमंत्री ने यह बातें गंगा, गंडक और कोसी नदी परियोजना, बक्सर भागलपुर ग्रीन फिल्ड एक्सप्रेसवे, 2400 (3000) मेगावाट पीरपैंती प्लांट सहित पीएम कुसुम योजना से जुड़े समीक्षा बैठक में कही. गाद प्रबंधन पर भी विशेष काम करने की जरूरत कोसी नदी प्रणाली की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि कोसी एक गतिशील और आपस में जुड़ी नदी प्रणाली है. इसके प्रबंधन के लिए केवल वार्षिक बाद प्रतिक्रिया तक सीमित रहने के बजाय लॉन्ग टर्म बाद जोखिम को कम करने की रणनीति के तहत काम किया जाए. उन्होंने कोसी क्षेत्र को लोगों, संपत्तियों और कनेक्टिविटी से जुड़े बहु-जिला नदी गलियारे पर काम करने का निर्देश दिया. साथ ही गाद प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने सहित नये बैराज के निर्माण की दिशा में आवश्यक कार्रवाई करने को कहा. गंडक नदी से संबंधित योजना की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने तटबंधों पर सोलर प्लांट लगाने की दिशा में भी काम करने का निर्देश दिया. पथ के निर्माण में तेजी लाने के आदेश पथ निर्माण विभाग की समीक्षा के दौरान बक्सर-भागलपुर सिक्स लेन ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे की प्रगति पर चर्चा हुई. इस परियोजना की कुल लंबाई 348. 196 किमी है. इसमें 336.205 किमी बिहार और 12 किमी उत्तर प्रदेश में है. मुख्यमंत्री ने इसके अतिरिक्त गंगा अंबिका पथ (बिदुपुर-दिघवारा), नारायणी पथ (दरिहारा डुमरिया घाट) और विश्वामित्र पथ (बक्सर आरा मनेर) से संबंधित परियोजनाओं की भी समीक्षा की. उन्होंने अधिकारियों को परियोजनाओं के काम में तेजी लाने और निर्धारित समय सीमा का पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया.

32,388 पदों पर आज से शिक्षक अभ्यर्थी करेंगे आवेदन, जानिए फॉर्म भरने का पूरा प्रोसेस और योग्यता

पटना (एजेंसी) बीपीएससी टीआरई-4 के लिए अभ्यर्थी आज से आवेदन कर सकेंगे. आवेदन की प्रक्रिया 25 अक्टूबर तक चलेगी. टोटल 32,388 पदों पर शिक्षकों की भर्ती की जाएगी. अभ्यर्थियों को आवेदन से पहले सभी निदेर्शों को पढ़ने की सलाह दी गई है. बीपीएससी की ओर से चौथे चरण की विद्यालय अध्यापक भर्ती परीक्षा (टीआरई- 4) के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया 25 सितंबर यानी आज से शुरू होगी. अभ्यर्थी 26 अक्टूबर तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे. आवेदन फीस जमा करने की अंतिम तारीख 25 अक्टूबर है. अभ्यर्थियों को दी गई ये सलाह जानकारी के मुताबिक, इस भर्ती के माध्यम से राज्य में कुल 32,388 शिक्षक पदों पर नियुक्ति होनी है. आयोग के अनुसार आवेदन से संबंधित पूरा विज्ञापन और दिशा-निर्देश बीपीएससी की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी कर दी गई है. अभ्यर्थियों को आवेदन करने से पहले विज्ञापन और सभी निदेर्शों को ध्यानपूर्वक पढ़ने की सलाह दी गई है. किस क्लास में कितने शिक्षकों की भर्ती? बीपीएससी की ओर से जारी किए गए नोटिफिकेशन की माने तो, क्लास 1 से 5 तक में 3,847 पदों पर भर्ती होगी. क्लास 6 से 8 तक में 8,563 पद, क्लास 9 से 10 तक में 3,877 पद और क्लास 11 से 12 तक में 16,101 पदों पर भर्ती की जाएगी. इस तरह से टोटल 32,388 पदों पर शिक्षकों को बहाल किया जाएगा.

पटना-नालंदा में थानों में लगेगा अधिकारियों का जनता दरबार, जिले में रुकेंगे SSP

पटना (एजेंसी) पटना और नालंदा में पुलिस थानों में रात्रि विश्राम करेगी. IGP जीतेंद्र राणा के निर्देश पर सोमवार से शुरू हो रही इस व्यवस्था से जनता और पुलिस की दूरी कम होगी. पटना और नालंदा में पुलिस और आम जनता के बीच दूरी कम करने के लिए नई व्यवस्था शुरू होने जा रही है. आइजी जीतेंद्र राणा ने एसएसपी और एसपी समेत वरीय पुलिस अधिकारियों को हर सप्ताह अपने क्षेत्र के किसी एक थाने में रात्रि विश्राम करने का निर्देश दिया है. अधिकारी दोपहर बाद जनता दरबार लगाएंगे और लंबित मामलों की समीक्षा के साथ सुरक्षा व्यवस्था का जायजा भी लेंगे. सोमवार से लागू होगी नई व्यवस्था दरअसल, पटना और नालंदा में पुलिस अधिकारियों के थानों में रात्रि विश्राम की व्यवस्था सोमवार से शुरू होगी. आइजी जीतेंद्र राणा ने पटना और नालंदा के एसएसपी-एसपी को अपने क्षेत्र के किसी एक थाने में हर सप्ताह रात बिताने का निर्देश दिया है. इसका उद्देश्य पुलिस और आम लोगों के बीच दूरी कम करना और आपराधिक मामलों में कार्रवाई की रफ्तार बढ़ाना है. जनता की शिकायतें सुनेंगे अधिकारी वरीय पुलिस अधिकारी थाने में दोपहर बाद जनता दरबार लगाएंगे. इसमें स्थानीय लोग अपनी शिकायत और समस्याएं सीधे अधिकारियों के सामने रख सकेंगे. अधिकारियों को शिकायतों के निबटारे के साथ संबंधित मामलों की प्रगति की भी जानकारी लेने को कहा गया है. पुराने और लंबित मामलों की होगी समीक्षा थाने में रात्रि प्रवास के दौरान अधिकारी पुराने और लंबित मामलों की जांच और समीक्षा करेंगे. इससे लंबे समय से लंबित मामलों की स्थिति की जानकारी मिलेगी और जांच में आ रही अड़चनों की पहचान की जा सकेगी. श्त और वाहन चेकिंग का लेंगे जायजा वरीय अधिकारी अपने क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था भी देखेंगे. वे पुलिस पेट्रोलिंग, गश्त और वाहन चेकिंग की स्थिति की पड़ताल करेंगे. थाने के स्तर पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर की जा रही कार्रवाई की भी समीक्षा की जाएगी. एसडीपीओ को भी करनी होगी निगरानी आइजी ने एसडीपीओ को भी इस व्यवस्था का पालन सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया है. उन्हें हर सप्ताह मुख्यालय थाने को छोड़कर किसी अन्य थाने में अधिकारियों के रात्रि प्रवास की व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी. इसकी रिपोर्ट आइजी कार्यालय को भेजनी होगी. इन थानों में जाएंगे पटना के वरीय अधिकारी पटना के अलग-अलग वरीय पुलिस अधिकारियों के लिए

संक्षिप्त डायरी

मगध प्रमंडल साइंस ड्रामा में गया जी की टीम दूसरे स्थान पर, 179 अंक मिले; अरवल ने 200 अंक के साथ मारी बाजी

पटना (एजेंसी) गया जी के अध्यापक शिक्षा महाविद्यालय में आयोजित प्रमंडल स्तरीय साइंस ड्रामा प्रतियोगिता 2026 में अरवल की टीम ने 200 अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया है. अरवल के विद्यार्थियों ने एआई के उपयोग और साइबर ठगी से जुड़े विषयों पर प्रभावी नाट्य प्रस्तुति दी, जिस पर डीईओ असगर आलम खां ने उन्हें बधाई दी है. क्षेत्रीय शिक्षा उप निदेशक मगध प्रमंडल, गया जी के तत्वावधान में गुरुवार को अध्यापक शिक्षा महाविद्यालय, गया जी में प्रमंडल स्तरीय 'साइंस ड्रामा प्रतियोगिता 2026' का भव्य आयोजन किया गया. इस प्रतियोगिता में मगध प्रमंडल के विभिन्न जिलों से चुनी गई टीमों ने पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया. आरडीडीई संजय कुमार चौधरी के दिशा-निर्देशन में आयोजित इस प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल द्वारा दिए गए अंकों के आधार पर अरवल जिले का प्रतिनिधित्व कर रहे सरस्वती विद्या निकेतन उच्चतर विद्यालय, ईटवां की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया. प्रतियोगिता में अरवल की टीम को तीन सदस्यीय निर्णायक मंडल में से प्रथम निर्णायक द्वारा 60, द्वितीय निर्णायक द्वारा 62 तथा तृतीय निर्णायक द्वारा 78 अंक प्रदान किए गए. इस प्रकार अरवल की टीम ने कुल 200 अंक हासिल कर प्रतियोगिता में बाजी मार ली. गया की टीम को 179 अंक के साथ मिला दूसरा स्थान वहीं, गया जिले की टीम 179 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रही, जिसे निर्णायकों द्वारा क्रमशः 45, 60 और 74 अंक दिए गए. इसके अलावा, जहानाबाद की टीम ने 153 अंकों के साथ तीसरा, औरंगाबाद की टीम ने 126 अंकों के साथ चौथा और नवादा की टीम ने 123 अंकों के साथ पांचवां स्थान प्राप्त किया. इस प्रतियोगिता में प्लस टू यशवंत उच्च विद्यालय खिजरसराय (गया), उत्क्रमित उच्च विद्यालय खैरा मिर्जा चौखड़ा (औरंगाबाद), एमकेडी प्लस टू उच्च विद्यालय मार्थू घोषी (जहानाबाद), प्रोजेक्ट एमपीएस कन्या इंटर विद्यालय हिसुआ (नवादा) और सरस्वती विद्या निकेतन उच्च विद्यालय ईंटवां (अरवल) के छात्र-छात्राओं की टीमों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया. प्रतियोगिता के निर्णायक सदस्यों में हादी हाश्मी स्कूल के प्राचार्य नफासत करीम, सेवानिव

मुजफ्फरपुर के औराई में नाव पलटी, 15 लोग थे सवार, 14 निकले, एक युवती लापता

पटना (एजेंसी) औराई के देवरा धर्मपुर गांव में मवेशियों का चारा लाने जा रही नाव बागमती नदी में डूब गयी. नाव पर सवार 15 लोगों में 14 सुरक्षित बाहर निकल गये, जबकि 15 वर्षीय किशोरी रानी कुमारी लापता बतायी जा रही है. प्रशासन तलाश में जुटा है. मुजफ्फरपुर नाव हादसाः औराई थाना क्षेत्र में शुक्रवार को बागमती नदी में मवेशियों का चारा लाने जा रही नाव डूब गयी. नाव पर 15 लोग सवार थे. इनमें 14 लोग किसी तरह नदी से बाहर निकलने में सफल रहे, जबकि 15 साल की नाबालिग युवती रानी कुमारी के लापता होने की सूचना है. घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गयी है. चारा लाने के दौरान बागमती में डूबी नाव घटना महेशवारा पंचायत के देवरा धर्मपुर गांव के पास की बतायी जा रही है. बागमती बांध के अंदर पशुपालक किसान मवेशियों के लिए चारा लाने के लिए नाव से नदी पार कर रहे थे. इसी दौरान नाव अचानक नदी में डूब गयी. नाव के डूबते ही उस पर सवार लोगों के बीच चीख-पुकार मच गयी. 14 लोग किसी तरह तैरकर या दूसरे लोगों की मदद से सुरक्षित बाहर निकल गये. रानी कुमारी अब भी लापता महेशवारा पंचायत के मुखिया रामस्वार्थ राम ने बताया कि नाव पर सवार लगभग सभी लोग सुरक्षित बाहर निकल गये हैं. हालांकि, होरिल पासवान की 15 साल की बेटी रानी कुमारी के लापता होने की जानकारी मिली है. घटना की सूचना प्रशासन को दी गयी है. किशोरी की तलाश के लिए स्थानीय स्तर पर प्रयास शुरू कर दिया गया है. मौके पर पहुंचा प्रशासन, की मदद की तैयारी नाव डूबने की सूचना मिलते ही प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची. लापता किशोरी की तलाश के लिए एनडीआरएफ की टीम बुलाने का प्रयास किया जा रहा है. स्थानीय लोगों की भीड़ घटनास्थल पर जुट गयी है. किशोरी के लापता होने की सूचना के बाद परिजनों और ग्रामीणों में चिंता का माहौल है. प्रशासन की ओर से नदी में खोजबीन की तैयारी की जा रही है. बागमती बांध के अंदर चारा लाने जाते हैं किसान बताया गया कि बागमती बांध के अंदर बड़ी संख्या में पशुपालक किसान अपने मवेशियों के लिए चारा लाने जाते हैं. इसके लिए कई लोग नाव का इस्तेमाल करते हैं. शुक्रवार को भी किसान चारा लाने के लिए नाव से नदी में गये थे, इसी दौरान हादसा हो गया. फिलहाल प्रशासन और स्थानीय लोग लापता किशोरी की तलाश में जुटे हैं. हादसे में नाव के डूबने के कारणों की जानकारी भी जुटायी जा रही है.

नालंदा में अब इन 3 स्टेट हाईवे पर देना होगा टोल टैक्स, चार जगह बनेंगे प्लाजा

पटना (एजेंसी) नालंदा के तीन प्रमुख स्टेट हाईवे पर जल्द टोल व्यवस्था शुरू होने वाली है. एसएच-78, एसएच-71 और एसएच-4 पर चार टोल प्लाजा बनेंगे, जिस पर करीब 38 करोड़ खर्च होंगे. नालंदा जिले से गुजरने वाले तीन प्रमुख स्टेट हाईवे पर जल्द टोल व्यवस्था लागू करने की तैयारी शुरू हो गयी है. बिहार स्टेट रोड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड ने एसएच-78, एसएच-71 और एसएच-4 पर कुल चार टोल प्लाजा बनाने के लिए टेंडर जारी किया है. इन प्लाजा के निर्माण पर करीब 37 करोड़ 95 लाख 3 हजार रुपये खर्च होने का अनुमान है. टोल व्यवस्था लागू होने के बाद इन मार्गों से नियमित सफर करने वाले लोगों और पर्यटकों को भी उपयोगकर्ता शुल्क देना होगा. इन तीन स्टेट हाईवे पर बनेगा टोल प्लाजा की ओर से एसएच-78 चंडी-नूरसराय-सरमेरा, एसएच-71 जहानाबाद-पार्वती पथ और एसएच-4 दनियावां-गया रोड पर टोल प्लाजा निर्माण की प्रक्रिया शुरू की गयी है. तीनों स्टेट हाईवे पर कुल चार टोल प्लाजा बनाये जायेंगे. एसएच-71 पर राजगीर और नालंदा जाने वालों पर पड़ेगा असर करीब 85 किलोमीटर लंबा एसएच-71 जहानाबाद से घोसी, इस्लामपुर, राजगीर, गिरियक और कतरीसराय होते हुए पार्वती तक जाता है. यह मार्ग राजगीर और नालंदा विश्वविद्यालय जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों तक पहुंचने के लिए महत्वपूर्ण है. टोल व्यवस्था लागू होने के बाद इस मार्ग से गुजरने वाले नियमित यात्रियों के साथ पर्यटकों पर भी इसका असर पड़ेगा. एसएच-78 पर आठ लेन का टोल प्लाजा एसएच-78 पर नूरसराय के उत्तर तिमुहाना के पास आठ लेन का टोल प्लाजा बनाने की योजना है. इसमें दोनों दिशाओं में चार-चार लेन होंगी. इस टोल प्लाजा के निर्माण के लिए भी टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी गयी है. एसएच-4 पर छह लेन का होगा प्लाजा एसएच-4 दनियावां-गया रोड पर छह लेन का टोल प्लाजा प्रस्तावित है. इसमें दोनों दिशाओं में तीन-तीन लेन होंगी. इस मार्ग से गुजरने वाले वाहनों के लिए टोल व्यवस्था लागू होने के बाद निर्धारित उपयोगकर्ता शुल्क देना होगा. एसएच-71 पर दो जगह बनेंगे टोल प्लाजा एसएच-71 पर दो अलग-अलग स्थानों पर टोल प्लाजा बनाने की योजना है.

पटना में पार्षद पति पर हमले की क्या थी वजह कुख्यात अपराधी का नाम आया सामने

पटना (एजेंसी) पटना में बीते मंगलवार की रात वार्ड नंबर-24 की पार्षद ज्ञानवंती देवी के पति अनिल यादव को गोली मारने की घटना सामने आई. इस मामले में पुलिस जांच में कई अहम खुलासे हुए हैं. इस घटना में एक कुख्यात अपराधी का नाम भी सामने आ रहा है. पटना के बुद्धा कॉलोनी थाना क्षेत्र के चकारम में वार्ड नंबर-24 की पार्षद ज्ञानवंती देवी के पति अनिल यादव को गोली मारने के मामले में राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता की बात सामने आयी है. पुलिस ने बदमाशों की पहचान का दावा करते हुए उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी तेज कर दी है. मामले में तीन संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है. वहीं, घटनास्थल से सात खोखे बरामद किये गये हैं. राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के एंगल से जांच तेज पुलिस की शुरूआती जांच में अनिल यादव पर हुए हमले के पीछे राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता का एंगल सामने आया है. पुलिस ने बदमाशों की पहचान करने का दावा किया है और उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है. तीन संदिग्धों को पुलिस ने हिरासत में लिया मामले की जांच के दौरान पुलिस ने तीन संदिग्धों को हिरासत में लिया है. पुलिस ने घायल अनिल यादव और उनके परिजनों से भी पूछताछ की है. पूछताछ में दुजरा के एक कुख्यात अपराधी का नाम सामने आने की बात कही जा रही है. पुलिस के अनुसार, उक्त अपराधी के खिलाफ पहले से कई मामले दर्ज हैं और वह फिलहाल जमानत पर है. फर्दबयान लिया गया, हस्ताक्षर के बाद होगा फाइनल पुलिस ने अनिल यादव का फर्दबयान ले लिया है. हालांकि, अभी इसे अंतिम नहीं माना जा रहा है, क्योंकि उस पर अनिल यादव के हस्ताक्षर नहीं हुए हैं. पुलिस फर्दबयान और पूछताछ में सामने आयी जानकारी के आधार पर मामले की आगे जांच कर रही है. कांट्रेक्ट किलरों की मदद से हमला करने का शक पुलिस के मुताबिक, घटना को जिस तरीके से अंजाम दिया गया, उससे कांट्रेक्ट किलरों की मदद से अनिल यादव की हत्या की कोशिश किये जाने का संदेह है. जांच एजेंसियां हमले में शामिल बदमाशों और घटना के पीछे की पूरी साजिश का पता लगाने में जुटी हैं. बेसमेंट में घुसकर बाइक सवार बदमाशों ने मारी गोली मालूम हो कि बुधवार की देर शाम बाइक सवार बदमाश मां सुखिया देवी अपार्टमेंट के बेसमेंट में घुस गये थे. इसी दौरान बदमाशों ने अनिल यादव को गोली मार दी थी. घटना के बाद उन्हें इलाज के लिए कंकड़बाग स्थित एक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी स्थिति स्थिर बतायी जा रही है. घटनास्थल से सात खोखे बरामद पुलिस ने घटनास्थल से सात खोखे बरामद किये हैं. पुलिस के अनुसार, बदमाशों ने कुल सात गोलियां चलायी थीं, जिनमें से पांच गोली अनिल यादव को लगी. घटनास्थल से बरामद सभी खोखे 7.65 एमएम पिस्टल के बताये गये हैं. एसआईटी के साथ एसटीएफ और आसूचना इकाई जांच में जुटी मामले की गंभीरता को देखते हुए एसआईटी का गठन किया गया है. जांच में एसटीएफ के साथ पटना पुलिस की आसूचना इकाई को भी लगाया गया है. पुलिस घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है और हमलावरों तक पहुंचने के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है. मोबाइल डंप डेटा से बदमाशों तक पहुंचने की कोशिश घटनास्थल के आसपास का मोबाइल डंप डेटा भी निकाला जा रहा है. पुलिस इस डेटा के जरिए घटना के समय आसपास मौजूद संदिग्ध मोबाइल नंबरों और गतिविधियों की जानकारी जुटाने की कोशिश कर रही है. अनिल यादव की हालत स्थिर फिलहाल अनिल यादव का इलाज कंकड़बाग के एक अस्पताल में चल रहा है. उनकी स्थिति स्थिर बतायी गयी है. पुलिस उनके स्वास्थ्य और बयान से जुड़ी जानकारी के आधार पर भी जांच को आगे बढ़ा रही है.

इरडा की बीमा कंपनियों पर लगाम कसने की तैयारी, कमीशन पर होगा असर

नई दिल्ली

बीमा खरीदने और बेचने के तरीके में बड़े बदलाव की तैयारी है। भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) ने बीमा वितरण व्यवस्था में सुधार के लिए दो हिस्सों वाला कंसल्टेशन पेपर जारी किया है। इसमें बीमा कंपनियों के खर्च, एजेंट और वितरकों के कमीशन, बैंक के जरिए बीमा बिक्री, मिस-सेलिंग और डिजिटल प्लेटफॉर्म से जुड़े कई प्रस्ताव रखे गए हैं। इरडा ने कमीशन सिस्टम में भी बदलाव का प्रस्ताव रखा है।

■ प्राधिकरण ने कमीशन सिस्टम में भी बदलाव का प्रस्ताव रखा है

ग्राहकों के लिए प्रस्तावित महत्वपूर्ण बदलाव लोन के साथ बीमा की अनिवार्यता से जुड़ा है। इरडा ने ऐसे मामलों पर रोक लगाने का प्रस्ताव रखा है, जहां बैंक या वित्तीय संस्था लोन देने की शर्त के रूप में किसी खास बीमा पॉलिसी को खरीदना जरूरी करती है। प्रस्ताव के मुताबिक ग्राहक को बीमा लेने के लिए उसी बैंक या एनबीएफसी से जुड़ना जरूरी नहीं होना चाहिए। बीमा लेने या न लेने की स्थिति में ब्याज दर की जानकारी भी स्पष्ट रूप से दी जानी चाहिए।

थर्ड-पार्टी मोटर बीमा कमीशन न देने का प्रस्ताव

नियामक ने थर्ड-पार्टी मोटर बीमा जैसे जरूरी कवर पर बहुत कम या बिल्कुल कमीशन न देने का प्रस्ताव रखा है। बैंक और लेंडर जो लोन के साथ बीमा बेचते हैं, उनके कमीशन को प्रोडक्ट के हिसाब से 2 प्रतिशत से 5 प्रतिशत तक सीमित किया जा सकता है। साथ ही, लोन के साथ बीमा को जबरन जोड़कर बेचने पर रोक लगाने की बात कही गई है।

इरडा ने बीमा वितरण व्यवस्था में सुधार के लिए कंसल्टेशन पेपर जारी किया

लाइफ इंश्योरेंस में कमीशन का नया ढांचा

इरडा ने इंडिविजुअल लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी के लिए तय प्रीमियम भुगतान अवधि यानी पीपीटी के हिसाब से अलग-अलग कमीशन का प्रस्ताव दिया है। यह लिंक्ड और नॉन-लिंक्ड दोनों तरह की पॉलिसी पर लागू होगा। पांच साल से कम प्रीमियम भुगतान अवधि वाली पॉलिसी में पहले साल का कमीशन डिस्ट्रीब्यूशन इकाइयों के लिए 5 प्रतिशत और एजेंट के लिए 6.25 प्रतिशत तक रहेगा।

नई पॉलिसी बेचने पर फोकस नहीं होगा

इस ढांचे से इरडा का मकसद यह है कि डिस्ट्रीब्यूटर सिर्फ नई पॉलिसी बेचने पर फोकस न करें, बल्कि पॉलिसी को लंबे समय तक चलाने पर भी ध्यान दें। परामर्श पत्र के मुताबिक, कमीशन ऐसा होना चाहिए जिससे डिस्ट्रीब्यूटर पॉलिसीधारक को कई सालों तक प्रीमियम भरने में मदद करें, न कि सिर्फ पहले साल के कमीशन पर ध्यान दें। नियामक ने सिंगल-प्रीमियम पॉलिसी और टैक्स से जुड़े फायदे देने वाले बीमा प्रोडक्ट्स पर भी कम कमीशन का प्रस्ताव रखा है।

इरेडा IREDA

टर्म इंश्योरेंस में कमीशन : इंडिविजुअल प्योर-टर्म इंश्योरेंस में प्रीमियम भुगतान के तरीके के हिसाब से कमीशन बदलेगा। सिंगल-प्रीमियम टर्म पॉलिसी में पहले साल का कमीशन डिस्ट्रीब्यूशन इकाइयों के लिए 7.5 प्रतिशत और एजेंट के लिए 10 प्रतिशत तक रहेगा। जिन टर्म पॉलिसी में प्रीमियम कई सालों तक भरा जाता है।

अभी नियम लागू नहीं हुए हैं

ध्यान रखना जरूरी है कि ये कंसल्टेशन पेपर में रखे गए प्रस्ताव हैं, अंतिम नियम नहीं। इरडा ने संबंधित पक्षों से इन प्रस्तावों पर प्रतिक्रिया मांगी है। रिपोर्ट के मुताबिक टिप्पणियां 25 अक्टूबर 2026 तक मांगी गई हैं। यानी अगर प्रस्ताव आगे चलकर नियम बनते हैं तो बीमा खरीदते समय विकल्प और कीमत की जानकारी ज्यादा स्पष्ट हो सकती है, बैंक से लोन लेते समय बीमा की अनिवार्यता पर रोक लग सकती है और बीमा बिक्री में कमीशन आधारित प्रोत्साहनों पर ज्यादा नियंत्रण आ सकता है।

खबर संक्षेप

रुपया 23 पैसे कमजोर होकर 95.96 प्रति डॉलर पर

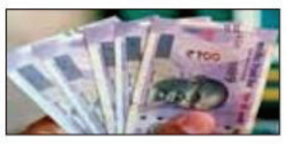

मुंबई। कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच अमेरिकी मुद्रा के मजबूत होने से रुपया बृहस्पतिवार को 23 पैसे कमजोर होकर 95.96 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार, घरेलू शेयर बाजार में भारी बिकवाली से भी रुपये पर दबाव पड़ा।

स्विस कंपनी डेलविटेक तीन करोड़ डॉलर करेगी निवेश

नई दिल्ली। इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए निरीक्षण समाधान उपलब्ध कराने वाली स्विट्जरलैंड की कंपनी डेलविटेक ने बेंगलुरु में विनिर्माण और प्रौद्योगिकी इकाई स्थापित करने के लिए तीन करोड़ अमेरिकी डॉलर (करीब 280 करोड़ रुपये) तक का निवेश करने की घोषणा की। दुनिया भर में सबसे बड़ी विनिर्माण इकाई होगी और इसके जनवरी 2027 तक शुरू होने की संभावना है।

प्रणीथा अक्टूबर से शुरू करेगी केबल का उत्पादन

नई दिल्ली। गुजरात की तार एवं केबल विनिर्माता कंपनी प्रणीथा इकोकेबल्स लि. अक्टूबर से गुजरात के साणंद स्थित अपने संयंत्र में सौर केबल का उत्पादन शुरू करने की योजना बना रही है। कंपनी ने कहा कि उसने अपने नए कारखाने में वाणिज्यिक उत्पादन शुरू कर दिया है और 20 सितंबर को बिना प्लास्टिक कवर वाले तांबे के तार की पहली खेप भेजी।

फिजिक्सवाला दक्षिण भारत को अपना केंद्र बनाएगी

नई दिल्ली। शिक्षा प्रौद्योगिकी कंपनी फिजिक्सवाला के संस्थापक एवं सीईओ अलख पांडेय कारोबार का विस्तार करने के लिए अगले दो साल तक अपना आधार दक्षिण भारत में स्थानांतरित करेंगे। इस दिशा में पहला कदम उठाते हुए फिजिक्सवाला (पीडब्ल्यू) ने मोहन बाबू विश्वविद्यालय के साथ पांच साल का समझौता किया है। इसके तहत कंपनी विश्वविद्यालय के करीब 18,000 छात्रों को एआई कौशल विकास और करियर केंद्रित पाठ्यक्रम उपलब्ध कराएगी।

प. बंगाल अपना खाद्य तेल ब्रांड करेगा शुरू

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के सहकारिता और खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री अशोक कीर्तनिया ने कहा कि राज्य सरकार अपने डेयरी ब्रांड ''बांग्लार डेयरी'' की तर्ज पर अपना खाद्य तेल ब्रांड शुरू करने की योजना बना रही है। इसकी शुरुआत सरसों तेल से की जाएगी। राज्य खाद्य तेल के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने के लिए तिलहन उत्पादन बढ़ाना चाहता है। मंत्री ने कहा, /"हम आत्मनिर्भर बनने के लिए राज्य में तिलहन उत्पादन बढ़ाना चाहते हैं। साथ ही हम बाजार में अपना खाद्य तेल ब्रांड स्थापित करना चाहते हैं।

एनपीसीआई के प्रमुख असबे ने यह बात कही

यूपीआई लेनदेन के 10 प्रतिशत मूल्य पर ही उपभोक्ताओं से शुल्क लिए जाने का जोखिम

मुंबई

यूपीआई लेनदेन के कुल मूल्य में से केवल करीब 10 प्रतिशत हिस्से पर ही प्रस्तावित 'मर्चेंट डिस्काउंट रेट' (एमडीआर) शुल्क का बोझ उपभोक्ताओं पर पड़ने की आशंका है। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) दिलीप असबे ने बृहस्पतिवार को यह बात कही। असबे ने '13वें एसबीआई बैंकिंग एवं अर्थशास्त्र सम्मेलन 2026' में कहा कि एमडीआर से मिलने वाली राशि का करीब 80 प्रतिशत हिस्सा सालाना 1,000 करोड़ रुपये से अधिक कारोबार करने वाले बड़े कारोबारियों से आएगा, जो पहले से ही क्रेडिट कार्ड स्वीकार करते हैं और काफी अधिक शुल्क का भुगतान करते हैं।

यूपीआई लेनदन की संख्या करीब 96 प्रतिशत

यूपीआई प्रणाली का संचालन करने वाली एनपीसीआई के प्रमुख ने एमडीआर के संभावित असर पर कहा, "उपभोक्ताओं से शुल्क लिए जाने का वास्तविक जोखिम कुल मूल्य का करीब 10 प्रतिशत है।"उन्होंने कहा कि यूपीआई लेनदेन की संख्या का करीब 96 प्रतिशत और कुल मूल्य का 75 प्रतिशत फिलहाल शुल्क के दायरे में आने की संभावना नहीं है।

■ एमडीआर का बोझ उपभोक्ताओं पर मात्र 10 फीसदी ही

■ एमडीआर का 80 फीसदी हिस्सा बड़े कारोबारियों से आएगा

■ बड़े कारोबारी पहले ही क्रेडिट कार्ड स्वीकार करते हैं

2000 से अधिक पर एमडीआर शुल्क की घोषणा

सरकार ने पिछले सप्ताह 2,000 रुपये से अधिक राशि के यूपीआई भुगतान पर कारोबारियों से 0.4 प्रतिशत एमडीआर शुल्क लेने की घोषणा की थी। यह शुल्क अधिकतम 300 रुपये तक होगा और 15 अक्टूबर से प्रभावी हो जाएगा। असबे ने कहा कि यूपीआई पारिस्थितिकी में करीब छह करोड़ सक्रिय व्यापारी हैं और इनमें करीब 75 प्रतिशत क्यूआर-कोड व्यापारियों को अबतक 2,000 रुपये से अधिक का एक भी लेनदेन नहीं मिला है।

सुनिश्चित करना होगा की बोझ उपभोक्ताओं पर न पड़े

हालांकि, ऐसे कारोबारी पहले से ही क्रेडिट कार्ड शुल्क को अपने मूल्य निर्धारण में शामिल करते हैं और आम तौर पर यूपीआई भुगतान पर छूट नहीं देते हैं। ऐसे में उनसे यह शुल्क उपभोक्ताओं पर डालने की उम्मीद कम है। असबे ने कहा कि बाकी हिस्से में उपभोक्ताओं पर शुल्क डाले जाने की संभावना है और बैंकों, एनपीसीआई तथा भुगतान सेवा प्रदाताओं को यह सुनिश्चित करने के लिए काम करना होगा कि शुल्क का बोझ उपभोक्ताओं पर न पड़े।

पांच फीसदी राशि का कोष युवा उद्यमियों के लिए

असब ने बताया कि एमडीआर से मिलने वाली राशि का पांच प्रतिशत युवा उद्यमियों और मदद की जरूरत वाले क्षेत्रों के लिए बनाए जाने वाले कोष में डालने का प्रस्ताव है। एनपीसीआई इस कोष को तैयार करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक और अन्य संबंधित पक्षों के साथ काम कर रहा है।

कोष तीन साल में 3000 करोड़ पहुंच सकता है

प्रमुख ने कहा कि यह कोष तीन साल में करीब 3,000 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। इसका इस्तेमाल छोटे कारोबारियों के बीच यूपीआई स्वीकार्यता बढ़ाने के लिए किया जाएगा। इसके तहत सैंडबॉक्स और अन्य भुगतान बुनियादी ढांचे की अधिक तैनाती को बढ़ावा दिया जाएगा।

बैंक अगले कुछ माह में अतिरिक्त नकदी का इस्तेमाल कर सकते हैं

मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के डिप्टी गवर्नर रोहित जैन ने बृहस्पतिवार को कहा कि बैंकों से अगले कुछ महीनों में विदेशी मुद्रा प्रवासी जमाओं से मिली अतिरिक्त नकदी का इस्तेमाल करने की उम्मीद है, क्योंकि त्योहारी मौसम में ऋण की मांग मजबूत रहने की संभावना है।

विशेष विदेशी मुद्रा प्रवासी (एफसीएनआर-बी) जमा योजना के तहत बैंकों ने 133 अरब अमेरिकी डॉलर जुटाए हैं। भारतीय प्रवासियों से मिली मजबूत प्रतिक्रिया के बाद यह योजना निर्धारित समय से एक महीने पहले 31 अगस्त को बंद कर दी गई थी। जैन ने यहां 13वें एसबीआई बैंकिंग एवं इकॉनमिक्स कॉन्क्लेव से इतर कहा कि एफसीएनआर-बी के तहत धन आने के बाद आरबीआई ने बैंकों के साथ उनकी नकदी की स्थिति पर चर्चा के लिए बैठकें की हैं। उन्होंने कहा, ''आने वाले त्योहारी मौसम और ऋण की मजबूत मांग को देखते हुए बैंकों से अगले कुछ महीनों में एफसीएनआर-बी की नकदी का इस्तेमाल करने की उम्मीद है।''

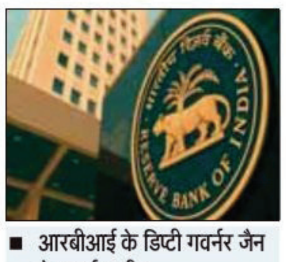

■ आरबीआई के डिप्टी गवर्नर जैन ने जताई उम्मीद

■ त्योहारी मौसम में ऋण की मांग मजबूत रहने की संभावना

जैन ने कहा कि आरबीआई बैंकों को जुटाई गई राशि को किसी खास क्षेत्र में लगाने का निर्देश नहीं दे रहा है।

अदला-बदली योजना 31 अगस्त को बंद की गई

आरबीआई ने एफसीएनआर-बी जमाओं, विदेशी मुद्रा में विदेशी उधारी (ओएफसीबी) और बाह्य वाणिज्यिक उधारी (ईसीबी) के लिए विशेष अमेरिकी डॉलर-रुपया विदेशी मुद्रा अदला-बदली सुविधा आठ जून, 2026 को शुरू की थी। एफसीएनआर-बी जमाओं के लिए यह योजना 31 अगस्त को बंद कर दी गई।

विदेशी मुद्रा भंडार रखने वाला पांचवां सबसे बड़ा देश

एक परिचर्चा में जैन ने कहा कि भारत विदेशी मुद्रा भंडार रखने वाला दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा देश बन गया है। उन्होंने कहा कि विदेशी मुद्रा भंडार का प्रबंधन सुरक्षा, नकदी और प्रतिफल तीन प्रमुख बातों को ध्यान में रखकर किया जाता है।

भारतीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र में निवेश सात प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली

जनवरी-सितंबर 2026 के दौरान भारतीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र में निवेश सालाना आधार पर सात प्रतिशत बढ़कर 10.3 अरब डॉलर हो गया। हालांकि, निवेश सौदों की संख्या में 38 प्रतिशत की गिरावट आई और निवेश का रुझान बड़े आकार वाले सौदों की तरफ केंद्रित रहा।

आंकड़ा विश्लेषण मंच 'ट्रैक्सन' की रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र में एक साल पहले की समान अवधि में 9.7 अरब डॉलर का निवेश आया था जबकि 2024 की इसी अवधि में 10 अरब डॉलर का निवेश हुआ था। रिपोर्ट के मुताबिक, जनवरी-सितंबर, 2026 में निवेश सौदों की संख्या घटकर 1,134 रह गई, जो एक साल पहले 1,838 थी। इससे संख्या में कम लेकिन बड़े आकार वाले सौदों की ओर निवेश के रुझान का संकेत मिलता है। रिपोर्ट में एक जनवरी से 21 सितंबर तक के शेयर आधारित वित्तपोषण आंकड़ों को शामिल किया गया है। इसके मुताबिक, भारत 10.3 अरब डॉलर के साथ प्रौद्योगिकी क्षेत्र में सबसे अधिक वित्तपोषण पाने के मामले में पांचवें स्थान पर बना रहा। अमेरिका 444 अरब डॉलर के साथ सबसे आगे रहा। इसके बाद चीन 32.5 अरब डॉलर, ब्रिटेन 21.9 अरब डॉलर और सिंगापुर 12.5 अरब डॉलर पर रहे। भारत, जर्मनी के 9.9 अरब डॉलर और फ्रांस के आठ अरब डॉलर से आगे रहा।

■ निवेश इस साल बढ़कर 10.3 अरब डॉलर पर

■ निवेश सौदों की संख्या में 38 प्रतिशत की गिरावट

यूनिकॉर्न बनने वाली कंपनियों की संख्या घटी

पहली बार वित्तपोषण पाने वाली कंपनियों की संख्या 30 प्रतिशत घटकर 338 रह गई। वहीं, 'सूनिकॉर्न' यानी यूनिकॉर्न बनने का संभावना वाली कंपनियों की संख्या 53 प्रतिशत घटकर 76 रह गई। जनवरी-सितंबर की अवधि में 10 करोड़ डॉलर या उससे अधिक के 18 बड़े वित्तपोषण सौदे हुए।

मारुति सुजुकी का मानेसर में पहला हाइड्रोजन संयंत्र शुरू

नई दिल्ली

देश की अग्रणी कार विनिर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने बृहस्पतिवार को हरियाणा के मानेसर स्थित अपने संयंत्र में प्रायोगिक परियोजना के तौर पर स्थापित 300 किलोवाट क्षमता वाले हरित हाइड्रोजन इलेक्ट्रोलाइजर संयंत्र को चालू करने की घोषणा की।

मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ हिसाशी ताकेउची ने इस प्रायोगिक परियोजना के बारे में कहा कि कंपनी विभिन्न स्वच्छ प्रौद्योगिकियों के जरिये विनिर्माण परिचालन में अपने कार्बन उत्सर्जन को मौजूदा 6.15 लाख टन से घटाकर वित्त वर्ष 2030-31 में 2.66 लाख टन करने का लक्ष्य रखती है। कंपनी ने कहा कि इस प्रायोगिक परियोजना से मिली सीख के आधार पर वह हरियाणा और गुजरात स्थित अपने विनिर्माण संयंत्रों में हरित हाइड्रोजन प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल बढ़ाने की योजना बना रही है। ताकेउची ने कहा, ''हमारे 300 किलोवाट के हरित हाइड्रोजन संयंत्र का चालू होना भारत सरकार के हरित हाइड्रोजन मिशन के अनुरूप है।

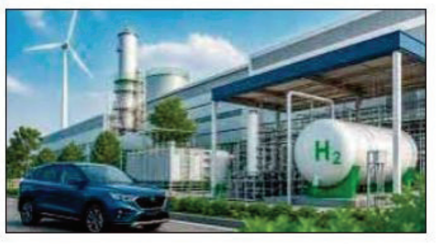

■ कार्बन उत्सर्जन को घटाने में मिलेगी मदद

हम अपनी क्षमताएं विकसित कर रहे

ताकेउची ने कहा, 'ऐसी पहल के जरिये हम आज अपनी क्षमताएं विकसित कर रहे हैं ताकि कल कम कार्बन और अधिक ऊर्जा-कुशल विनिर्माण परिवेश में योगदान दे सकें। मारुति सुजुकी विभिन्न हरित ऊर्जा समाधान को अपनाकर अपने विनिर्माण परिचालन में कार्बन उत्सर्जन कम करने के प्रयासों को आगे बढ़ा रही है।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक देगा यूपीआई की सुविधा

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र के आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसने केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड के लिए प्रत्यक्ष कर संग्रह संबंधी अपनी भुगतान व्यवस्था का एकीकरण पूरा कर लिया है। इससे देशभर के करदाता विभिन्न डिजिटल एवं भौतिक माध्यमों से प्रत्यक्ष कर का भुगतान कर सकेंगे। प्रत्यक्ष कर संग्रह के लिए अधिकृत निजी क्षेत्र के बैंकों में शामिल है और करदाताओं की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए अपने डिजिटल भुगतान ढांचे को मजबूत कर रहा है। करदाता भुगतान के लिए यूपीआई, क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड और आईडीएफसी फर्स्ट बैंक की खुदरा तथा कारोबारी इंटरनेट बैंकिंग सेवाओं का इस्तेमाल कर सकते हैं।

एनएसई शीर्ष दस कंपनियों में शामिल

नई दिल्ली

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का शेयर बृहस्पतिवार को कारोबार के दौरान पांच प्रतिशत से अधिक चढ़ा। एनएसई बाजार मूल्यांकन के लिहाज से शीर्ष 10 मूल्यवान कंपनियों में शामिल हो गया।बीएसई पर एनएसई के शेयर 1,800 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ, जो 1,785 रुपये के निर्गम मूल्य से 0.84 प्रतिशत अधिक है। एनएसई का बाजार मूल्यांकन 4,54,966.88 करोड़ रुपये रहा। शीर्ष 10 मूल्यवान कंपनियों में शामिल हो गया। शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 16,67,750.07 करोड़ रुपये रहा। इसके बाद भारती एयरटेल 11,32,338.92 करोड़ रुपये, एचडीएफसी बैंक 11,26,035.78 करोड़ रुपये, आईसीआईसीआई बैंक 9,57,570.88 करोड़ रुपये, एसबीआई 9,12,415.14 करोड़ रुपये, टीसीएस 7,57,627.53 करोड़ रुपये, बजाज फाइनेंस 6,15,435.85 करोड़ रुपये, लार्सन एंड टुब्रो 5,32,457.60 करोड़ रुपये, एलआईसी 5,13,716.31 करोड़ रुपये और एनएसई 4,54,966.88 करोड़ रुपये के बाजार मूल्यांकन के साथ शामिल हैं।

■ शेयर पांच प्रतिशत से अधिक बढ़कर सूचीबद्ध

नवितास सोलर पांच साल में 10,000 करोड़ करेगी निवेश...

नई दिल्ली। नवितास सोलर ने गुजरात और महाराष्ट्र में एकीकृत नवीकरणीय ऊर्जा तंत्र विकसित करने के लिए अगले पांच साल में 10,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना की बृहस्पतिवार को घोषणा की। कंपनी ने कहा कि प्रस्तावित निवेश से सौर ऊर्जा की पूरी मूल्य श्रृंखला में विस्तार किया जाएगा। इसमें इंगोट, वेफर, उच्च दक्षता वाले सौर सेल और मॉड्यूल के साथ बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) तथा नवीकरणीय बिजली उत्पादन शामिल हैं। विस्तार के तहत नवितास सोलर गुजरात के सिसोदरा में 2.4 गीगावाट क्षमता का सौर सेल विनिर्माण संयंत्र स्थापित कर रही है।

कुछ निजी तेल कंपनियों ने अपने पंपों पर डीजल की बिक्री सीमित कर दी

पेट्रोल पंपों पर डीजल की नई लिमिट तय, 50 लीटर से ज्यादा डीजल नहीं

नई दिल्ली

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और ईंधन संकट के कारण एक बार फिर तेल कंपनियां अपने पंपों पर बिक्री सीमित करने लगी हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, कुछ निजी ईंधन कंपनियों ने अपने पंपों पर डीजल की बिक्री सीमित कर दी है।

■ वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें व ईंधन संकट है प्रमुख कारण

रिपोर्ट में कहा गया है कि कुछ जियो-बीपी पेट्रोल पंपों पर एक ग्राहक को अधिकतम 50 लीटर डीजल बेचने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं, कुछ आउटलेट्स पर एक दिन में कुल डीजल बिक्री की सीमा 6,000 लीटर तक तय किए जाने की भी खबर है। इसके अलावा, नायरा एनर्जी के कुछ पेट्रोल पंपों पर एक ग्राहक को एक बार में 70 से 200 लीटर तक डीजल देने की सीमा बताई गई है।

सरकारी पंपों पर फिलहाल कोई सीमा नहीं

हालांकि, यह पाबंदी पूरे देश में लागू नहीं है। सरकारी तेल कंपनियां- इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम का कहना है कि वे अपने आउटलेट्स पर बिना किसी ऐसी लिमिट के फ्यूल बेचना जारी रखे हुए हैं। कहने का मतलब है कि लिमिट तय किए जाने का असर सीमित है क्योंकि सरकारी तेल कंपनियां भारत के एक लाख से ज्यादा फ्यूल स्टेशनों में से लगभग 90 प्रतिशत का संचालन करती हैं।

किसकी बढ़ेगी परेशानी?

डीजल की बिक्री पर सीमित पाबंदी का असर सबसे ज्यादा लंबी दूरी के ट्रकों और दूसरे कमर्शियल वाहनों पर पड़ सकता है। दरअसल, दूरदराज के इलाकों में कई बार ऐसा होता है कि पेट्रोल पंप कम हैं लेकिन उन्हीं इलाकों में जाने वाले ट्रक एक बार में ज्यादा मात्रा में डीजल भरवाते हैं। इसकी वजह पेट्रोल पंपों पर भीड़ कम होना होता है। अगर ऐसे पंपों पर बिक्री की सीमा बनी रहती है तो ट्रांसपोर्ट ऑपरेटरों को रास्ते में कई जगह रुककर ईंधन भरवाना पड़ सकता है। हालांकि, अभी इसे देशव्यापी डीजल संकट नहीं माना जा रहा है।

कच्चे तेल की लागत में भारी बढ़ोतरी

ये नई पाबंदियां ऐसे समय में आई हैं जब तेल कंपनियों को कच्चे तेल की लागत में भारी बढ़ोतरी का सामना करना पड़ रहा है। रेटिंग एजेंसी इक्रा के मुताबिक सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों को कच्चे तेल की कीमतों में तेज बढ़ोतरी के बीच घरेलू ईंधन कीमतों में बदलाव नहीं होने से पेट्रोल और डीजल की बिक्री पर बढ़ते नुकसान का सामना करना पड़ रहा है।

पेट्रोलियम कंपनियों को रोजाना 530 करोड़ रुपए का नुकसान

इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड को पेट्रोल की बिक्री पर करीब आठ रुपए प्रति लीटर और डीजल पर नौ रुपए प्रति लीटर का नुकसान हो रहा है। इक्रा के मुताबिक इन स्तर पर पेट्रोलियम कंपनियों को रोजाना करीब 530 करोड़ रुपए का नुकसान होने का अनुमान है।

अमेजन रिटेल का घाटा बढ़कर 1,158.3 करोड़

नई दिल्ली। ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन रिटेल का शुद्ध घाटा वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़कर 1,158.3 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी के वित्तीय दस्तावेजों के आधार पर यह जानकारी दी। अमेजन नाउ और अमेजन फ्रेश का संचालन करने वाली अमेजन रिटेल को वित्त वर्ष 2024-25 में 394.2 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था। दस्तावेजों के अनुसार, घाटे में बढ़ोतरी मुख्य रूप से माल की लागत में वृद्धि के कारण हुई। वित्त वर्ष 2025-26 में माल की लागत 64 प्रतिशत बढ़कर 2,887.9 करोड़ रुपये हो गई।

कमलजीत-सुरुचि की जोड़ी ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम में जीता गोल्ड

नागोया, एजेंसी। भारतीय निशानेबाज कमलजीत और सुरुचि सिंह ने व्यक्तिगत स्पर्धाओं में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद जोरदार वापसी करते हुए एशियाई खेलों की 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में हुए स्वर्ण पदक जीता।

कमलजीत और सुरुचि ने फाइनल में कुल 484.6 अंक हासिल किए। दक्षिण कोरिया की सुह्योन होंग और गाउन चू की जोड़ी 478.0 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रही, जबकि ईरान ने 415.8 अंक के साथ कांस्य पदक जीता। भारतीय जोड़ी ने रजत पदक विजेता जोड़ी से 6.6 अंक की बढ़त बनाई। इससे पहले कमलजीत और सुरुचि ने क्वालीफिकेशन में शीर्ष स्थान हासिल कर फाइनल में प्रवेश किया था।

उन्होंने पहली सीरीज में 196 अंक, दूसरी में 195 और तीसरी में 196 अंक जुटाकर कुल 587 अंक हासिल किए, जिसमें 29 इनर-10 शामिल थे। यह 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धाओं में भारत का पदक जीतने का आखिरी मौका था। कमलजीत व्यक्तिगत क्वालीफिकेशन में नौवें और सुरुचि 26वें स्थान पर रही थीं और दोनों व्यक्तिगत फाइनल में जगह नहीं बना सकी थीं।

भारत पुरुष और महिला टीम स्पर्धाओं में भी पदक से चूक गया था। फाइनल में भारतीय जोड़ी ने शुरुआत से ही बढ़त बनाए रखी। पहले 10 शॉट के बाद वे 202.4 अंक के साथ शीर्ष पर थीं। सुरुचि ने पहली कोशिश में 10.4 और कमलजीत ने 9.7 अंक हासिल किए, जबकि दूसरी कोशिश में सुरुचि ने 10.2 और कमलजीत ने 9.8 अंक जुटाए। इसके बाद 101.3 अंक की अगली सीरीज के साथ भी भारतीय जोड़ी ने अपनी बढ़त बरकरार रखी।

कमलजीत: इंजरी के बाद एथलेटिक्स छोड़ना पड़ा, शूटिंग में करियर बनाया

कमलजीत हरियाणा के रेवाड़ी के सुलखा गांव के हैं। कमलजीत एथलेटिक्स में हिस्सा लेते थे। लेकिन, वे 2019 में चोट के कारण उन्हें एथलेटिक्स छोड़ना पड़ा। ऐसे में उन्होंने शूटिंग में करियर बनाया।स्ट्रगल के दौरान कमलजीत के मन में कई बार शूटिंग छोड़ने का विचार आया, लेकिन माता-पिता ने लगातार उनका साथ दिया। 2-3 साल की मेहनत के बाद उन्होंने खुद को एक अच्छे शूटर के रूप में स्थापित किया।

सुरुचि: पहलवान की जगह शूटर बन गई

सुरुचि इंदर सिंह हरियाणा के झज्जर की 20 साल की शूटर हैं। उन्होंने 13 साल की उम्र में शूटिंग की शुरुआत की। वे भिवानी की गुरु द्रोणाचार्य शूटिंग एकेडमी में कोच सुरेश सिंह से ट्रेनिंग लेती हैं। उन्हें परिवार पहलवान बनाना चाहता था।

50 मीटर राइफल 3पी टीम सिल्वर के बाद ऐश्वर्य, नीरज व्यक्तिगत मेडल से चूके

नागोया। भारतीय राइफल शूटर ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर और नीरज कुमार शुक्रवार को यहां ऐची प्रीफ. जनरल शूटिंग गैलरी में पुरुषों के 50 मीटर 3-पोजीशन इवेंट के फाइनल में मेडल से चूक गए। वे क्रमश: पांचवें और आठवें स्थान पर रहे। ऐश्वर्य 327.6 के साथ पांचवें स्थान पर रहे, जबकि नीरज 299.0 के साथ आठवें स्थान पर रहे। चीन के युकुन लियू ने 360.5 के गेम्स-रिकॉर्ड स्कोर के साथ गोल्ड जीता, जबकि झांग चांगहोंग ने 360.2 के साथ सिल्वर जीता। इस्लाम सतपायेव ने 348.3 के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता। ऐश्वर्य शुरुआती स्टेज में रेस में बने रहे, प्रोन सीरीज के बाद छठे स्थान पर रहे, फिर दूसरी नीलिंग सीरीज के बाद 205.3 के साथ पांचवें स्थान पर पहुंचे और आखिर में ओवरऑल पांचवें स्थान पर रहे। नीरज का फाइनल ज्यादा मुश्किल साबित हुआ और वह 299 के स्कोर के साथ आठ फाइनलिस्ट में सबसे आखिर में रहे। ऐश्वर्य हांगझोऊ में हुए पिछले एशियन गेम्स में भारत के सबसे सफल शूटर्स में से एक थे। उन्होंने चार पदक जीते थे। उन्होंने पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल और 50 मीटर राइफल 3-पोजीशन टीम इवेंट्स में गोल्ड और 10 मीटर एयर राइफल में व्यक्तिगत ब्रॉन्ज और 50 मीटर राइफल 3-पोजीशन में सिल्वर मेडल जीता था।इससे पहले, ऐश्वर्य, नीरज और रुद्राक्ष की तिकड़ी ने पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3-पोजीशन टीम फाइनल में सिल्वर मेडल जीता, जिसमें उन्होंने कुल 1762-94× का स्कोर करके दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि चीन (1766-95×) ने गोल्ड और साउथ कोरिया (1751-87×) ने ब्रॉन्ज मेडल जीता।

पहला वनडे...

अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को दी करारी शिकस्त, 67 रन से हराया

डरबन। साउथ अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ किंग्समीड में खेले गए वनडे सीरीज के पहले मैच को 67 रन से अपने नाम किया। इसी के साथ मेजबान टीम ने तीन मुकाबलों की सीरीज में 1-0 से बढ़त हासिल कर ली है। गुरुवार को टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी साउथ अफ्रीकी टीम ने 50 ओवरों के खेल में 8 विकेट खोकर 297 रन बनाए। इस टीम ने 29 के स्कोर तक अपने 2 विकेट गंवा दिए थे, जिसके बाद मैथ्यू ब्रीत्जके ने कप्तान टेंबा बावुमा के साथ तीसरे विकेट के लिए 54 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभाला। बावुमा 48 गेंदों में 4 चौकों के साथ 30 रन बनाकर

आउट हुए, जिसके बाद ब्रीत्जके ने रयान रिकेल्टन के साथ चौथ विकेट के लिए 42 रन और डेविड मिलर के साथ पांचवें विकेट के लिए 43 रन जोड़कर टीम को 168 के स्कोर तक पहुंचा दिया।

रिकेल्टन 27 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जबकि मिलर ने टीम के खाते में सिर्फ 9 रन जुटाए। इसके बाद ब्रीत्जके ने मार्को जानसेन के साथ छठे विकेट के लिए 81 गेंदों में 107 रन की साझेदारी की। ब्रीत्जके 14 चौकों और 2 छक्कों के साथ 112 रन बनाकर आउट हुए, जबकि जानसेन ने 59 गेंदों में 75 रन कूटे। उनकी इस पारी में 4 छक्के और 7 चौके शामिल रहे। विपक्षी खेमे से नाथन एलिस ने सर्वाधिक 3 विकेट हासिल किए, जबकि एडम जांपा को 2 विकेट हाथ लगे। इनके अलावा, जोश हेजलवुड ने 1 विकेट अपने नाम किया। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलियाई टीम 41.2 ओवरों में 230 के स्कोर पर सिमट गई। कप्तान मिचेल मार्श ने ट्रेविस हेड के साथ मिलकर मेबमानों को मजबूत शुरुआत दिलाई। इस सलामी जोड़ी ने 9.2 ओवरों में 90 रन की साझेदारी की। मार्श 36 गेंदों में 6 छक्कों और 5 चौकों के साथ 60 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद ट्रेविस हेड ने कूपर कोनोली के साथ दूसरे विकेट के लिए 39 रन जोड़े। हेड 36 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जबकि कोनोली ने 38 रन का योगदान टीम का खाते में दिया।टीम को 134 के स्कोर पर तीसरा झटका भी लग गया था, जिसके बाद मैट रेनशॉ ने छोटी-छोटी साझेदारियां करते हुए ऑस्ट्रेलिया को किसी तरह 200 के पार पहुंचाया। रेनशॉ 49 गेंदों में 6 चौकों के साथ 44 रन बनाकर पवेलियन लौटे। विपक्षी खेमे से केशव महाराज ने 20 रन देकर सर्वाधिक 4 विकेट हासिल किए, जबकि कार्बिन बॉश और ब्योर्न फोर्टुइन को 2-2 विकेट हाथ लगे।दोनों देशों के बीच वनडे सीरीज के शेष मुकाबले 27 और 30 सितंबर को खेले जाने हैं।

सात्विक-चिराग उलटफेर का हुए शिकार एशियाड में नहीं कर सके स्वर्ण का बचाव

नागोया, एजेंसी। गत चैंपियन सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी शुक्रवार को एशियन गेम्स 2026 में पुरुष डबल्स बैडमिंटन इवेंट के पहले ही राउंड में थाईलैंड के पीराचाई सुखफुन और पक्कापोन तीरात्सकुल से हारकर बाहर हो गए। दुनिया की नंबर 5 भारतीय जोड़ी इचिनोमिया सिटी म्युनिसिपल जिम्नेजियम में दुनिया की नंबर 36 थाई जोड़ी से 21-12, 19-21 और 14-21 से हार गई, जिससे उनका स्वर्ण बचाने का अभियान निराशाजनक तरीके से खत्म हो गया।

पिछड़ते चले गए सात्विक-चिराग

पिछले महीने चाइना मास्टर्स का खिताब जीतने के बाद सात्विक और चिराग सकारात्मक लय के साथ एशियन गेम्स में उतरे थे। उन्होंने एक गेम से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए चीन के ही जिटिंग और रेन शियांग्यू को 70 मिनट के फाइनल में 11-21, 21-13 और 21-17 से हराया। सात्विक और चिराग थाई जोड़ी के खिलाफ शुरुआत में पूरे नियंत्रण में दिखे और पहला गेम 21-12 से जीत लिया। लेकिन सुखफुन और तीरात्साकुल ने धीरे-धीरे अपनी लय पकड़ ली और दूसरे गेम में भारतीयों को और मेहनत करने पर मजबूर कर दिया।

थाई जोड़ी ने 17-13 से चार प्वाइंट की बढ़त बना ली थी, जिसके बाद सात्विक और चिराग ने वापसी करते हुए अंतर को 18-19 कर दिया। हालांकि, यह वापसी कमजोर रही क्योंकि थाई जोड़ी ने निर्णायक गेम के लिए मजबूर कर दिया। सुखफुन और तीरात्साकुल ने तीसरे गेम में भी अपना मोमेंटम बनाए रखा और जल्दी ही नियंत्रण बना लिया। सात्विक और चिराग को जवाब देने में मुश्किल हुई, जबकि थाई जोड़ी ने निर्णायक गेम में 21-14 से यादगार जीत हासिल की। यह हार सात्विक और चिराग के पुरुष टीम इवेंट में भारत के कांस्य पदक जीतने में अहम भूमिका निभाने के कुछ ही दिनों बाद हुई है।

तनिशा-ध्रुव क्वार्टर फाइनल में

मिश्रित युगल में तनिशा क्रास्टो और ध्रुव कपिला ने लगातार दो जीत दर्ज कर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। तनिशा और ध्रुव ने पहले दौर में मालदीव की निबाल अहमद और अमिनाथ नबीहा अब्दुल रज्जाक को 21-8, 21-7 से हराया। इसके बाद उन्होंने मलयेशिया की शेवन जेनी लाई और सून हुआट गोह की जोड़ी को एक घंटे चले कड़े मुकाबले में 22-20, 24-22 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। क्वार्टर फाइनल में उनका सामना चीन की यान झे फेंग और डोंगपिंग हुआंग की जोड़ी से होगा। इससे पहले महिला एकल में उन्नति हुड्डा ने भी दूसरे दौर में प्रवेश किया। उन्होंने उत्तर कोरिया की मी सोंग यू को 30 मिनट में 21-9, 21-10 से हराया।

2 एथलीट्स पर पैसों की बारिश; सीएम ने किया 50 लाख देने का एलान

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय ने एशियन गेम्स 2026 में मिक्स्ड 4 गुणा 400 मीटर रील में रजत पदक जीतने वाली टीम के दो एथलीट्स के लिए इनाम की घोषणा की है। गुरुवार को भारतीय टीम ने ऐतिहासिक रजत था। इस टीम में तमिलनाडु के थो एथलीट्स विथ्या रामराज और विशाल टी के के अलावा टीएस मनु और एमआर पोवम्मा शामिल थे। सीएम विजय ने विथ्या और विशाल को 50-50 लाख रुपये इनाम के तौर पर देने की घोषणा की है। इससे पहले सीएम विजय ने एशियन गेम्स में स्वर्ण जीतने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम की खिलाड़ी जी कमालिनी को 75 लाख रुपये देने की घोषणा की थी। विजय ने फाइनल में श्रीलंका पर भारत की 147 रन की जीत के बाद तमिलनाडु की रहने वाली कमालिनी को बधाई दी थी। ताजा घोषणा के साथ, एशियन गेम्स में पदक जीतने वाली भारतीय टीमों का हिस्सा रहे तमिलनाडु के दो अलग-अलग एथलीट समूहों को अब राज्य सरकार की ओर से नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

बड़ा उलटफेर: अफगानिस्तान को नेपाल ने 5 विकेट से हराया

द्वनिशिन। एशियन गेम्स 2026 में शुक्रवार को कोरोगी स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए ग्रुप ए के मुकाबले में नेपाल क्रिकेट टीम ने अफगानिस्तान को 5 विकेट से हरा दिया है। अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। टीम की शुरुआत खराब रही और टॉप-3 बल्लेबाज बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। पारी की शुरुआत करने आए मोहम्मद अकरम 2 रन और हसन ईसाखिल बिना खाता खोले आउट हो गए। करीम जन्नत 9 रन बनाकर आउट हो गए। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए फैसल शिलोजादा और पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए नजबुल्ला जादरान ने टीम को संभाला। दोनों ने 30-30 रन की पारी खेली और टीम को 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 102 रन तक पहुंचाने में अहम

भूमिका निभाई। आठवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए नांगेयालिया खरोटी ने भी नाबाद 17 रन बनाए। नेपाल की तरफ से ललित राजवंशी ने 3 और कुशाल भुर्टेल ने 4 विकेट लिए। 103 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी नेपाल की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। टीम ने 12 के स्कोर पर 2 और 31 के स्कोर पर 3 विकेट गंवा दिए थे।

सेमीफाइनल में पहुंची भारतीय महिला हॉकी टीम

एशियन गेम्स: मेजबान जापान को 3-1 से हराया

नागोया। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय महिला हॉकी टीम ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए सेमीफाइनल में जगह बना ली है। पूल बी के मैच में मेजबान जापान को 3-1 से हराकर भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में जगह बनाई। भारतीय टीम ने हाफ टाइम तक 2-0 की बढ़त बना ली थी। पहले क्वार्टर में लालरेम्सियामी ने ओपन प्ले से गोल करके स्कोरिंग की शुरुआत की, जिसके बाद दूसरे क्वार्टर के आखिर में इशिका ने गोल किया। पहले हाफ में जापान भारत के ज्यादातर अटैक को रोकने में कामयाब रहा, लेकिन भारत ने स्ट्राइकिंग सर्कल के अंदर मिले मौकों का फायदा उठाकर नियंत्रण बनाए रखा। तीसरे क्वार्टर में, भारत ने अपनी बढ़त 3-0 कर ली, जब नवनीत कौर ने सर्कल के अंदर बॉल ली,

दाईं ओर मुड़ीं और जापानी गोलकीपर के ऊपर से उसे दूर कोने में डाल दिया। चौथे क्वार्टर की शुरुआत में जापान की कोबायाकावा शिहो ने टीम के लिए एकमात्र गोल किया। भारत ने अपनी बढ़त बनाए रखते हुए 3-1 से जीत हासिल की। भारतीय टीम की यह लगातार चौथी जीत थी। हॉकी के अलावा शुक्रवार का दिन भारत के लिए शूटिंग की वजह से भी अच्छा रहा। भारत को शूटिंग में एक गोल्ड और एक रजत पदक मिले हैं। भारत के लिए सुरुचि इंदर सिंह और कमलजीत ने एशियन गेम्स में 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम इवेंट में रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल जीता। दोनों ने मिलकर फाइनल में 484.6 का एशियाई रिकॉर्ड स्कोर बनाया। भारतीय जोड़ी ने दबाव वाले फाइनल में हिम्मत नहीं हारी और सटीकता के साथ लगातार बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए स्टैंडिंग में टॉप पर रही। दक्षिण कोरिया के सुहयोन होंग और गेउन चू ने 478.0 के स्कोर के साथ सिल्वर मेडल जीता, जबकि ईरान के वाहिद गोलखंडन और हानियेह रोस्तमियान ने 415.8 के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता।

थाईलैंड पर भारत की शानदार जीत, फाइनल में जगह बनाई

तोकाई। भारतीय पुरुष कबड्डी टीम ने शुक्रवार को तोकाई सिटीजन जिमनैजियम में सेमीफाइनल में थाईलैंड को 66-28 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। आठ बार की विजेता और डिफेंडिंग चैंपियन भारतीय टीम पुरुषों की स्पर्धा के नौवें फाइनल में पहुंच गई है और अपने 2023 के टाइटल को बचाने की कोशिश करेगी। भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में दोनों हाफ में शानदार प्रदर्शन करते हुए थाईलैंड को 66-28 से हरा दिया। भारत ने पहले हाफ में 37 पॉइंट्स लिए, जबकि थाईलैंड सिर्फ 18 पॉइंट्स ही बना पाया। दूसरा हाफ भी भारतीय टीम के लिए अच्छा रहा, क्योंकि उसने 29 पॉइंट्स लिए, जबकि थाईलैंड ने 10 पॉइंट्स लिए।

भारतीय टीम ने पहले हाफ में 21 आउट लिए, जबकि उसने थाईलैंड के डिफेंस में भी गहरी पैठ बनाकर 12 बोनस पॉइंट्स लिए और दो ऑल आउट किए। उसके अपोनेंट्स ने पहले हाफ के शुरुआती हिस्से में उसे कड़ी टक्कर दी और 13 आउट, तीन बोनस पॉइंट्स हासिल करने में कामयाब रहे तथा एक ऑल आउट भी किया। वहीं, दूसरे हाफ में भारत ने 22 और आउट लिए और तीन बोनस पॉइंट्स हासिल किए, साथ ही दो ऑल आउट भी किए, जबकि थाईलैंड ने सात आउट पॉइंट्स, दो बोनस पॉइंट्स हासिल किए और एक टेक्निकल पॉइंट भी लिया।

भारतीय टीम टूर्नामेंट में अजेय रही है। फाइनल में टीम इंडिया का सामना ईरान या चीनी ताइपे से होगा।

इससे पहले, भारतीय महिला कबड्डी टीम ने भी नेपाल पर 48-24 से जीत दर्ज कर फाइनल में जगह बनाई। भारतीय टीम ने पूरे मैच में अपना दबदबा बनाया था। टीम ने पहले हाफ में 31 पॉइंट्स हासिल किए और ब्रेक तक 31-17 की मजबूत लीड ले ली। फिर भारत ने दूसरे हाफ में 17 पॉइंट्स हासिल किए, जबकि नेपाल को सिर्फ सात पॉइंट्स मिले। भारतीय टीम रेडिंग और डिफेंस दोनों में बेहतर थी। पहले हाफ में टीम इंडिया ने 23 आउट पॉइंट्स, चार बोनस पॉइंट्स लिए और दो ऑल आउट किए। दूसरी तरफ, नेपाल को 13 आउट पॉइंट्स और तीन बोनस पॉइंट्स मिले तथा उसने एक सुपर टैकल किया।

दूसरे हाफ में भारत ने 12 आउट पॉइंट्स और तीन बोनस पॉइंट्स लिए तथा एक ऑल आउट किया, जबकि नेपाल आखिरी 15 मिनट में सिर्फ पांच आउट पॉइंट्स और दो बोनस पॉइंट्स ही कर पाया। महिला कबड्डी टीम का फाइनल मुकाबला भी शनिवार को चीनी ताइपे या फिर ईरान से होगा।

एनसीबी चीफ ने राज्यों से ड्रग्स तस्करी नेटवर्क को खत्म करने के लिए तीन साल का रोडमैप तैयार करने को कहा

नई दिल्ली, एजेंसी। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के महानिदेशक अनुराग गर्ग ने गुरुवार को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से ड्रग्स की तस्करी से निपटने के लिए अपने स्वयं के तीन साल के रोडमैप तैयार करने का आग्रह किया, जो नारकोटिक्स कंट्रोल पर राष्ट्रीय विजन दस्तावेज (2026-29) के अनुरूप है. उन्होंने संगठित ड्रग्स तस्करी गिरोह को खत्म करने के लिए जब्ती-केंद्रित प्रवर्तन से नेटवर्क-केंद्रित दृष्टिकोण में बड़े बदलाव की भी मांग की. नई दिल्ली में एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रमुखों के तीसरे नेशनल कॉन्फ्रेंस के आखिरी सेशन में गर्ग ने राज्य स्तरीय एंटी-नारकोटिक्स एजेंसियों से कहा कि वे अगले तीन सालों में ड्रग्स को कंट्रोल करने की चुनौती का सामना करने के लिए पूरी लगन और ईमानदारी के साथ काम करें. एनसीबी ने 'यूनाइटेड रिजॉल्व, शेयर्ड रिस्पॉन्सिबिलिटी' थीम पर दो दिन का कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया था जो बुधवार को खत्म हुआ. सभी 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स हेड्स के साथ-साथ केंद्र सरकार के अलग-अलग डिपार्टमेंट्स और एजेंसियों के प्रतिनिधियों ने बातचीत में हिस्सा लिया. एनसीबी चीफ ने कहा कि अलग-अलग राज्यों द्वारा तैयार किए गए रोडमैप में उनकी खास ड्रग्स-ट्रैफिकिंग चुनौतियों और जरूरतों को ध्यान में रखना चाहिए और साथ ही विजन डॉक्यूमेंट के तहत राष्ट्रीय लक्ष्य के साथ भी तालमेल रखना चाहिए.

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एनफोर्समेंट एजेंसियों को सिर्फ जब्त किए गए नारकोटिक्स की मात्रा के आधार पर परफॉर्मेंस मापने से आगे बढ़कर ट्रैफिकिंग के लिए जिम्मेदार नेटवर्क की पहचान करने, उनका पता लगाने और उन्हें खत्म करने पर ध्यान देना चाहिए. डीजी ने कहा, 'अब जब्ती पर ध्यान देने वाले तरीके से नेटवर्क पर ध्यान देने वाले तरीके की ओर बढ़ने का समय आ गया है,' उन्होंने ट्रांसनेशनल, इंटरस्टेट और इंट्रास्टेट ड्रग-ट्रैफिकिंग नेटवर्क की पहचान करने और उन्हें खत्म करने के लिए मिलकर कोशिश करने की जरूरत पर जोर दिया.

उन्होंने जानकारी कोऑर्डिनेशन और सहयोग को बेहतर ढंग से शेयर करने के लिए एनफोर्समेंट और इंटेलिजेंस एजेंसियों के बीच मजबूत नेटवर्क बनाने के महत्व पर भी जोर दिया. उन्होंने कहा कि ऐसा कोऑर्डिनेशन, अलग-अलग ड्रग्स जब्ती के पीछे काम कर रहे बड़े नेटवर्क का पता लगाने और उनके ऑर्गनाइजर और फाइनेंसर को टारगेट करने के लिए बहुत जरूरी होगा. कॉन्फ्रेंस में हुई बातचीत में स्टेट एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स को मजबूत करने, नार्को समन्वय केंद्र और जॉइंट कोऑर्डिनेशन कमेटी की मीटिंग्स को ज्यादा नतीजे देने वाला बनाने, ड्रग नेटवर्क की फाइनेंशियल प्रोफाइलिंग, पीआईटीएनडीपीएस एक्ट का असरदार इस्तेमाल और किंगपिन और ऑर्गनाइज्ड ट्रैफिकिंग नेटवर्क पर खास मुकदमा चलाने पर खास ध्यान दिया गया. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जिन्होंने मंगलवार को कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन किया, ने 31 दिसंबर, 2029 तक भारत से ड्रग्स के व्यापार को खत्म करने का एक बड़ा नेशनल टारगेट तय किया था, और इस मकसद को देश के विकास के लक्ष्यों और आने वाली पीढ़ियों की सुरक्षा की जरूरत से जोड़ा. कॉन्फ्रेंस में यूजीसी के नशा मुक्त कैंपस फ्रेमवर्क, एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन के आस-पास 500 मीटर के ड्रग-फ्री जोन बनाने और नशा मुक्त भारत अभियान को बढ़ाने सहित डिमांड में कमी, रोकथाम और रिहैबिलिटेशन पर भी बात हुई.

कैप्टन अमरिंदर सिंह ने तोड़ी चुप्पी, विस चुनाव से पहले ऐलान, न कांग्रेस में लौटूंगा, न सीएम की दौड़ में हूं

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने लंबे समय बाद अपनी चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने कांग्रेस में लौटने की संभावना से साफ इन्कार किया है। वहीं उन्होंने ये भी साफ किया कि भाजपा में रहकर उन्हें कुछ हासिल नहीं हुआ है और वह खुद को मुख्यमंत्री की दौड़ से बाहर मानते हैं। कैप्टन अमरिंदर का यह बयान विधानसभा चुनाव से ठीक पहले आया है। कैप्टन अमरिंदर सिंह 2021 में नवजोत सिद्धू से विवादों के चलते कांग्रेस से अलग हो गए थे। उनके बाद चरणजीत सिंह चन्नी को मुख्यमंत्री बनाया था। कांग्रेस छोड़ने के बाद उन्होंने अपनी एक नई पार्टी बनाई थी। बाद में उन्होंने अपनी पार्टी का भाजपा में विलय कर दिया था। अब उन्होंने स्पष्ट किया है कि उनकी कांग्रेस में जाने की कोई योजना नहीं है। हालांकि, भाजपा में अपने भविष्य को लेकर उन्होंने निराशा व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि भाजपा में उन्हें कोई महत्वपूर्ण भूमिका नहीं मिली है। अमरिंदर सिंह ने खुद को मुख्यमंत्री पद की दौड़ से बाहर बताया है। उन्होंने कांग्रेस में वापसी की अटकलों को भी सिरे से खारिज कर दिया है। यह बयान आगामी विधानसभा चुनावों से पहले राजनीतिक गलियारों में हलचल पैदा कर सकता है।

पंजाब में पराली जलाने की 27 घटनाएं, 10 की पुष्टि; 35 हजार का जुर्माना

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब में पराली जलाने की घटनाओं पर नियंत्रण की कवायद के बीच पंजाब पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड (पीपीसीबी) ने अपनी एक्शन टेकन रिपोर्ट (एटीआर) जारी की है। 24 सितंबर तक के आंकड़ों के अनुसार पूरे राज्य में कुल 27 पराली जलाने की घटनाएं दर्ज की गई हैं, जिनमें से 10 खेतों में मौके पर निरीक्षण के बाद इसकी पुष्टि भी हुई है। ये आंकड़े इसरो के मानक प्रोटोकॉल के तहत सैटेलाइट निगरानी पर आधारित हैं। रिपोर्ट के मुताबिक पीपीसीबी ने कुल 21 खेतों का निरीक्षण किया और 10 स्थानों पर पराली जलाने की पुष्टि हुई। इन मामलों में कुल 7 जगह पर्यावरण मुआवजा (ईसी) लगाया गया, जिससे 35,000 रुपए का जुर्माना लगाया गया। हालांकि, इसमें से अब तक केवल 10,000 रुपए ही वसूले जा सके हैं। जिलेवार आंकड़ों में अमृतसर में सर्वाधिक 13 घटनाएं दर्ज हुईं, जिनमें से 4 की पुष्टि हुई और 5,000 रुपए का जुर्माना लगाकर वसूल भी लिया गया। फिरोजपुर में 4 मामलों में से 3 की पुष्टि हुई, जहां 15,000 रुपए का जुर्माना लगा, जिसमें से 5,000 रुपए वसूले गए। यहां तीन फार्म रिकॉर्ड में रेड एंट्री और चार वार्निंग नोटिस भी जारी किए गए। पटियाला में एक मामला सामने आया जिसकी पुष्टि हुई और 5,000 रुपए का पर्यावरण मुआवजा लगाया गया। चौंकाने वाली बात यह है कि इस मामले में वसूली गई राशि शून्य है और न ही कोई एफआईआर दर्ज हुई है या अधिकारियों पर कोई कार्रवाई की गई है। तरनतारन में 5 में से 1, होशियारपुर में दर्ज एकमात्र मामले में पुष्टि हुई। गुरदासपुर, शहीद भगत सिंह नगर में भी मामले दर्ज हुए हैं। जबकि बरनाला, बठिंडा, फरीदकोट सहित कई जिलों में इस अवधि में पराली जलाने का कोई मामला दर्ज नहीं हुआ है।

कतर्नियाघाट में तेंदुए ने ली महिला की जान; ग्रामीणों में दहशत

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले के कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग में तेंदुए के हमले में एक महिला की दर्दनाक मौत हो गई। यह हृदयविदारक घटना उस समय हुई जब महिला अपने घर के पीछे बाड़ी में सब्जी तोड़ने गई थी, तभी घात लगाए तेंदुए ने उस पर हमला कर दिया। इस दुखद घटना के बाद इलाके के ग्रामीणों में भारी दहशत और आक्रोश का माहौल व्याप्त है। प्रभागीय वनाधिकारी (डीएफओ) ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि महिला अपने घर के पीछे सब्जी तोड़ रही थी, उसी दौरान तेंदुए ने अचानक हमला कर दिया, जिससे उसकी जान चली गई। उन्होंने स्पष्ट किया कि वन विभाग क्षेत्र में ऐसी अप्रिय घटनाओं को रोकने के लिए पिछले दो-तीन दिनों से गांव-गांव में जन-जागरूकता गोष्ठियां आयोजित कर लोगों को सतर्क रहने की सलाह दे रहा था। साथ ही, वन्यजीवों की निगरानी और ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए प्रभावित क्षेत्र में प्रशिक्षित हाथियों के जरिए लगातार तीन दिनों से गश्त भी कराई जा रही थी। डीएफओ ने बताया कि घटना के बाद वन विभाग की टीमों को और अधिक सतर्क कर दिया गया है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की है कि वे जंगल या झाड़ियों वाले इलाकों के आसपास अकेले न जाएं और सावधानी बरतें ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

काशी में एयर शो से पहले घाटों पर सफाई युद्धस्तर पर

वाराणसी (एजेंसी)। गंगा नदी का जलस्तर चेतावनी के निशान से नीचे आने के बाद अब काशी के घाटों को साफ-सुथरा बनाने का काम युद्धस्तर पर जारी है। आगामी 22, 23 और 25 अक्टूबर को नमो घाट पर प्रस्तावित भव्य एयर शो के मद्देनजर वाराणसी नगर निगम ने कमर कस ली है। बाढ़ का पानी उतरने से पक्के घाटों की सीढ़ियों और तटवर्ती इलाकों में भारी मात्रा में सिल्ट व कीचड़ जमा हो गई थी। इसे हटाने के लिए निगम के स्वच्छता अमले ने नमो घाट सहित सभी प्रमुख घाटों पर विशेष अभियान छेड़ दिया है। पानी की बौछार से सीढ़ियों को धोने और गाद हटाने का काम तेजी से चल रहा है। अतिरिक्त सफाई कर्मियों और जेटिंग मशीनों की मदद से घाटों को पूरी तरह स्वच्छ, सुगम और सुरक्षित बनाया जा रहा है, ताकि एयर शो देखने आने वाले शहरवासियों और पर्यटकों को कोई असुविधा न हो।

मध्य प्रदेश में मिले 70 फर्जी पासपोर्ट, एसटीएफ ने 6 संदिग्धों को किया गिरफ्तार

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश एसटीएफ ने संगठित फर्जी पासपोर्ट रैकेट की जांच में करीब 70 फर्जी पासपोर्ट का पता लगाया है। ये पासपोर्ट राज्य में अलग-अलग पतों का इस्तेमाल करके बनवाए गए थे। अब जांच में बड़े नेटवर्क और अधिकारियों की मिलीभगत की भूमिका की भी जांच की जा रही है। एसटीएफ के डीआईजी ने शुक्रवार को बताया कि अब तक छह संदिग्धों को गिरफ्तार किया है और फर्जी पासपोर्ट बनाने और हासिल करने के पीछे पूरे नेटवर्क का पता लगाने की जांच जारी है। डीआईजी ने कहा कि यह एक बहुस्तरीय मामला है और जांच अभी चल रही है। अब तक छह संदिग्धों को गिरफ्तार किया है, जिसमें दो दिन पहले की गई ताजा गिरफ्तारी भी शामिल है। 23 सितंबर को ग्यासुद्दीन गौतम को गिरफ्तार किया था। इससे पहले 25 अगस्त से 18 सितंबर के बीच रियाल चौधरी उर्फ भंते मेतानंद, विप्लव अधिकारी, प्रियन रॉय, जॉय चौधरी और नसीम अख्तर को गिरफ्तार किया था।

बृजभूषण की मुश्किलें बढ़ीं: पहलवानों ने यौन उत्पीड़न मामले में बरी करने के फैसले को चुनौती दी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह की मुश्किलें फिर बढ़ीं हैं। उन्हें यौन उत्पीड़न मामले में बरी करने के दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट के फैसले को महिला पहलवानों ने सेशन कोर्ट में चुनौती दे दी है। बीते 3 अगस्त को राउज एवेन्यू कोर्ट ने बृजभूषण को इन आरोपों से बरी किया था। अब चार महिला पहलवानों ने फैसले के खिलाफ सेशन कोर्ट का रुख किया है, साथ ही सह-आरोपी विनोद तोमर की रिहाई को चुनौती दी है। महिला पहलवानों की अपील पर राउज एवेन्यू कोर्ट शनिवार को सुनवाई कर सकती है। याचिका में दावा किया है कि निचली अदालत का आदेश कानून की दृष्टि में मान्य नहीं है और उसमें सबूतों का गलत व त्रुटिपूर्ण आकलन हुआ। अपील में आरोप है कि फैसला अनुमान और अटकलों पर आधारित था, जिसमें स्थापित कानूनी सिद्धांतों को सही ढंग से लागू नहीं किया गया। पहलवानों का कहना है कि आदेश में पीड़िता के व्यवहार को लेकर पुरानी रूढ़िवादी सोच को आधार बनाया गया। यह चुनौती बृजभूषण शरण सिंह की राजनीतिक और कानूनी मुश्किलें फिर से बढ़ा सकती है। राउज एवेन्यू कोर्ट से बरी होने के बाद सिंह ने अपने लिए बड़ी राहत बताया था। उन्होंने कहा था कि यह फैसला उन सभी लोगों को बल देगा, जिन पर झूठे आरोप लगाए जाते हैं। उन्होंने यह भी दावा किया था कि इस मामले में ओलंपिक पदक विजेताओं और विपक्षी दलों सहित कई बड़े लोग शामिल थे। बृजभूषण ने हमेशा खुद पर लगे यौन उत्पीड़न के आरोपों को बेबुनियाद बताया है। यह विवाद देश के सबसे चर्चित खेल और कानूनी मामलों में से एक रहा है, जिसकी शुरुआत 2023 में हुई थी, जब कई महिला पहलवानों ने 2016 से 2022 के बीच विभिन्न स्थानों पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए थे।

अखिलेश का रुख साफ कहा- जो जीत पाएं वो सीटें ले ले कांग्रेस

- कांग्रेस के गढ़ में सपा ने तय कर दी गठबंधन की शर्त

रायबरेली, एजेंसी। समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के लोकसभा क्षेत्र रायबरेली से अपने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव अभियान का जोरदार आगाज किया है। उन्होंने गठबंधन की शर्तों को स्पष्ट करते हुए कहा, गठबंधन भी होगा, गठबंधन के साथ चुनौती भी होगी। हमारे लिए बात सीट की नहीं, जीतने वाली सीट की होगी। जो जीते, वह सीट ले ले। अखिलेश ने दावा किया कि 2024 के लोकसभा चुनावों में उनकी पार्टी ने भाजपा को हराया था और अब 2027 के विधानसभा चुनावों में भाजपा की स्थायी हार सुनिश्चित करने के लिए काम किया जाएगा।

अखिलेश यादव ने कांग्रेस के साथ गठबंधन को लेकर अपनी पार्टी की प्राथमिकता को बिल्कुल स्पष्ट कर दिया है। उन्होंने कहा कि सीटों की संख्या से अधिक महत्वपूर्ण जीतने की संभावना होगी, और जो उम्मीदवार या पार्टी किसी सीट पर जीत हासिल कर सकती है, उस सीट पर उसी का दावा होना चाहिए। 2024 के लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश में मिलकर चुनाव लड़ा था, जिससे दोनों दलों के प्रदर्शन में 2022 के विधानसभा चुनाव की तुलना में काफी सुधार हुआ था, जब वे अलग-अलग लड़े थे। अखिलेश यादव ने अपने संबोधन में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव को भाजपा और समाजवादी पार्टी के पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) सामाजिक गठजोड़ के बीच मुकाबले के तौर पर पेश किया। उन्होंने 'ए' के दायरे को और व्यापक करने की कोशिश करते हुए इसमें महिलाओं (आधी आबादी) को भी जोड़ने की बात कही। उन्होंने गाजीपुर में विश्वकर्मा परिवार से जुड़े कथित मामले और एक बिंद युवक का भी जिक्र किया, और कहा कि समाजवादी पार्टी विश्वकर्मा, लोध और पासी समेत इन समुदायों के लोगों को न्याय दिलाने के लिए काम करेगी।

सपा अध्यक्ष ने भाजपा की 'बुलडोजर राजनीति' पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि पीडीए से जुड़े समुदायों को प्रशासनिक कार्रवाई के जरिए चुनिंदा तरीके से निशाना बनाया जा रहा है, जबकि सत्ता से जुड़े समुदायों के साथ अलग व्यवहार किया जाता है। अखिलेश ने कहा कि असमानता के खिलाफ संघर्ष जारी है और पीडीए के मतदाता अब अपनी राजनीतिक ताकत को समझ चुके हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि 'बुलडोजर राजनीति' करने वाले लोग पीडीए आंदोलन से बच नहीं पाएंगे, और इस बार चुनावी फैसला केवल ऐसी राजनीति को हराएगा नहीं, बल्कि उसे खत्म करेगा। रायबरेली में सपा विधायक श्याम सुंदर भारती ने भी पार्टी के दावे को मजबूती से रखा और रायबरेली को कांग्रेस का गढ़ बताए जाने पर सवाल उठाया। भारती ने कहा कि 2022 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी ने जिले की चार सीटें जीती थीं, और दो सीटों पर पार्टी बेहद कम अंतर से हारी थी। उन्होंने दावा किया कि अगर ये सीटें भी सपा के खाते में आतीं तो जिले की सभी छह विधानसभा सीटों पर पार्टी जीत दर्ज करती।

जमुई छेड़छाड़: माता-पिता ने सीएम से की सख्त कार्रवाई की गुहार

पटना (एजेंसी)। जमुई में छेड़छाड़ की शिकार हुई एक नाबालिग लड़की के माता-पिता ने बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से मुलाकात कर अपनी बेटी को परेशान करने वाले दरिंदों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई की मांग की। मुख्यमंत्री चौधरी ने पीड़ित परिवार को आश्वासन दिया कि उनकी बेटी की सुरक्षा और शिक्षा सुनिश्चित की जाएगी। पीड़िता की मां ने मुख्यमंत्री चौधरी से अपील कर कहा कि अपराधियों को भी उसी डर और तकलीफ का सामना करना चाहिए, जो उन्होंने उनकी मासूम बेटी को दी है। उन्होंने भावुक होकर कहा, मेरी बेटी गिड़गिड़ा रही थी, अब उन दोषियों को भी गिड़गिड़ाना चाहिए। हालांकि, मां ने बिहार सरकार और पुलिस की त्वरित कार्रवाई पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि 24-48 घंटों के भीतर पहले तीन आरोपियों को पकड़ा गया और फिर एक मुठभेड़ के बाद मुख्य आरोपी को दबोच गया। मुख्यमंत्री ने परिवार को भरोसा दिलाया है कि उनकी बेटी उनकी अपनी बेटी जैसी है और उसकी हर संभव मदद की जाएगी।

अभिजीत का दावा- ज्ञानेश ने कई भाजपा नेताओं को हराया

48 घंटे में सीईसी ने इस्तीफा दें नहीं तो आंदोलन होगा-सीजेपी

नई दिल्ली, एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार से 48 घंटे के भीतर इस्तीफे की मांग की है और ऐसा न होने पर राष्ट्रीय स्तर पर आंदोलन की चेतावनी दी है। गुरुवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में सीजेपी के अभिजीत दीपक ने यह चौंकाने वाला दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी के कई नेताओं के हालिया चुनावों में हारने की वजह ज्ञानेश कुमार हैं, हालांकि उन्होंने किसी नेता का नाम नहीं लिया। हाल ही में एक खोजी मीडिया रिपोर्ट के बाद सीईसी विपक्ष के निशाने पर आ गए हैं, जिस पर सीजेपी ने भी अपनी आवाज बुलंद की है।

दीपक ने इस सवाल के जवाब में कि क्या विपक्ष को भी इस बार चुनाव से मना कर देना चाहिए, कहा कि अगर फ्री एंड फेयर चुनाव नहीं होता है तो कोई भी चुनाव न लड़े। भाजपा के नेता भी जो हारे इलेक्शंस उनको भी मैं कहना चाहता हूं सर आप भी जीत सकते थे लेकिन आपको ज्ञानेश कुमार ने हराया है। उन्होंने उत्तर प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के चुनाव से दूरी बनाने के सवाल पर कहा कि जिसको बात माननी है वो माने जिसको ना माननी है वो ना माने वो उनका लोकतांत्रिक अधिकार है। ज्ञानेश कुमार के 48 घंटे में इस्तीफा न देने पर सीजेपी ने पूरे देश में आंदोलन की घोषणा की है। दीपक ने बताया कि हम हर राज्य जाएंगे, हम हर शहर जाएंगे और लोगों को जगाने की कोशिश करेंगे। जैसे एक हमने जंतरमंतर पर आंदोलन करने से पहले हम देश भर में गए थे। वैसे ही हम ज्ञानेश कुमार के खिलाफ भी देश भर में जाएंगे। सीजेपी ने कई प्रमुख मांगें रखी हैं, जिनमें मुख्य चुनाव आयुक्त का इस्तीफा, एसआईआर प्रक्रिया की पूरी स्वतंत्र जांच, एसआईआर को रोकना और पहले की मतदाता सूची को बहाल करना शामिल है। इसके अलावा, सभी संबंधित एसआईआर रिकॉर्ड और फाइलों को उच्चतम न्यायालय या स्वतंत्र न्यायिक निगरानी वाली जांच को सौंपना, मुख्य निर्वाचन आयुक्त और निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया में सुधार और उन अधिकारियों की पहचान करना भी शामिल है, जिन्होंने विवादित बदलावों और निर्देशों को मंजूरी दी थी। दीपक ने चुनाव से छेड़छाड़ और वोट की चोरी को सबसे बड़ा मुद्दा बताया। उन्होंने कहा कि लोगों में गुस्सा पहले ही बहुत है। अच्छा होगा अगर ज्ञानेश कुमार 48 घंटों के अंदर इस्तीफा दे दें, नहीं तो ज्ञानेश कुमार के खिलाफ पूरे देश में आंदोलन होगा।

हैदराबाद में 'बाहुबली क्रेन' की मदद से 69 फीट ऊंचे गणपति का विसर्जन, बप्पा की विदाई में उमड़े लाखों श्रद्धालु

हैदराबाद, एजेंसी। खैराताबाद गणेश शोभायात्रा का समापन भक्तों की भारी भीड़ की जय-जयकार के बीच एक भव्य समारोह के साथ हुआ. भक्तों ने 69 फीट ऊंची गणेश मूर्ति को भव्य विदाई दी. गत 11 दिनों से भक्तों द्वारा धूप-दीप और नैवेद्य चढ़ाकर पूजा-अर्चना की जा रही थी. श्रद्धालुओं की भारी भीड़ और जयकारों के बीच, बप्पा की मूर्ति का विसर्जन संपन्न हुआ. इस विसर्जन समारोह को देखने के लिए सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़ पड़े थे, जिसकी वजह से पूरे हैदराबाद शहर में भारी भीड़ जमा हो गई थी. शोभा यात्रा सुबह 6 बजे शुरू होने वाली थी, क्रेन में आई खराबी के कारण 3 घंटे की देरी से यानी सुबह 9 बजे शुरू हुई. 'बाहुबली क्रेन' में आई तकनीकी खराबी की वजह से बड़े गणेश प्रतिमा को टस्कर (विशेष वाहन) तक पहुंचने में देरी हुई. इस दौरान भक्त 'जय बोलो गणेश महाराज की जय' के नारे लगा रहे थे.

गणपति के दर्शन के लिए लोग भारी तादाद में श्रद्धालु उमड़ पड़े. रास्ते भर भक्त 'जय बोलो गणेश महाराज की जय' के जयकारे लगाते रहे. गणेश शोभा यात्रा सेंसेशन थिएटर, टेलीफोन भवन, तेलुगु तल्ली फ्लाईओवर और सचिवालय (सेक्रेटेरिएट) होते हुए हुसैन सागर के किनारे पहुंची. विशाल क्रेनों की मदद से हुसैन सागर में दोपहर 2:15 बजे विसर्जन की प्रक्रिया पूरी की गई. हैदराबाद में गणेश विसर्जन का यह कार्यक्रम बेहद कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच संपन्न हुआ. प्रशासन ने हर जगह किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पुख्ता कदम उठाए थे.

जनता का भरोसा सेवा से मिलता है...15 पैसे नहीं, अब 15 सेकंड में पहुंचती है पूरी राशि : नितिन नबीन

जयपुर, एजेंसी। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने राहुल गांधी के उस सवाल का जवाब दिया है, जिसमें वे भाजपा की सरकारों का लगातार सत्ता में लौटने को लेकर सवाल उठाते रहे हैं. शुक्रवार को जयपुर के दादिया में निकाय जनप्रतिनिधि सम्मेलन को संबोधित करते हुए नितिन नबीन ने कहा कि भाजपा की सरकारों के प्रति जनता का भरोसा किसी चुनावी गणित से नहीं, बल्कि सेवा और योजनाओं के जरिए लोगों के जीवन में आए बदलाव से बना है. उन्होंने जनप्रतिनिधियों से कहा कि हालिया निकाय चुनाव में मिली सफलता को सत्ता की उपलब्धि मानकर नहीं, बल्कि जनता की सेवा का अवसर मानकर काम करना होगा. कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी कांग्रेस को जमकर निशाने पर लिया. इस दौरान नितिन नबीन ने दादिया से 90 प्रचार रथ भी रवाना किए हैं, जिन्हें ग्रामीण क्षेत्रों में सरकार की योजनाओं और विकास कार्यों का संदेश पहुंचाने के लिए इस्तेमाल किया जाएगा.

जनता के आशीर्वाद को वोट के रूप में देखते हैं : नितिन नबीन ने कहा कि कुछ लोग सवाल पूछते हैं कि भाजपा की सरकारें लगातार क्यों आती हैं और पार्टी के नेता आने वाले वर्षों में भी जनता की सेवा करने की बात किस आधार पर करते हैं ? उन्होंने कहा कि इसका जवाब जनता के बीच जाकर देखा जा सकता है. जब गरीब परिवारों को आवास मिलता है, महिलाओं को शौचालय की सुविधा मिलती है, स्वच्छता अभियान जनआंदोलन बनता है और रेहड़ी-पटरी वालों तक बैंकिंग और ऋण की सुविधा पहुंचती है, तो उसमें सरकार के प्रति विश्वास पैदा होता है. नबीन ने केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि गरीबों के घर, महिलाओं के लिए शौचालय, स्वच्छता अभियान और पीएम स्वनिधि जैसी योजनाओं के जरिए सरकार ने लोगों के जीवन में बदलाव लाने का प्रयास किया है. उन्होंने कहा कि भाजपा इन योजनाओं के लाभ को जनता के आशीर्वाद और समर्थन से जोड़कर देखती है. पहले सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने को लेकर सवाल उठते थे, लेकिन अब डीबीटी के माध्यम से राशि सीधे लाभार्थियों के खातों में पहुंचाई जा रही है. राजस्थान सरकार की योजनाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी सीधे लाभ हस्तांतरण के जरिए लोगों तक योजनाओं का लाभ पहुंचा रहे हैं.

15 पैसे नहीं, 15 सेकंड में पूरी राशि मिल रही है : नितिन नबीन ने कहा कि भाजपा के लिए लंबे समय तक सरकार में रहना अपने आप में लक्ष्य नहीं है. पार्टी का दावा है कि सत्ता का इस्तेमाल सेवा के माध्यम के तौर पर किया जाना चाहिए. उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राजनीतिक जीवन का जिक्र करते हुए कहा कि उनकी यात्रा को भाजपा सेवा और समर्पण से जोड़कर देखती है. उन्होंने जनप्रतिनिधियों से कहा कि जनता ने उन्हें चुनाव जीताकर जो जिम्मेदारी दी है, उसका अर्थ केवल पद हासिल करना नहीं है.

अक्षय की 'हे बेबी' का आएगा पार्ट 2, साजिद ने किया कन्फर्म

नई दिल्ली। अक्षय कुमार की कॉमेडी फिल्म हे बेबी का पार्ट 2 लगभग दो दशक बाद कन्फर्म हो गया है। फिल्म का पहला पार्ट साल 2007 में रिलीज हुआ था। हे बेबी बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुई थी। साल 2007 में अक्षय कुमार, फरदीन खान और रितेश देशमुख की फिल्म दे बेबी रिलीज हुई थी। अक्षय की ये कॉमेडी फिल्म उस साल बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुई थी। अब लगभग दो दशक के बाद इस फिल्म का सीक्वल कन्फर्म हुआ है। साजिद नाडियाडवाला ने खुद इस गुड न्यूज को कन्फर्म किया है। 3 सितंबर को नाडियाडवाला ने न्यू साउथ वेल्स के प्रीमियर क्रिस मिन्स का अपने मुंबई ऑफिस में स्वागत किया। उन्होंने इस मुलाकात की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर कीं। इसी के साथ जानकारी दी कि ऑस्ट्रेलिया में शूट के लिए तीन फिल्मों की डील साइन गुई है। इनमें से एक फिल्म हे बेबी का सीक्वल होगी। हे बेबी पार्ट 1 भी ऑस्ट्रेलिया में ही शूट हुई थी।

लाइफ Style

अमनदीप

इंग्लिश टीचर से करती थीं नफरत

धारावाहिक गंगा माई की बेटियां की अभिनेत्री अमनदीप सिद्धू आज टीवी की जानी-मानी अदाकारा हैं। हालांकि, यहां तक पहुंचना उनके लिए आसान नहीं रहा। हाल ही में, एक्ट्रेस ने अपने संघर्ष के दिनों को याद किया है। साथ ही अपने स्कूल के दिनों की यादों को भी साझा किया है। अमनदीप सिद्धू कहती हैं, 'क्लास में मैं बहुत ज्यादा बातें करती थी। प्रिंसिपल मेरी मम्मी से हमेशा इसी बात की शिकायत भी करती थीं। जब मैंने स्कूल जाना शुरू किया था तब मैं पंजाब में रहती थी, पर दूसरी कक्षा के बाद ही मम्मी के साथ दिल्ली आ गई थी। उस समय मेरी हिंदी और अंग्रेजी दोनों ही बहुत खराब थी। मेरी बातचीत में पंजाबी शैली का बहुत प्रभाव दिखता था।' अमनदीप आगे बताती हैं कि आखिर उन्हें क्यों अपनी इंग्लिश टीचर से नफरत थी। उन्होंने कहा, 'दिल्ली में डॉली मैम अंग्रेजी पढ़ाती थीं और बहुत सख्त भी थीं। वह जब भी क्लास में होतीं तो हमें अंग्रेजी में ही बोलना होता था। तब मुझे बहुत डर लगता था और सोचती थी कि डॉली मैम क्लास में नहीं आनी चाहिए।' अपनी बात जारी रखते हुए उन्होंने आगे कहा, 'वह क्लास में एक-एक कर सभी बच्चों को खड़ा करवा देती थीं और किताब में से अंग्रेजी के पैराग्राफ जोर-जोर से बोलकर पढ़वाती थीं। गलत पढ़ने पर वह छड़ी से मारती भी थीं। तब मुझे उनसे नफरत थी, लेकिन अब लगता है कि अगर वो नहीं होतीं तो आज मुझमें इतना आत्मविश्वास नहीं होता।' अमनदीप ने कहा, 'सातवीं–आठवीं कक्षा में मेरी मम्मी को लगा कि मुझे पंजाबी भी पता होनी चाहिए तो उन्होंने मुझे पंजाबी सीखने के लिए स्पेशल क्लासेज में डाल दिया था। इससे मैं पंजाबी बोलना भी नहीं भूली, इसके साथ मेरी अंग्रेजी और हिंदी भी सही हो गई।

हॉलीवुड मसाला

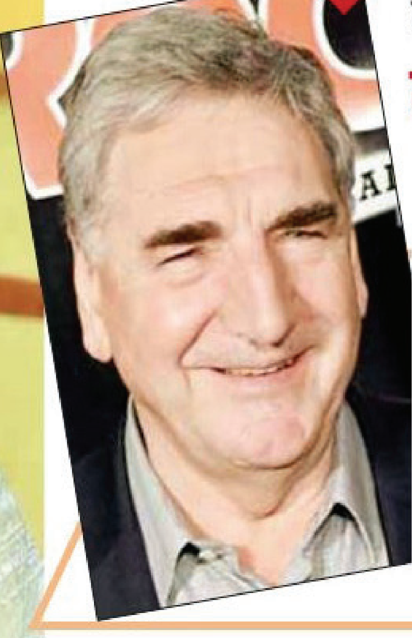

बीमारी को लेकर शर्म महसूस करने लगे थे

लॉस एंजिल्स। जेनिफर एनिस्टन के बॉयफ्रेंड जिम कर्टिस ने लाइफ के उस दौर की कहानी खुलकर सुनाई है, जब 20 साल की उम्र में उन्हें गंभीर बीमारी से गुजरना पड़ा। उन्होंने न्यूयॉर्क में हुए एक कार्यक्रम के दौरान अपनी सेहत को लेकर गंभीर हालात को बयान किया, जिसे लेकर वो कभी शर्म महसूस करने लगे थे। उन्होंने उस दौर को जीवन का सबसे मुश्किल वक्त बताया। उन्होंने बताया कि एक रात उन्हें अस्पताल के इमर्जेंसी रूम में भर्ती होना पड़ा और वहां उन्होंने इंटरनेट पर जब अपनी बीमारी के बारे में पढ़ना शुरू किया तो उनका डर बढ़ने लगा। बाद में वे लोगों को असली स्थिति बताने में शर्म महसूस करते और कहते कि उनका बाइक एक्सिडेंट हुआ है। 57 साल की एनिस्टन और 50 साल के जिम बुधवार को न्यूयॉर्क में एक साथ नजर आए, जहां वो कर्टिस की नई किताब के जश्न में शामिल हुए।

स्टोर बंद कराकर चुनी थी निक के लिए इंगेजमेंट रिंग

लॉस एंजिल्स। बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक में डंका पीटने वाली प्रियंका चोपड़ा अपने काम के बीच सोशल मीडिया के लिए थोड़ा वक्त जरूर निकालती हैं। उन्होंने अपनी पर्सनल लाइफ से जुड़ी दिलचस्प बात शेयर की है। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए गर्मी के दिनों को याद किया है जब उन्होंने पति निक जोनस को अपना नंबर शेयर किया था। निक जोनस ने 19 जुलाई 2018 को प्रियंका चोपड़ा को प्रपोज किया था। इसके लिए उन्होंने लंदन में टिफनी एंड कंपनी का पूरा स्टोर बंद कराकर उनके लिए परफेक्ट इंगेजमेंट रिंग चुनी थी। इसके बाद दोनों ने अपने रिश्ते को पब्लिक किया और दिसंबर 2018 में जोधपुर में कई दिनों तक चले भव्य समारोह में शादी रचाई। उनकी शादी ईसाई और हिंदू रीति-रिवाजों से संपन्न हुई थी। एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर एक मोंटाज वीडियो पोस्ट किया, जिसमें पति निक जोनस के शुरुआती दिन, यात्राएं और पारिवारिक यादें शामिल हैं। एक्ट्रेस ने लिखा, 'ओह हां! मुझे याद है वो गर्मी, जब मैंने तुम्हें अपना नंबर दिया था, लगभग: गर्मी 2017।'

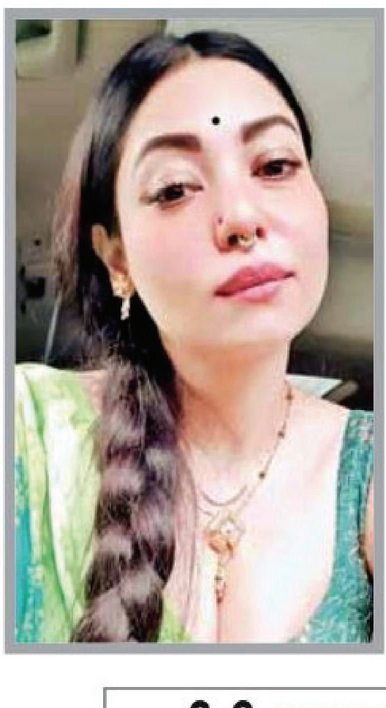

बोल्ड किरदार की वजह से झेली परेशानी

मुंबई। मिर्जापुर द मूवी सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। फिल्म में कुछ किरदार तो सीरीज वाले ही लौटे हैं, वहीं कुछ नए किरदार भी आए हैं। सीरीज के जो किरदार वापस लौटे हैं उसमें से ही एक किरदार है जरीना का। सीरीज में जरीना का काफी बोल्ड रोल था। उन्हें अपने बोल्ड रोल की वजह से काफी भद्दे कमेंट्स और मैसेज का सामना करना पड़ा था। जरीना का किरदार निभाने वाली अनंगशा बिस्वास ने एक इंटरव्यू में बताया था कि जब मिर्जापुर का सीजन 1 रिलीज हुआ था तब उन्हें काफी लोगों ने घटिया मैसेज किए थे। उन्होंने कहा था कि सीजन 1 के रिलीज के बाद वो काफी परेशान हुई थीं। एक बातचीत में अनंगशा बिस्वास ने कहा, 'सीजन 1 के बाद मैं बहुत ज्यादा परेशान हुई थी, क्योंकि वो सब मेरे लिए बहुत नया था। तरह-तरह के कमेंट्स और अजीब ई-मेल्स आ रहे थे, हर तरफ एक ही जैसे शब्द इस्तेमाल हो रहे थे। मैं थोड़ा हिल गई थी।'

करण बड़े पर्दे पर लाएंगे राधा-कृष्ण की कहानी

मुंबई। फैमिली ड्रामा और क्लासिक रोमांस जैसी फिल्म बनाने वाले करण जौहर अब एक डिवोशनल लव स्टोरी बड़े पर्दे पर ला सकते हैं। इस फिल्म में राधा और कृष्ण की लव स्टोरी को करण जौहर दर्शकों तक पहुंचा सकते है। धर्मा प्रोडक्शन्स की इस फिल्म को डायरेक्टर सचिन रवि डायरेक्ट कर सकते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म का टाइटल फिलहाल के लिए राधा कृष्ण है, और ये फिल्म भी डेवलपमेंट के एडवांस स्टेज में है। फिल्ममेकर सचिन रवि को फिल्म को डायरेक्ट और लिखने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। हालांकि, फिल्म की कास्ट को लेकर अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। फिल्म से जुड़े सूत्रों ने मीडिया पोर्टल को बताया, 'करण जौहर लंबे वक्त से राधा-कृष्ण पर फिल्म बनाना चाहते थे, और अब उन्हें आखिरकार एक ऐसी स्क्रिप्ट मिल गई है जो भारतीय धर्मग्रंथों की सबसे बड़ी और सबसे मशहूर प्रेम कहानियों में से एक के साथ न्याय करती है।

टीवी मसाला

दो गद्दारों ने मारी बाजी, क्रिस्टल रिदा ने जीते 66 लाख रुपए

नई दिल्ली। पिछली बार की तरह इस बार भी शो में कुछ खिलाड़ी 'इनोसेंट' थे, जिन्हें गद्दारों को पहचानना था; जबकि कुछ 'ट्रेटर्स' यानी गद्दार थे, जिन्हें अपनी पहचान छिपाकर बाकी खिलाड़ियों को खेल से बाहर करना था। फिनाले के आखिरी पड़ाव तक भी गद्दारों की पहचान का राज नहीं खुला। अंत में क्रिस्टल डिसूजा और रिदा थराना ने बाजी मार ली। दोनों ने मिलकर 66 लाख रुपए की इनामी राशि जीत ली। शो में 21 प्रतियोगियों के साथ खेल शुरू हुआ था।

अरबाज और मलाइका के बेटे लेने जा रहे बॉलीवुड में एंट्री

मुंबई। अरबाज खान और मलाइका अरोड़ा के लिए काफी एक्साइटिंग मोमेंट आ रहा है, क्योंकि उनके बेटे अरहान अब बॉलीवुड में डेब्यू करने वाले हैं। वह बॉलीवुड फिल्म में बतौर हीरो नजर आने वाले हैं। अरबाज खान और मलाइका अरोड़ा के बेटे अरहान खान को आप कई बार इवेंट्स में देखते रहते हैं। लेकिन, अब खबर आ रही है कि वह एक्टिंग की दुनिया में एंट्री लेने वाले हैं। जी हां, सलमान के भतीजे अरहान अब बॉलीवुड हीरो बनने वाले हैं और वो भी एक्शन हीरो बनकर एंट्री लेने वाले हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक अरबाज और मलाइका के बेटे अरहान अब बॉलीवुड में एक एक्शन फिल्म में लॉन्च होने वाले हैं। फिल्म को फिल्ममेकर अनिरुद्ध अय्यर ने डायरेक्ट किया है जिन्होंने इससे पहले एक्शन हीरो को डायरेक्ट किया था। अरहान की डेब्यू फिल्म एक बड़ी एक्शन फिल्म होगी। फिलहाल फिल्म की स्क्रिप्ट फाइनल स्टेज पर है। बता दें कि इससे पहले अरबाज ने बेटे को फिल्म इंडस्ट्री में लॉन्च करने पर कहा था, स्क्रिप्ट मेरे पास से आ सकती है या फिर किसी और की तरफ से भी। फिलहाल, सब उसे देख रहे हैं। अरबाज ने यह भी कहा था कि देश में कई फिल्ममेकर्स हैं और सब नए टैलेंट और चेहरे को देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर किसी के पास उनसे पहले अरहान के लिए ऑफर है तो वह उसे देख सकते हैं। वह बोले थे, 'ऐसा नहीं है कि मैं अरहान को कुछ नहीं दूंगा।

अपने गुरु आ जाएंगे याद

इन बॉलीवुड फिल्मों में दिखी टीचर-स्टूडेंट की शानदार बॉन्डिंग

नई दिल्ली। देश में हर साल 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। गुरुओं को धन्यवाद देने के लिए एक दिन काफी नहीं है। फिर भी हर साल 5 सितंबर वाला दिन गुरुओं के लिए मनाया जाता है। शिक्षक दिवस पर हम बॉलीवुड की कुछ ऐसी फिल्मों के नाम बताएंगे जिन्हें आप मिस नहीं कर सकते, क्योंकि यह आपके स्कूल डेज की पुरानी यादों को वापस लाती है। हर इंसान की जिंदगी में एक न एक शख्स ऐसा होता है जो जिसकी सिखाई हुई बातें आप पूरी जिंदगी फॉलो करते हैं। यह होता है आपका गुरु। टीचर की सिखाई हुई हर बात आपको पूरी जिंदगी काम आती है। शिक्षक और स्टूडेंट्स का एक अनोखा रिश्ता होता है।

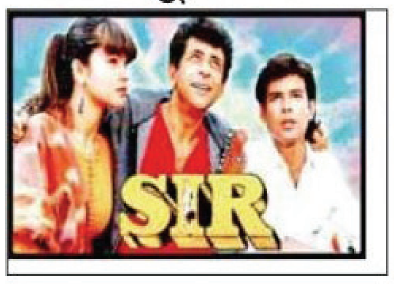

सर (1993) : 1993 की फिल्म 'सर' स्टूडेंट और टीचर के रिश्ते पर बनी सबसे शानदार फिल्मों में से एक है। महेश भट्ट के निर्देशन में बनी इस फिल्म में नसीरुद्दीन शाह, पूजा भट्ट, अतुल अग्निहोत्री और परेश रावल मुख्य भूमिका में थे। फिल्म आज भी अपने शानदार म्यूजिक और बेहतरीन ऐक्टिंग के लिए जानी जाती है।

तारे जमीन पर (2007): फिल्म 'तारे जमीन पर' में मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान की शिक्षक की भूमिका कौन भूल सकता है। फिल्म में डिस्लेक्सिया की समस्या को बताया गया है कि कैसे इससे पीड़ित बच्चे को लाइफ काफी चैलेंजिंग हो जाता है। आमिर ने इस फिल्म में एक पेंटिंग टीचर की भूमिका निभाई है जो यह पता लगाने वाला पहला बच्चा है (दर्शील सफारी) डिस्लेक्सिक है और उसकी विकलांगता को दूर करने में उसकी मदद करता है।

मोहब्बतें (2000)

साल 2000 की फिल्म 'मोहब्बतें' वैसे तो एक लव स्टोरी फिल्म है। इस फिल्म में मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने नारायण शंकर का किरदार निभाया था। जिन्होंने गुरुकुल के प्रमुख का किरदार निभाया था। फिल्म में अमिताभ बच्चन के सख्त लुक और विद्यार्थियों के साथ सख्त रवैये ने दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई थी। लेकिन तभी फिल्म में एंट्री होती है शाहरुख खान की। जो एक कूल टीचर के रूप में गुरुकुल में एंट्री लेते हैं।

चक दे इंडिया (2007)

'चक दे इंडिया' फिल्म में शाहरुख खान महिला हॉकी टीम के कोच की भूमिका में हैं। इस किरदार में शाहरुख खान अलग ही अवतार में नजर आए थे। शाहरुख को अपने देश के लिए मैच जीतने के लिए महिला टीम को ट्रेनिंग करने के लिए कड़ी मेहनत करने वाले मास्टर की भूमिका निभाते हुए देखकर दर्शकों का दिल खुशी से झूम उठा। शाहरुख की यह फिल्म उनके शानदार फिल्मों में से एक माना जाता है।

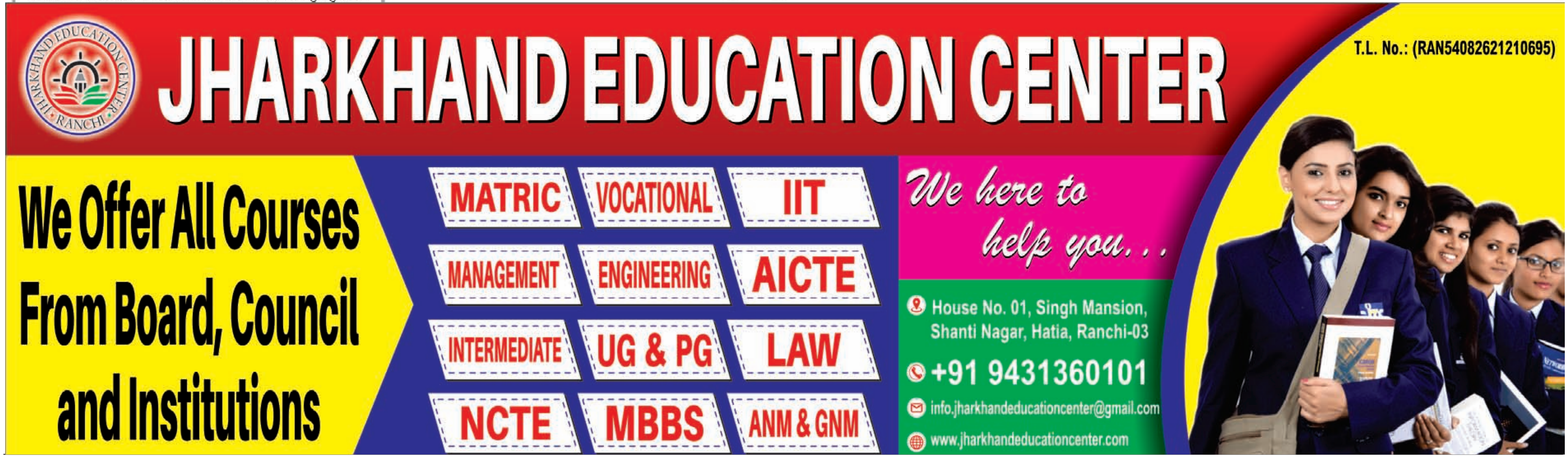

हिंदी दैनिक झारखण्ड उजाला के लिए प्रकाशक एवं स्वामित्व सचिन कुमार सिंह द्वारा मकान संख्या 01, सिंह मेंशन, शांति नगर, नियर हटिया टोंको ब्रिज, ओबरिया रोड, पोस्ट : हटिया, थाना : जगन्नाथपुर, जिला : रांची, झारखण्ड, पिन : 834003. से प्रकाशित एवं सचिन कुमार सिंह द्वारा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, पता : काठीटांड, नियर टेंडर बगीचा, पोस्ट- रातू, थाना - रातू, जिला : रांची, झारखण्ड, पिन : 835222 से मुद्रित, संस्थापक : रत्नेश नारायण सिंह, संपादक : सचिन कुमार सिंह *(पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार), epaper.jharkhandujala.com, E-mail -jharkhandujala@gmail.com / hr.jharkhandujala@gmail.com / desk.jharkhandujala@gmail.com (M) +91 9431360101, (O) 0651-2290101, (fax) 0651-2290101.